website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

# दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 17 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार 28 दिसम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

## 'मनरेगा खत्म करना गरीबों पर सीधा वार', CWC बैठक में केंद्र पर बरसे खरगे

नई दिल्ली । कांग्रेस कार्यसमिति (CWC) की अहम बैठक में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि देश ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर की जा रही हैं, संविधान की भावना को ठेस पहुंच रही है और आम नागरिक के अधिकार लगातार सिमटते जा रहे हैं। खरगे के मुताबिक यह केवल हालात की समीक्षा का समय नहीं, बल्कि आने वाले संघर्ष की दिशा तय करने का निर्णायक मोड़ है।

**मनरेगा पर हमला गरीबों के पेट पर लात**

खरगे ने संसद के शीतकालीन सत्र का जिक्र करते हुए कहा कि मोदी सरकार ने मनरेगा जैसी ऐतिहासिक योजना को कमजोर कर करोड़ों गरीबों, मजदूरों और ग्रामीण परिवारों की रोजी-रोटी पर सीधा प्रहार किया है। उन्होंने इसे "गरीबों के पेट पर लात और पीठ में छुरा घोंपने" जैसा बताया। उनके अनुसार मनरेगा को खत्म करना केवल एक योजना का अंत नहीं, बल्कि महात्मा गांधी के विचारों और सम्मान पर हमला है।

**सोनिया गांधी के लेख का हवाला**

कांग्रेस अध्यक्ष ने सोनिया गांधी के हालिया लेख का उल्लेख करते हुए कहा कि मनरेगा ने गांधी जी के सर्वोदय के सपने को जमीन पर उतारने का काम किया। उन्होंने कहा कि इस योजना का अंत सामूहिक नैतिक विफलता को दर्शाता है, जिसके सामाजिक और आर्थिक दुष्परिणाम लंबे समय तक दिखाई देंगे। खरगे ने याद दिलाया कि काम करने का अधिकार संविधान के नीति निर्देशक तत्वों की आत्मा है, जिसे यूपीए सरकार ने शिक्षा, भोजन, स्वास्थ्य और रोजगार के अधिकार के रूप में मजबूती दी थी।

**पूंजीपतियों को फायदा, गरीबों की अनदेखी**

खरगे ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार की नीतियां आम जनता के लिए नहीं, बल्कि कुछ चुनिंदा बड़े उद्योगपतियों के हित में बनाई जा रही हैं। उन्होंने महात्मा गांधी के विशेषाधिकार और एकाधिकार विरोधी विचारों का हवाला देते हुए कहा कि जो व्यवस्था समाज के साथ साझा नहीं हो सकती, वह नैतिक रूप से स्वीकार्य नहीं है।

**मनरेगा की वैश्विक पहचान**

अपने श्रम मंत्री कार्यकाल को याद करते हुए खरगे ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मनरेगा की सराहना होती थी। उन्होंने बताया कि 2006 में आंध्र प्रदेश के एक गांव से सोनिया गांधी और डॉ. मनमोहन सिंह ने इस योजना की शुरुआत की थी। यह दुनिया की सबसे बड़ी रोजगार गारंटी योजना बनी, जिसने पलायन रोका और दलितों, आदिवासियों, महिलाओं व भूमिहीन मजदूरों को सुरक्षा दी।

**बिना चर्चा कानून थोपने का आरोप**

खरगे ने कहा कि मोदी सरकार ने बिना अध्ययन, राज्यों और विपक्ष से चर्चा किए मनरेगा को खत्म कर नया कानून लागू कर दिया। उन्होंने इसकी तुलना कृषि कानूनों से की, जिन्हें बाद में जनता के दबाव में वापस लेना पड़ा।

**देशव्यापी आंदोलन का संकेत**

कांग्रेस अध्यक्ष ने मनरेगा को बचाने के लिए राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि जैसे किसान आंदोलन के बाद सरकार को झुकना पड़ा, वैसे ही इस मुद्दे पर भी जनता की ताकत रंग लाएगी।

**संगठन और चुनावी तैयारी पर जोर**

बैठक में संगठन सृजन अभियान की प्रगति और 2026 में असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी के चुनावों की तैयारियों पर चर्चा हुई। खरगे ने कहा कि लक्ष्य बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना है।

**वोटर लिस्ट, एजेंसियों के दुरुपयोग और सौहार्द पर चिंता**

खरगे ने SIR प्रक्रिया को लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताया और ED, CBI व IT के कथित दुरुपयोग का मुद्दा उठाया। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमलों की निंदा करते हुए देश में सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने पर जोर दिया।

**दिग्विजय सिंह का बयान**

CWC बैठक में दिग्विजय सिंह ने संगठन में विकेंद्रीकरण की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि प्रदेश अध्यक्ष तो बनाए जाते हैं, लेकिन कमेटियों का गठन नहीं होता, जिसे सुधारा जाना चाहिए।

## BMC चुनाव 2026: AIMIM ने जारी की पहली उम्मीदवार सूची, 7 नामों का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। बृहन्मुंबई नगर निगम (BMC) चुनाव 2026 को लेकर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) ने अपनी पहली उम्मीदवार सूची जारी कर दी है। पार्टी ने इस सूची में 7 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं। यह घोषणा AIMIM के राष्ट्रीय अध्यक्ष बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी के निर्देश पर की गई है। इसे आगामी बीएमसी चुनावों के लिहाज से राजनीतिक रूप से अहम कदम माना जा रहा है, जिससे साफ संकेत मिलता है कि AIMIM ने मुंबई के स्थानीय निकाय चुनावों के लिए संगठित और सक्रिय तैयारी शुरू कर दी है।

**मानखुर्द–शिवाजी नगर क्षेत्र से घोषित हुए उम्मीदवार**

AIMIM ने मानखुर्द शिवाजी नगर विधानसभा क्षेत्र (171) के अंतर्गत आने वाले वार्डों के लिए उम्मीदवार उतारे हैं। वार्ड नंबर 134 से मेहजबीं अतीक अहमद खान को महिला उम्मीदवार बनाया गया है। वार्ड 135 से खान इरशाद असलम अली, वार्ड 136 से मोहम्मद जमीर मोहम्मद मुर्तुजा कुरैशी, वार्ड 137 से शमीर रमजान पटेल और वार्ड 138 से रोशन इरफान शेख को ओबीसी वर्ग से टिकट दिया गया है। इसके अलावा वार्ड 139 से शबाना मोहम्मद आतिफ शेख को महिला उम्मीदवार और वार्ड 140 से विजय तातोबा उबाले को एससी वर्ग से मैदान में उतारा गया है। इन नामों के जरिए AIMIM ने सामाजिक संतुलन साधने की कोशिश की है।

**राज्य के अन्य निकाय चुनावों के लिए भी उम्मीदवार घोषित**

BMC के अलावा AIMIM ने महाराष्ट्र के अन्य नगर निकाय चुनावों के लिए भी उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है। अहमदनगर के प्रभाग 4 से शहनाज खालिद शेख, सलमा जाबिर शेख, शाहबाज अहमद सैयद और समद वहाब खान को टिकट दिया गया है। वहीं लातूर के वार्ड 4 से सुमैय्या मुहम्मद अली शेख और परभणी से आलिया अंजुम मोहम्मद गौस जैन को उम्मीदवार बनाया गया है। यह सूची राज्य स्तर पर पार्टी की राजनीतिक मौजूदगी को मजबूत करने की रणनीति को दर्शाती है।

**15 जनवरी को मतदान, 16 जनवरी को नतीजे**

मुंबई नगर निगम चुनाव के तय कार्यक्रम के मुताबिक नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 23 दिसंबर 2025 से 30 दिसंबर 2025 तक चलेगी। नामांकन पत्रों की जांच 31 दिसंबर 2025 को होगी। उम्मीदवार 2 जनवरी 2026 तक अपने नाम वापस ले सकेंगे। चुनाव चिह्न का आवंटन 3 जनवरी 2026 को किया जाएगा और उसी दिन अंतिम उम्मीदवार सूची जारी होगी। मतदान 15 जनवरी 2026 को होगा, जबकि मतगणना 16 जनवरी 2026 को की जाएगी। इसके साथ ही बीएमसी चुनाव 2026 की तस्वीर पूरी तरह स्पष्ट हो गई है।

## दिग्विजय सिंह की पोस्ट से सियासी घमासान, पीएम मोदी–आडवाणी की पुरानी तस्वीर शेयर, BJP ने राहुल गांधी को क्यों घेरा

नई दिल्ली । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने सियासी बवाल खड़ा कर दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 1990 के दशक की एक पुरानी ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर शेयर कर चर्चा छेड़ दी है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने क्वोरा का एक स्क्रीनशॉट पोस्ट किया, जिसमें बीजेपी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी गुजरात में एक कार्यक्रम के दौरान मंच पर दिखाई दे रहे हैं, जबकि नरेंद्र मोदी उनके पास ज़मीन पर बैठे नजर आ रहे हैं।

**आडवाणी का जिक्र, संगठन की तारीफ**

दिग्विजय सिंह ने अपनी पोस्ट में आडवाणी का उल्लेख करते हुए संघ–भाजपा के संगठनात्मक ढांचे की तारीफ की। उन्होंने लिखा कि यह तस्वीर उन्हें क्वोरा पर मिली और यह काफी प्रभावशाली है। उन्होंने कहा कि किस तरह RSS के जमीनी स्तर के स्वयंसेवक और जनसंघ के कार्यकर्ता नेताओं के चरणों में बैठते हुए आगे बढ़ते हैं और बाद में राज्य के मुख्यमंत्री व देश के प्रधानमंत्री बनते हैं—यही इस संगठन की ताकत है। पोस्ट के अंत में उन्होंने "जय सिया राम" भी लिखा।

**कब की है यह तस्वीर?**

दिग्विजय सिंह द्वारा साझा की गई यह तस्वीर 1990 के दशक की बताई जा रही है। इसे गुजरात की राजनीति में नरेंद्र मोदी के शुरुआती दौर से जोड़ा जा रहा है। जानकारी के मुताबिक यह फोटो वर्ष 1996 में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान ली गई थी, जिसमें उस समय के कई शीर्ष भाजपा नेता मौजूद थे।

**BJP का पलटवार, राहुल गांधी को घेरा**

इस पोस्ट को लेकर भाजपा ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। भाजपा प्रवक्ता सीआर केशवन ने इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को घेरते हुए कहा कि दिग्विजय सिंह की टिप्पणी कांग्रेस के कथित तानाशाही और अलोकतांत्रिक नेतृत्व को उजागर करती है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या राहुल गांधी साहस दिखाकर इस "सत्य बम" पर प्रतिक्रिया देंगे, जो यह दिखाता है कि कांग्रेस का पहला परिवार किस तरह पार्टी को निरंकुश तरीके से चलाता है।

**राज्यसभा और कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति**

गौरतलब है कि दिग्विजय सिंह का राज्यसभा में दूसरा कार्यकाल 2026 की शुरुआत में समाप्त हो रहा है और तीसरे कार्यकाल की संभावनाएं कम मानी जा रही हैं। मध्य प्रदेश से राज्यसभा की दौड़ में कमलनाथ और मीनाक्षी नटराजन को प्रबल दावेदार माना जा रहा है। वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और विधायक दल के नेता उमंग सिंगार को भी दिग्विजय विरोधी खेमे से जोड़ा जाता है। ऐसे में उनकी यह पोस्ट कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति के संदर्भ में भी अहम मानी जा रही है।

## अमेरिका में हवाई यात्रा ठप: 1100 से ज्यादा उड़ानें रद्द, करीब 4000 फ्लाइट्स लेट, जानिए वजह

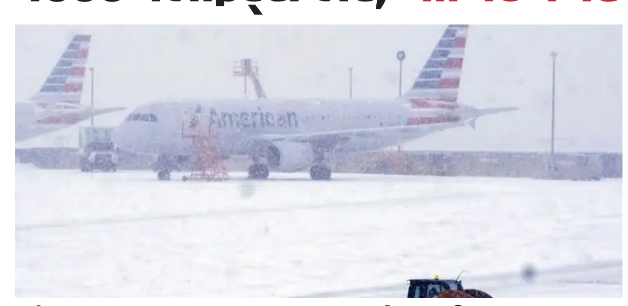

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में क्रिसमस जैसे बड़े त्योहार के बीच हवाई यात्रा बुरी तरह प्रभावित हो गई है। शुक्रवार (26 दिसंबर) को देश के कई हिस्सों में भीषण शीतकालीन तूफान और भारी बर्फबारी की चेतावनी के चलते एयरलाइंस को 1,100 से अधिक उड़ानें रद्द करनी पड़ीं, जबकि लगभग 4,000 फ्लाइट्स अपने तय समय से देरी से रवाना हुईं।

**न्यूयॉर्क में सबसे ज्यादा असर**

फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइट अवेयर के अनुसार, शुक्रवार दोपहर 1 बजे तक 1,191 उड़ानें रद्द की जा चुकी थीं और 3,974 फ्लाइट्स में देरी दर्ज की गई। सबसे खराब हालात न्यूयॉर्क के तीन प्रमुख हवाई अड्डों—लागार्डिया (LaGuardia), जॉन एफ. कैनेडी (JFK) और नेवार्क (Newark)—में देखने को मिले, जहां सबसे ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल हुईं। इसके अलावा बोस्टन और डेट्रायट के एयरपोर्ट्स पर भी यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

**भीषण बर्फबारी और तूफान की चेतावनी**

राष्ट्रीय मौसम सेवा (NWS) ने ऊपरी ग्रेट लेक्स क्षेत्र में भारी बर्फबारी का पूर्वानुमान जताया है। मौसम विभाग के मुताबिक, तूफान का केंद्र उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ रहा है। न्यूयॉर्क में रात भर में 10 इंच तक बर्फ गिरने की आशंका है, जिससे तापमान शून्य से नीचे जा सकता है।

**सड़कों पर भी खतरा, प्रशासन अलर्ट**

न्यूज एजेंसी एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार, छुट्टियों से लौट रहे यात्रियों के लिए सड़कों की स्थिति भी खतरनाक बनी हुई है। न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स ने बताया कि शहर में शीतकालीन तूफान की चेतावनी जारी कर दी गई है और नगर निगम के कर्मचारियों को सड़कों से बर्फ हटाने के काम में लगाया गया है।

**यात्रियों के लिए एडवाइजरी**

अमेरिकी एयरलाइंस कंपनियों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए यात्रियों को सतर्क रहने की सलाह दी है। एयरलाइंस ने कहा है कि यात्री एयरपोर्ट जाने से पहले अपनी फ्लाइट का स्टेटस जरूर जांच लें। NWS ने भी चेताया है कि ग्रेट लेक्स से लेकर न्यू इंग्लैंड तक मौसम की स्थिति बेहद खतरनाक बनी हुई है।

**न्यूयॉर्क और शिकागो सबसे ज्यादा प्रभावित**

फ्लाइट अवेयर के मिजरी मैप में न्यूयॉर्क के अलावा शिकागो के एयरपोर्ट्स भी उड़ानों की देरी और रद्द होने के मामले में सबसे ऊपर रहे। वेबसाइट के मुताबिक, NWS की चेतावनी के बाद अकेले न्यूयॉर्क क्षेत्र के हवाई अड्डों पर करीब 785 उड़ानें रद्द की गई हैं। भीषण मौसम के चलते आने वाले दिनों में भी हवाई सेवाओं पर असर बने रहने की आशंका जताई जा रही है।

## भारतीय रेल: अगले पाँच वर्षों में 48 प्रमुख स्टेशनों की क्षमता होगी दोगुनी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे देश के रेल बुनियादी ढांचे को मजबूत और आधुनिक बनाने की दिशा में एक बड़े और महत्वाकांक्षी अभियान पर काम कर रहा है। सरकार ने घोषणा की है कि अगले पाँच वर्षों में देश के 48 प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर ट्रेनों को संभालने की क्षमता को दोगुना किया जाएगा। इसमें दिल्ली, मुंबई, चेन्नई जैसे महानगरों के साथ कई बड़े और उभरते शहरों के रेलवे स्टेशन शामिल हैं। यह जानकारी शुक्रवार को सरकार की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई। सरकार का लक्ष्य बढ़ते यात्री और माल परिवहन के दबाव को देखते हुए वर्ष 2030 तक चरणबद्ध तरीके से स्टेशन क्षमता में बड़ा इजाफा करना है। हालांकि पूरा लक्ष्य 2030 तक का है, लेकिन अगले पाँच वर्षों में इसका बड़ा हिस्सा पूरा करने की योजना बनाई गई है, ताकि यात्रियों को जल्द से जल्द इसका लाभ मिल सके। इस योजना के तहत दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, हैदराबाद, बेंगलुरु, पटना, लखनऊ, जयपुर, चंडीगढ़, भोपाल, गुवाहाटी, वाराणसी, आगरा, पुरी, कोचीन, सूरत, वडोदरा, अमृतसर, विशाखापट्टनम, विजयवाड़ा, तिरूपति और मैसूर जैसे शहरों के रेलवे स्टेशनों को विकसित किया जाएगा। इन शहरों में लगातार बढ़ रहे यात्री और ट्रेन ट्रैफिक के कारण मौजूदा सुविधाओं पर भारी दबाव है। रेलवे स्टेशन क्षमता बढ़ाने के लिए नए प्लेटफॉर्म जोड़े जाएंगे, स्टेबलिंग और पिट लाइनें विकसित की जाएंगी, शंटिंग सुविधाओं को मजबूत किया जाएगा और शहरी इलाकों में नए टर्मिनल स्टेशनों का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही मेगा कोचिंग कॉम्प्लेक्स और बेहतर रखरखाव सुविधाएं भी विकसित होंगी। बयान के अनुसार सिग्नलिंग सिस्टम को अपग्रेड किया जाएगा और कई सेक्शनों में मल्टी ट्रैकिंग की जाएगी, जिससे ट्रेनों का संचालन अधिक सुरक्षित और समयबद्ध हो सके। रेलवे बोर्ड ने सभी जोनल रेलवे से स्पष्ट टाइमलाइन और ठोस कार्ययोजना मांगी है, ताकि यह महत्वाकांक्षी लक्ष्य समय पर पूरा किया जा सके।

## रोहतास रोपवे हादसा: RJD का नीतीश सरकार पर तीखा हमला

नई दिल्ली । बिहार के रोहतास जिले में शुक्रवार (26 दिसंबर) को हुए रोपवे हादसे को लेकर प्रदेश की सियासत गरमा गई है। इस घटना के बाद राष्ट्रीय जनता दल (RJD) ने नीतीश कुमार सरकार पर जोरदार हमला बोला है। राजद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) के जरिए सरकार पर कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। राजद के आधिकारिक एक्स हैंडल से जारी पोस्ट में कहा गया, "भाजपा-नीतीश सरकार की कमीशनखोरी की भेंट चढ़ा एक और प्रोजेक्ट। रोहतास में नवनिर्मित रोपवे हुआ ध्वस्त।" पार्टी ने इस हादसे को सरकार की कार्यशैली और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर बड़ा सवाल बताया है।

**'ट्रायल रन में ही करोड़ों स्वाहा'**

राजद ने आगे लिखा कि ट्रायल रन के दौरान ही करोड़ों रुपये पानी में चले गए। पार्टी ने तंज कसते हुए कहा, "1 जनवरी को यह रोपवे आम जनता के लिए खोला जाना था। भगवान ने सरकार में बैठे भ्रष्ट, भूखे भेड़ियों से सैकड़ों मासूम जानों को बचा लिया।" इस बयान के जरिए राजद ने सीधे तौर पर सरकार पर लापरवाही और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया।

**ट्रायल के दौरान ध्वस्त हुआ रोपवे का हिस्सा**

दरअसल, 26 दिसंबर को रोहतासगढ़ किला और रोहितेश्वर धाम को जोड़ने वाले नवनिर्मित रोपवे का ट्रायल चल रहा था। इसी दौरान रोपवे का एक हिस्सा अचानक ध्वस्त हो गया। हादसे में चार ट्रॉलियां और एक टावर क्षतिग्रस्त हो गए। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

**अधिकारियों का बयान**

हादसे के बाद अधिकारियों ने बताया कि ट्रायल के समय रोपवे से जुड़ा एक टावर क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे चार ट्रॉलियों को नुकसान पहुंचा। मौके पर मौजूद मजदूरों ने समय रहते सतर्कता दिखाते हुए खुद को सुरक्षित बचा लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

**जांच के बाद ही होगा संचालन**

बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के वरिष्ठ अभियंता खुर्शीद करीम ने बताया कि मामले की जांच के लिए कोलकाता से विशेषज्ञों की एक टीम बुलाई जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक सभी ट्रायल सफल नहीं हो जाते और अधिकारी पूरी तरह संतुष्ट नहीं होते, तब तक रोपवे को आम जनता के लिए शुरू नहीं किया जाएगा। इस हादसे ने जहां सरकार की तैयारियों पर सवाल खड़े किए हैं, वहीं राजद ने इसे मुद्दा बनाकर नीतीश सरकार पर राजनीतिक दबाव भी बढ़ा दिया है।

## जेलेंस्की–ट्रंप मुलाकात से पहले बढ़ा तनाव, कीव में जोरदार धमाकों से दहशत

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन की राजधानी कीव शनिवार तड़के (27 दिसंबर 2025) उस समय दहल उठी, जब एक के बाद एक तेज विस्फोटों की आवाजें सुनाई दीं। गहरी नींद में डूबा शहर अचानक सायरनों और धमाकों से जाग उठा। यूक्रेनी अधिकारियों ने तत्काल चेतावनी जारी करते हुए कहा कि राजधानी पर मिसाइल हमले का गंभीर खतरा बना हुआ है और सभी सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट मोड पर हैं।

**मेयर की अपील: शेल्टर में रहें नागरिक**

कीव के मेयर विताली क्लिच्को ने टेलीग्राम के जरिए लोगों को सतर्क किया। उन्होंने बताया कि शहर में विस्फोट दर्ज किए गए हैं और एयर डिफेंस सिस्टम सक्रिय रूप से काम कर रहा है। मेयर ने साफ कहा कि नागरिक सुरक्षित स्थानों और भूमिगत शेल्टर में ही रहें। इसके तुरंत बाद पूरे शहर में इमरजेंसी सायरन बजने लगे और लोग जान बचाने के लिए बंकरों की ओर भागते नजर आए।

**पूरे यूक्रेन में एयर अलर्ट**

यूक्रेन की वायुसेना ने राजधानी के साथ-साथ देश के कई हिस्सों में एयर अलर्ट घोषित कर दिया। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, कई इलाकों में ड्रोन और मिसाइलों की गतिविधि दर्ज की गई है। मौके पर मौजूद अंतरराष्ट्रीय पत्रकारों ने बताया कि कीव के आसमान में तेज चमक दिखाई दी और शक्तिशाली धमाकों की आवाजें सुनाई दीं, जिससे शहर में अफरा-तफरी और भय का माहौल बन गया।

**जेलेंस्की–ट्रंप बैठक से पहले हमला**

यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है, जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की अमेरिका में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करने वाले हैं। इस प्रस्तावित बैठक को रूस–यूक्रेन युद्ध के भविष्य के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, बातचीत में युद्धविराम, शांति वार्ता की संभावनाएं और अमेरिकी भूमिका जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। 2022 से जारी इस युद्ध में अब तक भारी जानमाल का नुकसान हो चुका है और लाखों लोग विस्थापित हुए हैं।

**रूस के आरोप, शांति प्रयासों पर सवाल**

इसी बीच रूस ने यूक्रेन और उसके यूरोपीय सहयोगियों पर शांति प्रयासों को कमजोर करने का आरोप लगाया है। मॉस्को का कहना है कि जेलेंस्की, यूरोपीय संघ और अमेरिका जानबूझकर शांति पहलों को आगे नहीं बढ़ने दे रहे। रूस का दावा है कि पश्चिमी देश युद्ध को समाप्त करने के बजाय इसे लंबा खींचना चाहते हैं, ताकि रणनीतिक दबाव बनाए रखा जा सके। कीव पर हुए इन ताजा हमलों ने एक बार फिर दिखा दिया है कि कूटनीतिक कोशिशों के बीच जमीनी हालात कितने नाजुक और खतरनाक बने हुए हैं।

## थाईलैंड–कंबोडिया युद्ध खत्म: 20 दिन बाद हुआ सीजफायर, जानिए किन शर्तों पर बनी सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच पिछले करीब 20 दिनों से चल रहा सशस्त्र संघर्ष आखिरकार समाप्त हो गया है। तीन सप्ताह तक चली इस घातक जंग के बाद दोनों देशों ने संघर्ष विराम (सीजफायर) पर सहमति जता दी है। इस युद्ध में अब तक कम से कम 86 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 6.5 लाख से ज्यादा नागरिकों को अपने घर छोड़कर विस्थापित होना पड़ा है। दोनों देशों ने सीमा पर एक संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर किए हैं। यह सीजफायर शनिवार (27 दिसंबर 2025) को स्थानीय समय के अनुसार दोपहर 12:00 बजे से प्रभावी हो गया।

**समझौते की प्रमुख शर्तें क्या हैं?**

सीजफायर समझौते के तहत दोनों देशों ने सभी प्रकार के हथियारों के इस्तेमाल को तुरंत बंद करने पर सहमति दी है। इसके अलावा नागरिकों, नागरिक ठिकानों और बुनियादी ढांचे पर किसी भी तरह के हमले पर रोक लगाई गई है। समझौते में यह भी स्पष्ट किया गया है कि किसी भी क्षेत्र में सैन्य लक्ष्यों पर हमले नहीं किए जाएंगे और कोई भी सैन्य टुकड़ी या गश्ती दल दूसरे पक्ष की स्थिति की ओर आगे नहीं बढ़ेगा।

**सीमा पर सैन्य गतिविधियों पर सख्त पाबंदी**

समझौते के मुताबिक, 508 मील लंबी पूरी सीमा पर कोई भी अतिरिक्त सैन्य बल तैनात नहीं किया जाएगा। दोनों देशों ने किसी भी तरह की उकसावे वाली कार्रवाई से बचने का वादा किया है, जिसमें एक-दूसरे के हवाई क्षेत्र या क्षेत्रीय सीमा में प्रवेश भी शामिल है। इसके साथ ही तनाव को और न बढ़ाने के लिए झूठी जानकारी या फेक न्यूज के प्रसार से बचने पर भी सहमति बनी है।

**18 कंबोडियन सैनिकों की होगी रिहाई**

संघर्ष के दौरान पकड़े गए 18 कंबोडियन सैनिकों को लेकर भी समझौते में प्रावधान किया गया है। तय हुआ है कि सीजफायर के प्रभावी रहने के 72 घंटे बाद इन सभी सैनिकों को कंबोडिया को वापस सौंप दिया जाएगा।

**ASEAN करेगा निगरानी**

समझौते के पालन की निगरानी के लिए ASEAN का पर्यवेक्षक दल तैनात किया जाएगा, जो यह सुनिश्चित करेगा कि दोनों पक्ष सीजफायर की शर्तों का पूरी तरह पालन करें।

**किन नेताओं ने किए हस्ताक्षर?**

इस महत्वपूर्ण समझौते पर कंबोडिया के उप प्रधानमंत्री जनरल टी सेइहा और थाईलैंड के रक्षा मंत्री जनरल नट्थापोन नार्कफानित ने शनिवार सुबह 10:45 बजे हस्ताक्षर किए। तीन हफ्तों की हिंसा और मानवीय संकट के बाद यह सीजफायर दोनों देशों और पूरे क्षेत्र के लिए राहत की खबर माना जा रहा है। अब सबकी नजर इस बात पर है कि यह संघर्ष विराम जमीन पर कितना टिकाऊ साबित होता है।

# रॉयल पत्रिका

## संपादकीय....

### किसान हित सुरक्षित रखते हुए भारत की ट्रेड-कूटनीति की उल्लेखनीय सफलता

भारत की ट्रेड-कूटनीति के हालिया कदमों को देखें तो यह साफ़ होता है कि मोदी सरकार ने वैश्विक दबावों के बावजूद राष्ट्रीय हितों, विशेषकर किसानों और घरेलू उत्पादकों, से समझौता न करने का स्पष्ट संदेश दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नाराज़गी के बावजूद भारत का अमेरिकी कृषि-उत्पादों के आयात पर स्पष्ट "ना" कहना इसी आत्मविश्वास और रणनीतिक सोच का उदाहरण है। यह निर्णय केवल राजनीतिक साहस नहीं, बल्कि दीर्घकालिक आर्थिक विवेक का परिणाम है, क्योंकि भारतीय कृषि और डेयरी क्षेत्र करोड़ों लोगों की आजीविका से जुड़े हुए हैं। इसी पृष्ठभूमि में ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड जैसे देशों के साथ अपनी शर्तों पर मुक्त व्यापार समझौते करना भारत की बड़ी कूटनीतिक सफलता मानी जानी चाहिए। खास तौर पर न्यूजीलैंड के साथ मात्र नौ महीनों में एफटीए वार्ता को इस शर्त पर सहमति तक ले जाना कि कृषि और डेयरी उत्पादों को समझौते से बाहर रखा जाएगा, कोई मामूली उपलब्धि नहीं है। न्यूजीलैंड की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा डेयरी निर्यात पर निर्भर है और उसके कुल निर्यात का लगभग तीस प्रतिशत इसी सेक्टर से आता है। ऐसे में भारत जैसे विशाल बाजार में सस्ते दूध, घी और मक्खन की बिक्री की उसकी स्वाभाविक रुचि रही होगी। इसके बावजूद भारतीय वार्ताकारों ने देश के किसानों और दुग्ध उत्पादकों के हितों की मज़बूती से रक्षा की। यह वही सोच है जो कुछ वर्ष पहले आरईसीपी जैसे बड़े एशिया-प्रशांत ट्रेड ब्लॉक से बाहर रहने के फैसले में दिखाई दी थी। उस समय भी मुख्य चिंता यही थी कि सस्ते कृषि और डेयरी उत्पाद भारतीय बाजार में प्रवेश कर जाएंगे, जिससे घरेलू उत्पादकों को भारी नुकसान होगा। भारत के किसान पहले ही सीमित संसाधनों, छोटी जोतों और अस्थिर आय की समस्या से जूझ रहे हैं। ऐसे में किसी विकसित कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था से आने वाला सस्ता उत्पाद सीधे तौर पर उनके लिए अहितकर साबित होता। भारत की मौजूदा ट्रेड-नीति का सकारात्मक पक्ष यह है कि कृषि को सुरक्षित रखते हुए मैन्युफैक्चरिंग और श्रमिक-सघन क्षेत्रों के लिए नए अवसर खोले जा रहे हैं। न्यूजीलैंड जैसे देशों के साथ समझौतों में यह सुनिश्चित किया गया है कि भारत से इंजीनियरिंग उत्पाद, औद्योगिक सामान और श्रम-आधारित वस्तुएं शून्य टैरिफ पर निर्यात हो सकें। इसके साथ ही हर साल हजारों भारतीय युवा इंजीनियरों को वहां काम करने का अवसर मिलना ज्ञान, कौशल और रेमिटेंस तीनों दृष्टियों से देश के लिए फायदेमंद है। दूसरी ओर, भारत को जरूरी कच्चे माल और तकनीकी वस्तुओं का आयात भी सुगम होता है, जिससे घरेलू उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ती है। कुल मिलाकर, भारत की ट्रेड-कूटनीति अब केवल बाजार खोलने तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह संतुलन और आत्मनिर्भरता की सोच पर आधारित है। किसान हितों की रक्षा, घरेलू उत्पादन को बढ़ावा और वैश्विक अवसरों का लाभ उठाने की यह रणनीति दिखाती है कि भारत अब दबाव में आकर नहीं, बल्कि अपने दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर फैसले कर रहा है।

# पठान' से कहीं आगे विवादों में घिरी 'धुरंधर', सियासत, राष्ट्रवाद और धर्म के ज़रिये समाज को बाँटती फ़िल्म

## -जहाँ 'पठान' टकराव से बची, वहीं 'धुरंधर' ने राजनीति, राष्ट्रवाद और धर्म को खुलकर केंद्र बनाया

यह अनुमान लगाना शायद कल्पना की कुछ ज़्यादा ऊँची उड़ान होगी कि यह कॉलम पढ़ने वाला हर पाठक फ़िल्म 'धुरंधर' और 'पठान' दोनों देख चुका होगा। लेकिन इतना मान लेना ग़लत नहीं होगा कि इन दोनों फ़िल्मों के नाम, उनके इर्द-गिर्द बने शोर और उनसे जुड़े विवादों से ज़्यादातर लोग वाक़िफ़ ज़रूर हैं। ख़ासकर 'पठान' तो अपनी रिलीज़ के समय जिस तरह बहसों के केंद्र में रही, उसने सिनेमा से आगे निकलकर सियासत, सोशल मीडिया और न्यूज़रूम तक को गरमा दिया था। इसके बावजूद, अगर आज कहा जाए कि 'धुरंधर', 'पठान' के मुक़ाबले ज़्यादा विवादास्पद, ज़्यादा राजनीतिक और कहीं ज़्यादा ध्रुवीकरण करने वाली फ़िल्म है, तो यह बात चौंकाने वाली नहीं लगती। बल्कि यही इसकी सबसे बड़ी पहचान बन चुकी है। आज 'धुरंधर' सिर्फ़ एक फ़िल्म नहीं रह गई है। यह एक राजनीतिक बयान, एक वैचारिक दस्तावेज़ और एक दौर की सोच का सिनेमाई प्रतिबिंब बन चुकी है। सोशल मीडिया से लेकर मुख्यधारा के मीडिया तक, आलोचकों ने इसे "सरकार-प्रायोजित", "प्रोपेगैंडा फ़िल्म" और "इस्लामोफोबिक नैरेटिव" का हिस्सा करार दिया है। वहीं इसके समर्थक इसे "राष्ट्रवादी सिनेमा", "नए भारत की कहानी" और "आतंकवाद के ख़िलाफ़ सख़्त रुख़" का साहसी चित्रण बता रहे हैं। इस पूरे विवाद को समझने के लिए ज़रूरी है कि हम 'पठान' और 'धुरंधर' को तीन कसौटियों पर परखें—
सियासत, राष्ट्रवाद और धर्म।

**'पठान': सियासत से बचकर निकलने की कला**

'पठान' की कहानी सतह पर देखने में भारत–पाक टकराव पर आधारित ज़रूर लगती है, लेकिन गहराई में जाएँ तो यह फ़िल्म सियासत से सावधानीपूर्वक दूरी बनाती नज़र आती है। इसमें न तो

किसी सरकार की खुली तारीफ़ है और न ही किसी राजनीतिक दौर की तुलना। फ़िल्म का सबसे अहम पहलू यह है कि इसमें दो प्रतिद्वंद्वी देशों—भारत और पाकिस्तान—के ख़ुफ़िया एजेंट आख़िरकार मानवता की रक्षा के लिए हाथ मिला लेते हैं। यह विचार अपने आप में एक तरह का "ग्लोबल ह्यूमनिज़्म" है, जो किसी ख़ास राष्ट्रवादी आग्रह से ज़्यादा, एक आदर्शवादी सोच को आगे रखता है। शाहरुख़ ख़ान का किरदार भी पूरी तरह "भारतीय राष्ट्र" का प्रतीक नहीं बनता। उसकी पहचान जानबूझकर धुँधली रखी गई है। उसका नाम क्या है, यह हमें फ़िल्म के अंत तक नहीं पता चलता। उसकी परवरिश अफ़ग़ानिस्तान के एक ऐसे गाँव में होती है, जिस पर अमेरिका बम बरसा रहा है। यानी उसका अतीत किसी एक देश या धर्म से बँधा हुआ नहीं है। फ़िल्म का विलेन भी किसी धर्म या मज़हब के नाम पर लड़ता हुआ नहीं दिखाया गया। वह व्यक्तिगत बदले की भावना से प्रेरित है। आतंकवाद यहाँ किसी धार्मिक विचारधारा से नहीं, बल्कि निजी प्रतिशोध से जुड़ा है। यही वजह है कि 'पठान' एक तरह से उस "मॉडल यूएन (MUN)" सोच पर खरी उतरती है, जहाँ राष्ट्र, धर्म और पहचान से ऊपर उठकर "मानवता" को सबसे बड़ी कसौटी माना जाता है।

**'धुरंधर': सियासत को केंद्र में रखने वाली फ़िल्म**

इसके ठीक उलट, 'धुरंधर' सियासत से न सिर्फ़ जुड़ी हुई है, बल्कि उसे अपनी स्थायी थीम बनाती है। यह फ़िल्म साफ़ तौर पर यह संदेश देती है कि भारत के आतंकवाद से निपटने का इतिहास दो हिस्सों में बँटा हुआ है—
2014 से पहले और 2014 के बाद। फ़िल्म का एक प्रमुख पात्र सान्याल (जिसे आसानी से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल का सिनेमाई रूपक माना जा सकता है) एक संवाद में कहता है— "दुनिया में जहाँ कहीं भी आतंकवाद है, उसके पीछे पाकिस्तान का हाथ है।" यह संवाद सिर्फ़ एक फ़िल्मी लाइन नहीं है, बल्कि एक स्पष्ट राजनीतिक स्टेटमेंट है। 'धुरंधर' में आतंकवाद को किसी जटिल वैश्विक समस्या की तरह नहीं, बल्कि सीधे-सीधे पाकिस्तान-प्रेरित साज़िश के रूप में दिखाया गया है। यह फ़िल्म मोदी–डोभाल दौर की रणनीति का खुला गुणगान करती है—
सर्जिकल स्ट्राइक, सीमा पार कार्रवाई और "घर में घुसकर मारने" की नीति को एक नैतिक और अनिवार्य कदम के रूप में पेश किया गया है। चूँकि फ़िल्म की अगली कड़ी भी आने वाली है, इसलिए यह मान लेना ग़लत नहीं होगा कि 'धुरंधर' सिर्फ़ एक कहानी नहीं, बल्कि एक सीरीज़ के ज़रिये गढ़ा जा रहा राजनीतिक नैरेटिव है।

**राष्ट्रवाद: 'पठान' बनाम 'धुरंधर'**

अगर राष्ट्रवाद की बात करें, तो 'पठान' में वह बेहद सीमित और संतुलित रूप में मौजूद है। फ़िल्म राष्ट्र को एक ऐसी इकाई के रूप में नहीं दिखाती जिसे हर हाल में श्रेष्ठ साबित करना हो। बल्कि यहाँ राष्ट्रवाद मानवीय मूल्यों के अधीन है। इसके उलट, 'धुरंधर' में राष्ट्रवाद सबसे प्रबल प्रेरणा है। यह राष्ट्रवाद इतना ताक़तवर है कि फ़िल्म में उम्रक़ैद या मौत की सज़ा पाए अपराधी भी "देश के लिए" सब कुछ करने को तैयार दिखाई देते हैं। पाकिस्तान यहाँ सिर्फ़ एक पड़ोसी देश नहीं, बल्कि स्थायी दुश्मन है। भारत पीड़ित है—यह बात निर्विवाद सत्य की तरह स्थापित की गई है। फर्क बस इतना है कि अब भारत ने पीड़ित बने रहने से इंकार कर दिया है। फ़िल्म का संदेश साफ़ है— पुराना भारत सहता था, नया भारत जवाब देता है। यह राष्ट्रवाद न तो संदेह करता है, न आत्मालोचन करता है। यह सीधा, आक्रामक और आत्मविश्वास से भरा हुआ राष्ट्रवाद है, जो दर्शकों को भावनात्मक रूप से झकझोरता है।

**धर्म: सबसे विवादास्पद पहलू**

'धुरंधर' को लेकर सबसे बड़ा और सबसे गंभीर सवाल धर्म को लेकर उठता है। यहाँ किसी तरह की अस्पष्टता नहीं छोड़ी गई है। फ़िल्म में लगभग सभी हमलावर मुसलमान दिखाए गए हैं। वे अपनी आस्था और उस मज़हब के नाम पर बने मुल्क की हिफ़ाज़त के लिए लड़ते हुए दिखते हैं। उनके संवाद, उनके मक़सद और उनके नारों में धर्म स्पष्ट रूप से मौजूद है। इसके बरअक्स, पीड़ितों को हिंदू के रूप में दिखाया गया है—और उन्हें लंबे समय तक कायर, डरपोक और प्रतिक्रियाहीन बताया गया है, ख़ासकर "मोदी दौर" से पहले। यहीं से फ़िल्म पर इस्लामोफोबिया का आरोप लगता है। आलोचकों का कहना है कि आतंकवाद को एक ख़ास धर्म से जोड़कर दिखाना न सिर्फ़ ग़लत है, बल्कि सामाजिक रूप से ख़तरनाक भी है। समर्थकों का तर्क है कि फ़िल्म "सच" दिखा रही है और इसमें कोई लाग-लपेट नहीं है।

**क्यों ज़्यादा ध्रुवीकरण करती है 'धुरंधर'?**

दरअसल, 'धुरंधर' दर्शकों को सोचने की गुंजाइश बहुत कम देती है। यह सवाल नहीं उठाती, बल्कि जवाब देती है—और वह भी बहुत स्पष्ट, बहुत एकतरफ़ा जवाब। 'पठान' जहाँ दर्शक को भावनात्मक तौर पर जोड़ती है, वहीं 'धुरंधर' दर्शक को वैचारिक खेमों में बाँट देती है। एक वर्ग के लिए यह फ़िल्म गर्व, आत्मसम्मान और सख़्ती की कहानी है। दूसरे वर्ग के लिए यह डर, नफ़रत और बहुसंख्यक वर्चस्व की कहानी है।

**सिनेमा से आगे की बहस**

'धुरंधर' को सिर्फ़ एक फ़िल्म के रूप में देखना शायद नाइंसाफ़ी होगी। यह एक दौर की राजनीतिक चेतना, राष्ट्रवादी सोच और धार्मिक पहचान की टकराहट का सिनेमाई दस्तावेज़ है। जहाँ 'पठान' टकराव से बचकर निकल जाती है, वहीं 'धुरंधर' टकराव को ही अपना रास्ता बनाती है। यही वजह है कि यह फ़िल्म ज़्यादा चर्चाओं में है, ज़्यादा विवादों में है और ज़्यादा ध्रुवीकरण करती है। आख़िरकार सवाल यह नहीं है कि 'धुरंधर' अच्छी फ़िल्म है या बुरी। सवाल यह है कि क्या सिनेमा को इस तरह सियासत, राष्ट्रवाद और धर्म के हथियार में बदल देना हमें एक बेहतर समाज की ओर ले जाता है—या हमें और ज़्यादा बाँट देता है। इस सवाल का जवाब शायद फ़िल्म से बाहर, हमारे समाज और हमारी राजनीति में छिपा है। एक और अहम पहलू यह है कि 'धुरंधर' दर्शक को नागरिक कम और सैनिक ज़्यादा मानकर चलती है। यहाँ सवाल पूछना कमज़ोरी और सहमति देशभक्ति बन जाती है। सिनेमा, जो कभी जटिल सच्चाइयों को परतों में दिखाने का माध्यम था, यहाँ सीधे-सीधे पक्ष चुनने को मजबूर करता है। इसके उलट 'पठान' अपने तमाम शोर के बावजूद स्पेस छोड़ती है—जहाँ दर्शक असहमत भी हो सकता है, सवाल भी उठा सकता है। यही फ़र्क़ बताता है कि विवाद सिर्फ़ विषय का नहीं, नज़रिये का है।

# चुनाव सुधारों की आड़ में सियासत, घुसपैठियों का मुद्दा और बंगाल चुनावों से पहले भाजपा की आक्रामक रणनीति

## -संसद की बहस में सुधार पीछे, राजनीति आगे, ममता बनर्जी के लिए बढ़ती चुनावी चुनौती

लोकतंत्र की सेहत के लिए चुनाव सुधार हमेशा एक बुनियादी सवाल रहे हैं। आज़ादी के बाद से लेकर अब तक समय–समय पर इस पर बहस होती रही है कि चुनाव प्रक्रिया को और अधिक निष्पक्ष, पारदर्शी और भरोसेमंद कैसे बनाया जाए। लेकिन विडंबना यह है कि जब भी संसद में चुनाव सुधारों पर चर्चा होती है, बहस का केंद्र सुधारों से ज्यादा राजनीति बन जाती है। हालिया संसद सत्र में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला, जहां चुनाव सुधारों पर बहस शुरू तो हुई, लेकिन जल्द ही यह सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोप का अखाड़ा बन गई। इस बहस में सबसे अधिक मुखर और स्पष्ट भूमिका भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नजर आई। विपक्ष जहां बिखरा और असमंजस में दिखा, वहीं भाजपा ने इस बहस को 2026 के चुनावों की तैयारी के रूप में इस्तेमाल किया। खासकर पश्चिम बंगाल को ध्यान में रखते हुए पार्टी ने 'घुसपैठियों' का मुद्दा उछालकर अपनी सियासी धार को और तेज करने की कोशिश की।

**चुनाव सुधार या चुनावी रणनीति?**

सैद्धांतिक रूप से चुनाव सुधारों पर बहस का मकसद यह होना चाहिए था कि मतदाता सूची की शुद्धता कैसे सुनिश्चित की जाए, ईवीएम पर भरोसा कैसे बढ़े, निर्वाचन आयोग की स्वायत्तता कैसे मजबूत हो और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता कैसे लाई जाए। लेकिन व्यवहार में यह बहस इन बुनियादी सवालों से हटकर राजनीतिक रणनीति पर केंद्रित हो गई। भाजपा ने शुरुआत से ही साफ संकेत दे दिया कि वह इस बहस को सिर्फ तकनीकी या संस्थागत सुधारों तक सीमित नहीं रखना चाहती। पार्टी ने इसे अपनी वैचारिक और राजनीतिक लाइन को आगे बढ़ाने का अवसर बनाया। गृह मंत्री अमित शाह ने मतदाता सूची में मौजूद कथित 'घुसपैठियों' का मुद्दा उठाकर यह स्पष्ट कर दिया कि भाजपा इस विषय को सिर्फ प्रशासनिक समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा प्रश्न मानती है। अमित शाह ने 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' (एसआईआर) के जरिए ऐसे लोगों की पहचान कर उन्हें देश से बाहर निकालने की बात कही। यह बयान केवल संसद की दीवारों तक सीमित नहीं था, बल्कि इसका सीधा संदेश

पश्चिम बंगाल समेत उन राज्यों के मतदाताओं तक पहुंचाना था, जहां घुसपैठ का सवाल लंबे समय से राजनीतिक बहस का हिस्सा रहा है।

**विपक्ष की दुविधा और बिखराव**

इसके उलट विपक्ष की स्थिति उतनी स्पष्ट नहीं दिखी। हालांकि समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव, आम आदमी पार्टी के संजय सिंह, एनसीपी (शरद पवार) की सुप्रिया सुले और कांग्रेस के मनीष तिवारी जैसे नेताओं ने चुनाव सुधारों के कुछ अहम पहलुओं पर सार्थक बातें रखीं, लेकिन समग्र रूप से विपक्ष एक साझा और ठोस रणनीति पेश करने में नाकाम रहा। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने उस समिति से भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को हटाने पर सवाल खड़े किए, जो निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति करती है। राहुल गांधी ने यह भी मांग की कि विपक्ष को कम से कम एक महीने पहले ईवीएम और मतदाता सूचियां जांच के लिए उपलब्ध कराई जाएं। इसके अलावा उन्होंने सीसीटीवी कैमरों के डेटा को 45 दिनों से अधिक समय तक सुरक्षित रखने की बात भी कही। ये मांगें लोकतांत्रिक दृष्टि से महत्वपूर्ण थीं, लेकिन बहस का रुख जल्द ही 'शाह बनाम राहुल' में बदल गया। इससे मूल मुद्दे पीछे छूट गए और भाजपा को अपनी राजनीतिक रणनीति को और मजबूती से रखने का मौका मिल गया।

**भाजपा की रणनीति: बहस को अपनी शर्तों पर ले जाना**

वास्तव में भाजपा चाहती भी यही थी कि बहस इसी दिशा में जाए। अमित शाह ने राहुल गांधी के तर्कों का जवाब देने के बजाय उनके परिवार और कांग्रेस के इतिहास को निशाने पर ले लिया। उन्होंने नेहरू–गांधी परिवार पर 'वोट चोरी' का आरोप लगाकर बहस को पूरी तरह राजनीतिक रंग दे दिया। शाह ने 1946 की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि जब कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव होना था, तब 15 में से 12 प्रदेश कांग्रेस कमेटियों ने सरदार वल्लभभाई पटेल का समर्थन किया था, जबकि दो ने जेबी कृपलानी का। इसके बावजूद महात्मा गांधी के हस्तक्षेप के बाद जवाहरलाल नेहरू को कांग्रेस अध्यक्ष बनाया गया। शाह ने इसे 'वोट चोरी' करार दिया और इसे 1947 में नेहरू के प्रधानमंत्री बनने की दिशा में पहला कदम बताया। इस बयान का मकसद इतिहास की व्याख्या से ज्यादा राजनीतिक संदेश देना था। भाजपा यह दिखाना चाहती थी कि कांग्रेस की राजनीति में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का उल्लंघन कोई नई बात नहीं है। इस तरह शाह ने राहुल गांधी के आरोपों को उन्हीं के खिलाफ मोड़ने की कोशिश की।

**'वंदे मातरम' और बंगाली राष्ट्रवाद**

इस पूरी बहस में एक और दिलचस्प पहलू सामने आया— 'वंदे मातरम' और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की कविता का मुद्दा। भाजपा ने शर्त रखी कि चुनाव सुधारों पर चर्चा तभी आगे बढ़ेगी, जब विपक्ष 'वंदे मातरम' पर बहस के लिए भी तैयार होगा। इससे कई लोगों को यह लगा कि कम से कम संसद की कार्यवाही को सुचारु रखने का कोई रास्ता निकला है। लेकिन इसके पीछे भी भाजपा की एक गहरी राजनीतिक गणना थी। पार्टी को उम्मीद है कि 'घुसपैठियों' का मुद्दा और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की बिना कांट–छांट वाली कविता का सवाल पश्चिम बंगाल में उसके पक्ष में माहौल बनाएगा। भाजपा मानती है कि ये मुद्दे बंगाली राष्ट्रवाद को नए सिरे से परिभाषित करने में मदद करेंगे—एक ऐसा राष्ट्रवाद, जो सांस्कृतिक गौरव, राष्ट्रीय एकता और सीमाओं की सुरक्षा पर जोर देता है। पार्टी जानती है कि 2021 के विधानसभा चुनावों में ममता बनर्जी ने इसी तरह के भावनात्मक और सांस्कृतिक मुद्दों के सहारे भाजपा को मात दी थी। अब भाजपा वही हथियार उलटकर इस्तेमाल करना चाहती है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लिए यह स्थिति निश्चित रूप से चुनौतीपूर्ण है।

# केरल का ईपीईपी प्रोजेक्ट अति गरीबी के खिलाफ भारत की सामाजिक सुरक्षा बहस को नई दिशा देता है आज भी

## -अति गरीबी खत्म होने के दावे सामाजिक योजनाओं और अंत्योदय बदलाव पर सवाल उठाते हैं

भारत जैसे विशाल और विविधता भरे देश में गरीबी से लड़ाई हमेशा से नीति-निर्माताओं के लिए एक बड़ी चुनौती रही है। बीते कुछ दशकों में गरीबी कम जरूर हुई है, लेकिन 'अति गरीबी' यानी बेहद बदहाल हालात में जी रहे लोगों की समस्या आज भी गंभीर बनी हुई है। इसी संदर्भ में केरल सरकार का यह दावा कि राज्य से अति गरीबी लगभग खत्म हो चुकी है, देशभर में चर्चा का विषय बन गया है। इस दावे की बुनियाद है केरल सरकार का एक्स्ट्रीम पॉवर्टी इरेडिकेशन प्रोजेक्ट (ईपीईपी)। सवाल यह है कि क्या सचमुच केरल में अति गरीबी खत्म हो गई है, या फिर यह दावा जरूरत से ज्यादा आशावादी है?

**अति गरीबी: केवल आंकड़ों की नहीं, हकीकत की बात**

गरीबी को अक्सर सरकारी आंकड़ों, गरीबी रेखा और प्रतिशतों में मापा जाता है। लेकिन अति गरीबी केवल आमदनी की कमी नहीं होती। यह भूख, कुपोषण, बेघरपन, बीमारी, सामाजिक बहिष्कार और असुरक्षा का मिला-जुला रूप है। अति गरीब परिवार अक्सर ऐसे हालात में होते हैं जहां सरकारी योजनाएं होते हुए भी उन तक पूरी तरह नहीं पहुंच पातीं। इसलिए जब केरल सरकार यह कहती है कि उसने अति गरीबी को खत्म कर दिया है, तो स्वाभाविक है कि अर्थशास्त्री और सामाजिक कार्यकर्ता इस दावे को सावधानी से परखना चाहते हैं। कई विशेषज्ञों का मानना है कि अति गरीबी को पूरी तरह समाप्त कर देना किसी भी राज्य के लिए बेहद कठिन लक्ष्य है। कुछ लोग छूट जाते हैं, कुछ नए लोग हालात के चलते अति गरीबी में फिसल जाते हैं। इसलिए यह कहना ज्यादा सही होगा कि ईपीईपी ने अति गरीबी से लड़ने का एक मजबूत और व्यावहारिक रास्ता दिखाया है, न कि यह कि समस्या पूरी तरह खत्म हो गई है।

**ईपीईपी क्या है और यह कैसे काम करता है?**

केरल का एक्स्ट्रीम पॉवर्टी इरेडिकेशन प्रोजेक्ट अपने तरीके में अनोखा है। इस योजना के तहत राज्य सरकार ने ग्राम पंचायतों और स्थानीय निकायों को बड़ी

जिम्मेदारी सौंपी। उन्हें अपने-अपने इलाकों में अति गरीब परिवारों की पहचान करनी थी। यह पहचान केवल कागजों और आय प्रमाण-पत्रों के आधार पर नहीं, बल्कि जमीनी हकीकत को देखकर की गई। ग्राम सभाओं, स्थानीय समुदायों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की मदद से यह तय किया गया कि कौन से परिवार वास्तव में अति गरीबी में जी रहे हैं। इसके बाद ऐसे परिवारों को अलग-अलग सरकारी योजनाओं से जोड़ा गया—रोजगार, राशन, स्वास्थ्य सेवाएं, पेंशन, आवास और सामाजिक सुरक्षा। इस मॉडल की सबसे बड़ी ताकत यही है कि इसमें स्थानीय स्तर की समझ और समुदाय की भागीदारी को अहमियत दी गई। इससे उन परिवारों तक पहुंच बन पाई, जो अक्सर बड़ी योजनाओं की नजर से ओझल रह जाते हैं।

**क्या अति गरीबी पूरी तरह खत्म हो सकती है?**

ईमानदारी से देखा जाए तो यह संभावना बहुत कम है कि ईपीईपी केरल से अति गरीबी को सौ फीसदी खत्म कर पाया हो। समाज एक स्थिर चीज नहीं है। किसी बीमारी, प्राकृतिक आपदा, पारिवारिक संकट या नौकरी छूटने से कोई भी परिवार फिर से अति गरीबी में जा सकता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि ईपीईपी की अहमियत कम हो जाती है। असल में इस प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि इसने अति गरीब परिवारों के लिए एक साफ रास्ता और ढांचा तैयार किया। इसने यह दिखाया कि अगर सरकार गंभीर हो, स्थानीय संस्थाओं को ताकत दे और योजनाओं का सही तालमेल बैठाए, तो अति गरीबी को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

**भारत की सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था: एक बड़ा जाल**

भारत में सामाजिक सुरक्षा के लिए कई अहम योजनाएं मौजूद हैं। इनमें प्रमुख हैं— राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून (मनरेगा) जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) मातृत्व लाभ योजनाएं, बच्चों के लिए आंगनवाड़ी कार्यक्रम, बुजुर्गों, विधवाओं और दिव्यांगों के लिए पेंशन योजनाएं

इन योजनाओं की खास बात यह है कि आज इनमें देश की बहुत बड़ी आबादी शामिल है। पहले ये योजनाएं मुख्य रूप से गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) परिवारों तक सीमित थीं। लेकिन बीपीएल सूची हमेशा विवादों में रही। कई गरीब परिवार सूची से बाहर रह जाते थे, जबकि कुछ अपेक्षाकृत संपन्न परिवार इसमें शामिल हो जाते थे।

**समावेशन की नीति: फायदा भी, नुकसान भी**

इस समस्या से निपटने के लिए सरकारों ने धीरे-धीरे सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को ज्यादा समावेशी बनाया। यानी योजनाओं का दायरा बढ़ाकर ज्यादा से ज्यादा लोगों को शामिल किया गया। यह एक सकारात्मक कदम था, क्योंकि इससे 'छूट जाने' की समस्या काफी हद तक कम हुई। लेकिन इस समावेशी नीति का एक अनचाहा नतीजा भी सामने आया। जब योजनाएं सबके लिए लगभग एक जैसी हो जाती हैं, तो अति गरीब लोगों पर खास ध्यान कम हो जाता है। उनकी जरूरतें ज्यादा गहरी और अलग होती हैं, लेकिन उन्हें वही मदद मिलती है जो अपेक्षाकृत बेहतर हालात में जी रहे लोगों को मिलती है।

**महिलाओं के लिए कैश ट्रांसफर योजनाएं और उनकी सीमाएं**

हाल के वर्षों में महिलाओं के लिए कैश ट्रांसफर योजनाएं काफी लोकप्रिय हुई हैं। इन योजनाओं के तहत महिलाओं के खातों में सीधे एक तय रकम भेजी जाती है। इससे महिलाओं की आर्थिक स्थिति और आत्मसम्मान में कुछ हद तक सुधार जरूर हुआ है। लेकिन समस्या यह है कि इन योजनाओं में गरीब और अति गरीब महिलाओं के बीच कोई खास फर्क नहीं किया गया। सभी महिलाओं को एक जैसी रकम मिलती है। नतीजा यह होता है कि जो महिलाएं बेहद गरीबी में जी रही हैं, उन्हें भी वही मदद मिलती है जो अपेक्षाकृत सुरक्षित परिवारों की महिलाओं को। कुछ राज्यों में हालात इतने खराब हैं कि सबसे गरीब महिलाओं को महीने में सिर्फ 1,000 रुपये मिलते हैं।

# सांभर अब ग्लोबल टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में उभर रहा है- उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री तथा पर्यटन मंत्री दिया कुमारी के मुख्य आतिथ्य में तथा पूर्व विधायक निर्मल कुमावत, अतिरिक्त जिला कलेक्टर जयपुर, आशीष कुमार, सांभर एसडीएम, ऋषि राज कपिल, पर्यटन विभाग के उपनिदेशक उपेन्द्र सिंह शेखावत की उपस्थिति में राजस्थान पर्यटन विभाग एवं जयपुर जिला प्रशासन तथा सांभर नगर पालिका के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार (27 दिसम्बर से 31 दिसम्बर 2025 तक) को पांच दिवसीय सांभर महोत्सव का झपोक में भव्य शुभारम्भ किया गया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के द्वारा दोपहर 12 बजे साम्भर महोत्सव का बड़ी संख्या में सैलानियों की उपस्थिति में उद्घाटन किये जाने के बाद उन्होंने क्राफ्ट एवं फूड स्टॉल का भ्रमण किया तथा कलाकार एवं हस्तशिल्पियों का उत्साह वर्धन किया। दिया कुमारी ने इस अवसर पर डाक कार्ड (Postal Cards) का विमोचन भी किया। उन्होंने पतंग प्रदर्शनी एवं फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

**सांभर की विशिष्ट पहचान इसका अद्वितीय प्राकृतिक सौंदर्य—**

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सांभर फेस्टिवल की सभी को बधाई देते हुए देश-विदेश से आए पर्यटकों का स्वागत करते हुए कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष फेस्टिवल का आयोजन और भी बड़े स्तर पर किया जा रहा है तथा अगले वर्ष यह और भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सांभर फेस्टिवल ने अब वैश्विक पर्यटन मंच पर अपनी अलग पहचान बना ली है। सांभर अब ग्लोबल टूरिस्ट डेस्टिनेशन बनता जा रहा है। दिया कुमारी ने कहा कि सांभर की विशिष्ट पहचान इसका अद्वितीय प्राकृतिक सौंदर्य है। शीत ऋतु में यूरोप और उत्तरी एशिया से आने वाले विभिन्न प्रजाति के पक्षी, विशेषकर ग्रेटर फ्लेमिंगो, सांभर को वैश्विक पहचान दिलाते हैं।

**सुविधाओं का विकास और सड़क कनेक्टिविटी—**

दिया कुमारी ने कहा कि सरकार पर्यटकों की सुविधाओं के लिए विकास कार्य कर रही है, उन्होंने कहा कि सड़क कनेक्टिविटी विकास को लेकर निरंतर कार्य किये जा रहे हैं।

**सांभर पर्यटन के शानदार फोटो और वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर करें अपलोड—**

उपमुख्यमंत्री ने पर्यटकों से सांभर के प्राकृतिक सौंदर्य, स्थानीय आकर्षणों और लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों का भरपूर आनंद लेने का आह्वान किया। उन्होंने जयपुर सहित सभी पर्यटन प्रेमियों से आग्रह किया कि वह सांभर में आयोजित हो रहे इस फेस्टिवल में अधिक से अधिक सहभागिता कर यहां के अद्भुत प्राकृतिक रमणीयता का आनंद लेवे, साथ ही यहां स्थित विभिन्न पर्यटक स्थलों को भी देखें। उन्होंने पर्यटकों से यह भी आग्रह किया कि वे सभी यहां के वीडियो और फोटो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर जरूर अपलोड करें।

**सांभर महोत्सव के मुख्य आकर्षण—**

विभिन्न कला और शिल्प स्टालों, फोटोग्राफी प्रदर्शनी और फूड कोर्ट के साथ ही सांभर महोत्सव में फैंसी एवं आकर्षक पतंग प्रदर्शनी एवं विशेष पतंग उड़ान गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया। घोड़े की सवारी, ऊंट की सवारी और ऊंट गाड़ी की सवारी की गतिविधियों का पर्यटक आनंद लेते हुए दिखाई दिए। झपोक में इस भव्य पर्यटक मेले में में एडवेंचर गतिविधियाँ-पैरा सेलिंग, पैरा मोटरिंग, पैराग्लाइडिंग, जीप सफारी, एटीवी, बैलून राइड, साइकिलिंग जैसी गतिविधियों में पर्यटक शामिल होते हुए दिखे। इस अवसर पर लोक कलाकारों द्वारा शानदार कलात्मक प्रदर्शन किया गया।

**अन्य आकर्षण —**

जीप/कार एडवेंचर रैली, नमक प्रसंस्करण यात्रा, पक्षी देखने की यात्रा/नमक झील का दौरा/ट्रेन से नमक अभियान, तारों को देखने की गतिविधि, देवयानी तीर्थ सरोवर पर दीपोत्सव व महाआरती और दुर्गा झांकी

**सांभर महोत्सव में 28 से 30 दिसंबर, 2025 तक आयोजित होने वाले विभिन्न आकर्षण—**

एडवेंचर रैली-जीप/कार, हेरिटेज वॉक सांभर शहर साइकिल यात्रा, फैंसी पतंगबाजी प्रदर्शन कला और शिल्प स्टॉल, फोटोग्राफी प्रदर्शनी पर्यटकों के लिए घोड़े की सवारी, ऊंट की सवारी और ऊंट गाड़ी की सवारी एडवेंचर गतिविधियाँ-पैरा सेलिंग पैरा मोटरिंग, पैराग्लाइडिंग, जीप सफारी, एटीवी, बैलून राइड, साइकिलिंग, आदि लोक कलाकारों द्वारा सड़क पर प्रदर्शन, सांभर नमक प्रसंस्करण यात्रा, पक्षी देखने की यात्रा/नमक झील का दौरा/ट्रेन से नमक अभियान, तारों को देखने की गतिविधियों का आयोजन 28 दिसंबर 2025 को मोती खान द्वारा सेलिब्रिटी शाम में प्रस्तुति, 29 दिसंबर 2025 - रैपरिया बालम द्वारा सेलिब्रिटी शाम में प्रस्तुति, 30 दिसंबर 2025 - महावीर नाथ द्वारा राजस्थानी लोक शाम में प्रस्तुति दी जाएगी। इसी प्रकार 31 दिसंबर, 2025 को हेरिटेज वॉक सांभर टाउन, फैंसी पतंगबाजी प्रदर्शन कला और शिल्प स्टॉल, फोटोग्राफी प्रदर्शनी घुड़सवारी, ऊंट की सवारी और ऊंट गाड़ी की सवारी एडवेंचर गतिविधियां-पैरा सेलिंग पैरा मोटरिंग। पैराग्लाइडिंग, जीप सफारी, एटीवी, बैलून राइड, साइकिलिंग आदि लोक कलाकारों द्वारा स्ट्रीट परफॉर्मेंस प्रस्तावित है।

# अवैध खनन के खिलाफ चलाएं विशेष अभियान- भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अरावली पर्वतमाला प्रदेश की अमूल्य प्राकृतिक धरोहर है और राज्य सरकार इसके संरक्षण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार का स्पष्ट रुख है कि अरावली के स्वरूप के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए अरावली जिलों में वन एवं पर्यावरण, खान तथा पुलिस सहित संबंधित विभागों की ओर से संयुक्त अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय से इस संबंध में कड़ी कार्रवाई करें। शर्मा ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित वन एवं पर्यावरण और खान विभाग की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अरावली क्षेत्र में किसी भी प्रकार के नए खनन की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस संबंध में केन्द्र सरकार की ओर से भी निर्देश जारी किए गए हैं। ये निर्देश पूरे अरावली भू-भाग पर समान रूप से लागू होंगे। इससे पर्वत श्रृंखला के प्राकृतिक स्वरूप को सुरक्षित रखा जा सकेगा और अनियमित व अवैध खनन पर प्रभावी रूप से रोक लग सकेगी।

**हरित अरावली विकास परियोजना के तहत होगा सघन वृक्षारोपण—**

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने खनन लीज जारी करने में सुप्रीम कोर्ट और सीईसी द्वारा समय-समय पर जारी की गई गाइडलाइंस के साथ ही सभी पर्यावरण सुरक्षा उपायों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया है। उन्होंने कहा कि अरावली पर्वतमाला को हरा-भरा बनाने के लिए 250 करोड़ रुपये की हरित अरावली विकास परियोजना बनाई गई है। परियोजना के तहत अरावली जिलों के 32 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सघन वृक्षारोपण करवाया जा रहा है। बैठक में मुख्यमंत्री कार्यालय, वन एवं पर्यावरण तथा खान विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

# रीको में 39 सहायक स्थल अभियंताओं (सिविल) की भर्ती

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नए वर्ष के अवसर पर राजस्थान स्टेट इण्डस्ट्रियल डवलपमेन्ट एण्ड इन्वेस्टमेन्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (रीको) ने प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोले हैं। रीको द्वारा सिविल कैडर में 39 सहायक स्थल अभियंता (Assistant Site Engineer) के पदों पर भर्ती की जा रही है। ASE पद के लिए वे अभ्यर्थी पात्र होंगे जोकि मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से 60 प्रतिशत अंक के साथ सिविल अभियांत्रिकी में स्नातक होंगे एवं जिनके पास वैध गेट (GATE) स्कोर है। इच्छुक एवं योग्य उम्मीदवार 29 दिसंबर 2025 से 27 जनवरी 2026 तक ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। रीको राजस्थान सरकार का अग्रणी उपक्रम है जो राज्य में औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना एवं इनमें रखरखाव का कार्य करता है। वर्तमान में राज्य में रीको के 33 इकाई कार्यालयों के अंतर्गत 445 औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए गए हैं।

# सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला 2025 में रोज सज रही भारत की लोक कलाओं की अनुपम झलक

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद द्वारा जवाहर कला केंद्र जयपुर में आयोजित सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला 2025 का प्रत्येक दिन भारतीय संस्कृति के विविध रंगों से सराबोर नजर आ रहा है। 4 जनवरी तक चलने वाले इस भव्य आयोजन में प्रतिदिन देश के किसी न किसी कोने की लोक कला, नृत्य और संगीत को मंच मिल रहा है, जिसे देखने और अनुभव करने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक उमड़ रहे हैं। सांस्कृतिक संध्याओं के माध्यम से यह मेला न केवल मनोरंजन का केंद्र बना हुआ है, बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से साक्षात्कार का सशक्त माध्यम भी बन रहा है। मेले के पहले दिन ही सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत राजस्थान के लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुत चरी, घूमर और कालबेलिया नृत्यों से हुई, जिसने पूरे परिसर को लोक रंगों से भर दिया। ताल, लय और भाव-भंगिमाओं के प्रभावशाली संयोजन ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

लोक कलाकारों द्वारा शतियों ने दर्शकों को पूर्वोत्तर भारत की समृद्ध परंपराओं से रूबरू कराया। वहनाई और नगाड़ा वादन ने भी खूब सराहना बटोरी। भरतपुर के ग्रुप द्वारा प्रस्तुत मयूर नृत्य तथा उत्तर प्रदेश के ग्रुप द्वारा प्रस्तुत फूलों की होली ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। इन रंगीन और भावपूर्ण प्रस्तुतियों से पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। असम से आए कलाकारों ने बिहू, बैशाली, कार्बी, धमाही और शास्त्रीय सत्रिया नृत्य की मनोहारी प्रस्तुतियों के माध्यम से वहां की सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। इन प्रस्तुहीं मेले के मंच पर पंजाब की पारंपरिक लोक कलाओं की प्रस्तुति भी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। गिद्दा और भांगड़ा जैसे ऊर्जावान नृत्य रूपों ने दर्शकों में उत्साह भर दिया और पूरे परिसर को जोश और उमंग से भर दिया। विशेष रूप से मिजोरम के पारंपरिक चैरो नृत्य की प्रस्तुति दर्शकों के लिए एक अनूठा और यादगार अनुभव साबित हुई। बाँस की डंडियों के बीच तालबद्ध ढंग से थिरकते कलाकारों ने मिजोरम की प्राचीन सांस्कृतिक परंपरा को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। महाराष्ट्र की पारंपरिक लावणी एवं गोंडल नृत्य की मोहक प्रस्तुति ने भी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके साथ ही आयोजित भव्य फैशन शो मेले का प्रमुख आकर्षण रहा, जिसमें शो स्टॉपर के रूप में अभिनेत्री डेज़ी शाह उपस्थित रहीं। फैशन शो की खास बात यह रही कि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने भी पूरे आत्मविश्वास के साथ रैम्प वॉक कर दर्शकों का दिल जीत लिया। सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला 2025 में प्रतिदिन बदलते सांस्कृतिक रंग इस बात का प्रमाण हैं कि यह मेला न केवल एक आयोजन है, बल्कि भारत की विविध और जीवंत सांस्कृतिक आत्मा का उत्सव है, जिसे लोग पूरे उत्साह और सराहना के साथ अनुभव कर रहे हैं।

# जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर फील्ड में उतरे अधिकारी

## -स्वास्थ्य केन्द्रों में की चिकित्सकीय सेवाओं की गुणवत्ता एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला प्रशासन द्वारा हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। जयपुर जिले में आमजन को बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशानुसार शनिवार को जिला प्रशासन के अधिकारियों ने फील्ड में उतरकर व्यवस्थाओं का व्यापक निरीक्षण किया। उपखण्ड अधिकारियों, खण्ड विकास अधिकारियों, तहसीलदारों सहित अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों का दौरा कर स्वास्थ्य सेवाओं, सामाजिक सरोकार से जुड़ी योजनाओं तथा विकसित भारत–रोज़गार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत संचालित कार्यों की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान चिकित्सा अधिकारियों एवं चिकित्सा कर्मियों की उपस्थिति, दवाओं की उपलब्धता, जांच सुविधाएं, आवश्यक चिकित्सकीय उपकरण, साफ-सफाई एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की गहन समीक्षा की गई। अधिकारियों ने स्वास्थ्य केन्द्रों में उपचाररत मरीजों एवं उनके परिजनों से संवाद कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को लेकर फीडबैक भी प्राप्त किया तथा पाई गई कमियों को शीघ्र सुधारने के निर्देश दिए।

इसके साथ ही अधिकारियों ने अन्नपूर्णा रसोई का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता व्यवस्था, बैठने की सुविधा, पेयजल सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान लाभार्थियों से सीधा संवाद कर भोजन की गुणवत्ता एवं सेवाओं को लेकर उनकी राय भी जानी गई तथा व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। जिला कलक्टर के निर्देशों की अनुपालना में अधिकारियों ने विकसित भारत–रोज़गार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) के तहत जारी कार्यों का मौके पर जाकर निरीक्षण किया तथा कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं समयबद्ध क्रियान्वयन की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों एवं कार्मिकों को कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं गति बनाए रखने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण उपरांत सभी अधिकारियों द्वारा निर्धारित प्रारूप में अपनी निरीक्षण रिपोर्ट जिला कलक्टर को प्रस्तुत की गई है, जिसके आधार पर आवश्यक सुधारात्मक एवं प्रशासनिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

# जिला रसद अधिकारी जयपुर प्रथम के निर्देशन में अवैध गैस रिफिलिंग के कारोबार का भण्डाफोड

## -कार्यवाही के दौरान मौके पर कुल 66 कॉमर्शियल व घरेलू गैस सिलेण्डर जब्त

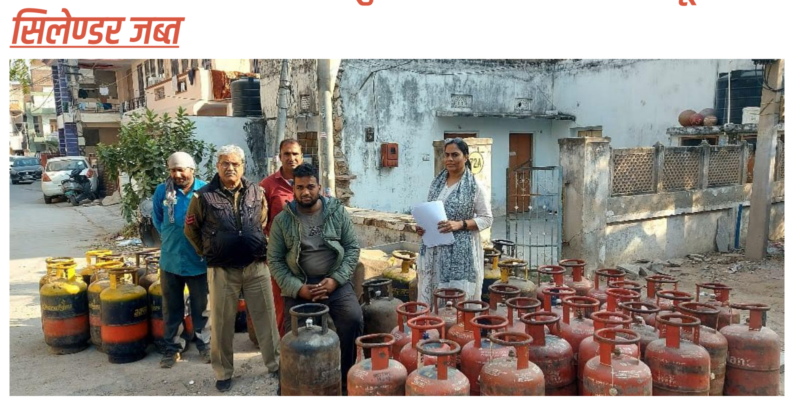

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रशासन के स्तर से संचालित ऑपरेशन प्रवर्तन सतर्क नागरिक सुरक्षित शहर के तहत डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी जिला कलक्टर के निर्देशानुसार गोपनीय सूचना तंत्र के माध्यम से सूचना प्राप्त होने पर जिला रसद अधिकारी जयपुर प्रथम द्वारा तत्काल विशेष सतर्कता दलों का गठन किया गया। जिला रसद कार्यालय द्वारा गठित सतर्कता दल की प्रवर्तन निरीक्षक श्रीमती कीर्ति शर्मा द्वारा लवकुश नगर द्वितीय, बरकत नगर, जयपुर में जिला रसद अधिकारी प्रियव्रत सिंह चारण के नेतृत्व में दबिश दी गई। चारण के नेतृत्व में सतर्कता दल द्वारा की गयी कार्यवाही के दौरान लवकुश नगर द्वितीय, बरकत नगर, जयपुर में स्थित मकान नम्बर 62 बी के परिसर तथा पास ही स्थित अन्य दुकान जायसवाल एंटरप्राईजेज में 66 गैस सिलेण्डरो (29 घरेलू व 37 वाणिज्यिक सिलेण्डर) का भण्डारण पाया गया जिनका अवैध रूप से भण्डारण कर क्रय-विक्रय होना पाया गया। कार्यवाही के दौरान मौके पर कुल 66 कॉमर्शियल व घरेलू गैस सिलेण्डर जब्त किये गये। जयपुर शहर में आये दिन ऐसे अवैध गैस रिफलिंग सेन्टर हादसों का मुख्य कारण बनते जा रहे है। शहर में अत्यधिक संख्या में पाये गये गैस सिलेण्डर भण्डारण व रिफिलिंग खुले में मिलने से कभी भी अप्रिय घटना एवं जन हानि होने की पूर्ण सम्भावना बनी रहती है। जिससे किसी भी अवैध स्टॉक में से शहर के रिहायशी क्षेत्र में हादसे की आंशका सदैव बनी रहती है क्योंकि यह अवैध भण्डारण सेंटर बिना सुरक्षा मानको को अपनाये अवैध रूप से सचालित होते है। घरेलू गैस सिलेण्डरों का अवैध क्रय विक्रय, अवैध भण्डारण एवं दुरूपयोग जाये जाने पर दोषियों के विरूद्ध द्रवित पैट्रालियम गैस (रग्यूलेशन आफ सप्लाई एण्ड डिस्ट्रीब्यूशन) आदेश 2000 के प्रावधानों एवं सपठित आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के अन्तर्गत पुलिस थाने में गैस सिलेण्डरों के अवैध भण्डारण माफियाओं के विरूद्ध नामजद एफआईआर दर्ज करवायी गयी है। जयपुर शहर में ऐसे अवैध रिफलिंग सेन्टरों के संचालन होने से अवैध रिफलिंग को रोकने एव आवश्यक कार्यवाही हेतु जिला प्रशासन जयपुर के निर्देशन में सख्त कार्यवाही हेतु विशेष सर्च अभियान 'ऑपरेशन प्रवर्तन' (सतर्क नागरिक व सुरक्षित शहर) के तहत सतर्कता दलों का गठन किया गया है। विभाग द्वारा संचालित 'ऑपरेशन प्रवर्तन' (सतर्क नागरिक व सुरक्षित शहर) अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा एवं अवैध रिफलिंग में संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही अमल में लाई जावेगी। इस हेतु जयपुर शहर के आमजन से अनुरोध है कि किसी भी संदिग्ध गैस रिफलिंग सेंटर/वितरण गतिविधि की सूचना विभाग को दें ताकि आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकें।

# रातों-रात दीवार तोड़कर लाखों की चोरी, खोरा गांव में दहशत

## -खोरा लाड़खानी में ज्वेलरी दुकान व मकान को बनाया निशाना, पुलिस जांच में जुटी

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। थाना क्षेत्र के खोरा गांव में शुक्रवार रात्रि अज्ञात चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम देते हुए एक ज्वेलरी की दुकान और एक मकान के पीछे की दीवार तोड़कर लाखों रुपये का माल पार कर लिया। इस सनसनीखेज चोरी की घटना से पूरे गांव में दहशत का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खोरालाड़खानी गांव निवासी जगदीश प्रजापत की ज्वेलरी की दुकान को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाया। दुकान मालिक शुक्रवार शाम को रोजाना की तरह दुकान बंद कर घर चला गया था। रात के अंधेरे में चोरों ने दुकान के पीछे की दीवार तोड़कर अंदर प्रवेश किया और दुकान में रखा लाखों रुपये का जेवरात व कीमती सामान चोरी कर फरार हो गए। इसी रात चोरों ने गांव निवासी सुरेंद्र जांगिड़के मकान को भी निशाना बनाया। चोरों ने मकान के पीछे की दीवार में लगे जंगले को तोड़कर अंदर घुसकर नगदी व जेवरात चोरी कर लिए। सुबह जब मकान मालिक जागा तो घर के अंदर सामान बिखरा देख उसके होश उड़ गए।

घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह एवं हेड कांस्टेबल रमेश पोया मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर मौका रिपोर्ट तैयार की। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित जगदीश प्रजापत और सुरेंद्र जांगिड़ ने थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज करवाया है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही चोरों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में आक्रोश है। लोगों ने रात्रि गश्त बढ़ाने और चोरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। अब देखना यह है कि पुलिस इस बड़ी वारदात का खुलासा कितनी जल्दी कर पाती है।

# अवैध अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार उपायुक्त हवामहल-आमेर जोन सीमा चैधरी के नेतृत्व में उपायुक्त सतर्कता पुष्पेन्द सिंह राठौड़ व सतर्कता शाखा टीम, भवन/अतिक्रमण शाखा की टीम, जयसिंहपुरा खोर थाना के सहयोग से शुक्रवार को शहर में सरकारी भूमि पर अवैध/अनाधिकृत निर्माण व निगम की भूमि पर अतिक्रमण के विरूद्ध ध्वस्तीकरण किया गया। उपायुक्त हवामहल-आमेर जोन सीमा चैधरी ने बताया कि खसरा नम्बर 314/1, गैर मु. आबादी, कलालों की ढाणी, जयसिंहपुरा खोर में निगम की आबादी भूमि प्रश्नगत 4 बीघा में हो रहे अवैध निर्माण/अतिक्रमण कर रखा था। जिसकी जोन कार्यालय में लगातार शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें भू-प्रबन्धक विभाग जयपुर की टीम द्वारा डिमार्केशन करवाया गया था जिसे हवामहल आमरे जोन के द्वारा शहर में सरकारी भूमि पर अवैध/अनाधिकृत निर्माण निगम की भूमि पर अतिक्रमण के विरूद्ध ध्वस्तीकरण किया गया साथ ही चन्द्रशेखर आजाद कॉलोनी, गली नं. 8 में अनाधिकृत/अवैध निर्माण को ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई।

# सांगानेर सदर थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई, रास्ता पूछकर लूट करने वाला गिरोह गिरफ्तार

जयपुर। पुलिस थाना सांगानेर सदर ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रास्ता पूछने के बहाने मारपीट कर लूट करने वाले गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने चार अभियुक्तों को बापर्दा गिरफ्तार किया है, जबकि एक विधि से संघर्षरत बालक को निरुद्ध किया गया है। आरोपियों के कब्जे से लूट की राशि, मोबाइल फोन और वारदात में प्रयुक्त कार भी बरामद की गई है। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) जयपुर राजर्षि राज वर्मा, आईपीएस ने बताया कि यह मामला 24 दिसंबर 2025 को दर्ज किया गया था। परिवादी लक्ष्मण सिंह (40 वर्ष), निवासी धींगपुर, थाना खाटूश्यामजी सदर, जिला सीकर, हाल किरायेदार शिकारपुरा, सांगानेर सदर ने रिपोर्ट दी थी कि 23 दिसंबर की रात करीब 10–11 बजे वह अपने कारखाने से घर लौट रहा था। इसी दौरान कुछ अज्ञात लोगों ने उससे रास्ता पूछा और जबरन गाड़ी में बैठाकर उसके साथ मारपीट की। आरोपियों ने पीड़ित के गले पर चाकू रखकर मोबाइल छीना, फोन-पे का पासवर्ड पूछकर खाते से पैसे ट्रांसफर कर लिए और उसकी पत्नी को वीडियो कॉल कर और पैसे

मंगवाए। बदमाशों ने उसे सिगरेट से दागा और काफी देर तक बंधक बनाकर रखा। किसी तरह जान बचाकर भागे पीड़ित ने रात में मुश्किल से घर पहुंचकर पुलिस में मामला दर्ज कराया। कार में कुल पांच आरोपी थे, जिनमें से चार ने चेहरे ढक रखे थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण ललित किशोर शर्मा, आरपीएस के निर्देशन और सहायक पुलिस आयुक्त चाकसू भवानी सिंह शेखावत, आरपीएस के मार्गदर्शन में थानाधिकारी अनिल जैमनी के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस ने बैंक खातों, कॉल डिटेल और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें दस्तयाब किया। पूछताछ में आरोपियों ने वारदात करना स्वीकार किया। गिरफ्तार आरोपियों में धारासिंह चौधरी, संदीप चौधरी, अरविन्द चौधरी उर्फ बिट् और योगेश चौधरी उर्फ शक्ति शामिल हैं। इनमें संदीप और अरविन्द सगे भाई हैं, जिन्होंने लूट के लिए अपनी अलग गैंग बनाई थी। एक विधि से संघर्षरत बालक को भी निरुद्ध किया गया है। फिलहाल आरोपियों से आगे पूछताछ जारी है। पुलिस ने बताया कि शिनाख्त परेड के बाद अन्य बरामदगी के प्रयास किए जाएंगे। इस कार्रवाई से क्षेत्र में सक्रिय लूट गिरोह का पर्दाफाश हुआ है और आमजन ने पुलिस की तत्परता की सराहना की है।

## आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

**बिजली फॉल्ट के लिए**

| | |
|---|---|
| टोल फ्री नंबर | 18001806507 |
| वॉट्सएप नंबर | 9414037085 |
| कस्टमर केयर | 2203000 |
| आईवीआरएस | 1912 |

**कचरा गाड़ी के लिए**

| | |
|---|---|
| ग्रेटर | 2747400 |
| सीवरेज लीकेज | 2607500 |
| हेरिटेज | 2607500 |
| टोल फ्री नंबर | 14420 |

**पुलिस की मदद के लिए**

| | |
|---|---|
| साइबर क्राइम | 1930/2360094 |
| कंट्रोल रूम | 2388435/36/37/38 |
| ट्रैफिक कंट्रोल रूम | 2565630 |
| चाइल्ड हेल्पलाइन | 1098 |
| महिला हेल्पलाइन | 1090 |
| मुख्यमंत्री पोर्टल | 181 |

**पानी के लिए**

| | |
|---|---|
| जलदाय कार्यालय | 2706624 |
| फायर ब्रिगेड | 2747400 |

**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**

| | |
|---|---|
| एंबुलेंस | 102/108 |
| एसएमएस इमरजेंसी | 2518333 |
| महिला चिकित्सालय | 22610616 |
| जनाना हॉस्पिटल | 22378721 |
| SDMH | 22574189 |
| SMS ब्लड बैंक | 22518222 |
| कल्याण ब्लड बैंक | 22721771 |

**घायल पशुओं के लिए**

| | |
|---|---|
| नगर निगम | 2747400 |
| बर्ड बाइक | 9887345580 |
| हेल्प इन सफरिंग | 8107299711 |
| जनमंच ट्रस्ट | 7230055800 |
| पशु चिकित्सालय | 2747400 |

## उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। सहायक निदेशक कृषि (विस्तार) चित्तौड़गढ़ के निर्देश पर कृषि अधिकारी गोपाल लाल शर्मा द्वारा जिले में उर्वरक विक्रेताओं के परिसरों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मैसर्स श्रीराम कृषि सेवा केन्द्र, चित्तौड़ रोड बड़ीसादड़ी एवं मैसर्स जोशी फर्टिलाइजर्स, सांगरिया के विक्रय परिसरों में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। जांच में मूल्य सूची प्रदर्शित नहीं होना, स्टॉक रजिस्टर अपूर्ण होना, गोदाम में उपलब्ध स्टॉक का पीओएस मशीन एवं बिलों से मेल नहीं खाना तथा बिलों में आदानों का पूर्ण विवरण अंकित नहीं होना पाया गया।

# जिला कांग्रेस द्वारा मनरेगा एवं अरावली को लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ वीरगति स्मारक तक पदयात्रा की

चूरू (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार चूरू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व सुजानगढ विधायक मनोज मेघवाल के नेतृत्व में तथा चूरू जिला कांग्रेस कमेटी व चूरू शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वाधान में शनिवार दोपहर को शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस चूरू में बैठक के पश्चात चूरू शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस चूरू से वीरगति स्मारक तक अरावली बचाओं पद यात्रा निकाली गई। पद यात्रा के पश्चात केन्द्र सरकार द्वारा मनरेगा योजना के नाम परिवर्तन व उसे कमजोर करने के कुत्सित प्रयासों के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महात्मा गांधी के चित्र को हाथ में लेकर वीरगति स्मारक के आगे विरोध प्रदर्शन किया गया। चूरू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व सुजानगढ विधायक मनोज मेघवाल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की नई परिभाषा और केन्द्र-राज्य सरकार के फैसलों से अरावली का बडा हिस्सा खनन के लिए खुल सकता है, जिससे पर्यावरण और भूजल को गंभीर खतरा है। मनरेगा को लेकर मेघवाल ने कहा कि अभी हाल ही में सरकार ने मनरेगा पर बुलडोजर चला दिया। न सिर्फ महात्मा गांधी का नाम हटाया गया, बल्कि मनरेगा का रूप-स्वरूप बिना विचार-विमर्श किए, बिना किसी से सलाह-मशवरा किए, बिना विपक्ष को विश्वास में लिए मनमाने ढंग से बदल दिया गया। अब किसको, कितना, कहां और किस तरह रोजगार मिलेगा, यह जमीनी हकीकत से दूर दिल्ली में बैठकर सरकार तय करेगी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी सचिव रिहाना रियाज चिश्ती ने कहा कि इस समय केन्द्र में हम दो हमारे दो की सरकार है। यह सरकार पुंजीपति और उधोगपतियों के लिए ही बनी है। इनका गरीब व आमजन से कोई वास्ता नही है। पूर्व की केन्द्र की कांग्रेस सरकार हो या राज्य की कांग्रेस सरकार उनकी योजनाओं के नाम बदले में आज

की सरकार अपनी उपलब्धि मानती है। रतनगढ विधायक पुसाराम गोदारा ने कहा कि अरावली केवल पहाड नही बल्कि प्रदेश के पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा की कवच है। सरकार आंकडो के जाल में रखकर जनता को भ्रमित कर रही है और असली खतरे को छिपा रही है। रिहाना रियाज चिश्ती ने कहा कि कांग्रेस का मनरेगा को लाने और लागू करने में बडा योगदान था, लेकिन यह पार्टी से जुडा मामला कभी नही था। ये देशहित और जनहित से जुडी योजना थी। मोदी सरकार ने इस कानून को कमजोर करके देश के करोडो किसानों, श्रमिकों और भूमिहीन ग्रामीण वर्ग के गरीबों के हितों पर हमला किया है। इस दौरान चूरू पीसीसी सचिव रियाजत खान, शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धांधू, प.स. प्रतिपक्ष नेता धर्मेन्द्र बुडानिया, निवर्तमान सभापति पायल सैनी, पूर्व सभापति गोविन्द महनसरिया, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहम्मद हुसैन निर्बाण, एडवोकेट रामेश्वर प्रजापति, रमजान खान, रामप्रताप कांटिवाल, विधाधर मेघवाल, संजय पुनियां राजगढ, विधाधर बेनिवाल, गिरधारीलाल बागडवा, भानीराम मेघवाल, रामेश्वर रामसरा, अबरार खां, प्यारेलाल दानोदिया आदि ने भी अपने विचार व्यक्त कियें।

कार्यक्रम का संचालन चूरू जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष जमील चौहान ने किया। इस दौरान नारायण बालाण, हर्ष लाम्बा, हेमन्त सिहाग, असलम खां मोयल, अली मोहम्मद भाटी, आरिफ रिसालदार, शिवकुमार शर्मा, विमल शर्मा, संजय भाटी, सुनिता कपुरिया, बालीबाई, दीपिका सोनी, सुनिता बाकोलिया, ज्योति सिंह, शर्मिला भाकर, कृष्ण सुण्डा, इस्माईल भाटी, अजीज दिलावरखनी, समीउल्लाह, राजेश खिचड, आरिफ पिथिसर, जंगशेर खां, विजयपाल सारण, सलीम पीए, मुस्ताक पिथिसर, श्रवण बसेर, रामेश्वर नायक, इनायत खां, सोयल डीके, सद्दाम हुसैन, विनोद खटीक, सुर्यप्रकाश वर्मा, आमीन खां, अनिस खान, गोकुल शर्मा, इंजिनियर सुरेश शर्मा, सदीक लीलगर, किशनाराम बाबल, भादरमल मेघवाल, जयचंद मेघवाल, विमल ओझा, शंकर डाबला, रामचन्द्र सुण्डा, सलेमान मणियार, अज्जू लुहार, सिराज जोईया, हुणतराम, कुरडाराम भाकर सहित सैकडों कांग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजुद रहें।

# इनरव्हील क्लब बारां ने उल्लास, सेवा और मनोरंजन के साथ किया नववर्ष का स्वागत

**शब्बीर हुसैन**

बारां (रॉयल पत्रिका) । इनरव्हील क्लब द्वारा नववर्ष के शुभ आगमन के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इनरव्हील क्लब अध्यक्ष नीतू गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य बीते वर्ष में क्लब द्वारा किए गए सेवा कार्यों के साथ-साथ सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को स्मरण करना तथा नए वर्ष का सकारात्मक शुरुआत के साथ स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान क्लब की सक्रिय सदस्य जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया का सम्मान किया गया। उनके द्वारा क्लब के लिए किए गए योगदान, सेवा भावना एवं निरंतर सहभागिता की सभी सदस्यों ने सराहना की। सम्मान समारोह भावनात्मक एवं प्रेरणादायक वातावरण में संपन्न हुआ। अध्यक्ष नीतू गुप्ता द्वारा विभिन्न आकर्षक गेम करवाये गए। कार्यक्रम को रोचक एवं आनंदमय बनाने के उद्देश्य से चले बचपन की ओर थीम पर स्वागत गेम आयोजित किया गया, जिसमें क्लब की सभी सदस्यों ने

उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस खेल में प्रथम उर्मिला जैन भाया, द्वितीय सुमन गोयल एवं तृतीय स्थान चन्दा ठाकुरिया रही। सभी प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इसके पश्चात "सुर संगम" नामक मनोरंजक संगीत आधारित खेल का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम त्रिशला जैन, द्वितीय प्रिंसी टक्कर तथा तृतीय मृदुला मारू स्थान पर रहीं। कार्यक्रम के दौरान हाउजी सहित अन्य मनोरंजक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया, जिसने सभी उपस्थित सदस्यों को खूब आनंदित किया। हंसी-मजाक, संगीत और खेलों से सजा यह आयोजन आपसी सौहार्द एवं मित्रता का प्रतीक बना। इस अवसर पर क्लब की चार्टर प्रेसिडेंट ललिता आंटी, कोषाध्यक्ष मंजू बंसल, मृदुला मारू, चन्दा ठाकुरिया, सुमन गोयल, नेहा गुप्ता, सीमा अग्रवाल, सुलेखा जैन, चन्द्रकला सेठी, चारु गुप्ता, दिव्या जैन, प्रेरणा शर्मा, सुधा गोयनका, मीना अरोड़ा, अंजू मारू सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य विशेष रूप से उपस्थित रही। कार्यक्रम का संचालन नीतू गुप्ता द्वारा सुव्यवस्थित ढंग से किया गया। अंत में सभी ने नए वर्ष में सहयोग एवं सामाजिक सहभागिता को ओर अधिक शसक्त बनाने का संकल्प लिया।

# पुस्तकें दिमाग को समृद्ध और व्यक्तित्व को अलंकृत करती हैं - डॉ. आर. डी. सैनी

**-प्रयास पुस्तक उपहार कार्यक्रम में विधायक हरलाल सहारण ने पुस्तकालयों को की पुस्तकें भेंट**

**-पांच लाख रुपये की विधायक निधि भी घोषित की**

चूरू (रॉयल पत्रिका)। पुस्तकें ही वह प्रेरणा पुंज हैं जिनसे दोस्ती करने पर वे आपका मार्गदर्शन करती हैं। पुस्तकें दिमाग को समृद्ध और व्यक्तित्व को अलंकृत करती हैं। पुस्तकें वह जादुई शक्ति है जो मनुष्य को उन्मुक्त आकाश में उड़ने के पंख प्रदान करती हैं। उक्त विचार राजस्थान लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं साहित्यकार डॉ. आर. डी. सैनी ने प्रयास संस्थान द्वारा शनिवार शाम स्थानीय सूचना केंद्र में आयोजित सोहन सिंह दुलार स्मृति कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता व्यक्त किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चूरू विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि शिक्षा ही वह जरिया है जो प्रगति की ओर ले जाता है, उनका पूरा जोर शिक्षा संस्थानों को मजबूत करने पर रहेगा। विधायक सहारण ने जिला नोडल कॉलेज राजकीय लोहिया महाविद्यालय चूरू के प्रतिनिधि डॉ. हरीश शर्मा को प्रयास पुस्तक उपहार योजना में चयनित पुस्तकों को भेंट किया। सहारण ने इस अवसर योजनांर्गत प्रदत्त पुस्तकों को राजकीय विद्यालयों के पुस्तकालयों में रखने हेतु विधायक निधि से रैंक खरीदने हेतु पांच लाख रुपये की विधायक निधि की घोषणा भी की। कार्यक्रम के अतिथि राजस्थान विश्वविद्यालय सिंडिकेट

के पूर्व सदस्य प्रो. एच. आर. ईसराण ने शिक्षाविद सोहन सिंह दुलार के आठवें स्मृति दिवस पर उन्हें याद करते हुए कहा कि उनके परिजनों द्वारा इस योजना में जुड़ना सबसे अच्छी श्रद्धांजलि है। दुलार का जीवन बालिका शिक्षा और अनुशासन को समर्पित रहा। कार्यक्रम अध्यक्ष श्रीमती सावित्री दुलार ने स्मृतियों को साझा किया। कार्यक्रम में प्रयास संस्थान के अध्यक्ष डॉ. दुलाराम सहारण ने अतिथियों का स्वागत किया एवं योजना के संबंध में जानकारी दी। कार्यक्रम में प्रयास पुस्तक उपहार योजनांतर्गत जिले के बनवारी शर्मा खामोश, डॉ. रामकुमार घोटड़, राजेंद्र शर्मा मुसाफिर, घनश्याम नाथ कच्छावा, देवकरण जोशी, किशोर कुमार निर्वाण, उम्मेद धानिया, स्नेहलता शर्मा, मोहन सोनी चक्र एवं विवेक दीप आदि दस लेखकों की किताबों का क्रय किया गया एवं लेखकों को अतिथियों ने मूल्य भेंट किया। लेखक राजेंद्र मुसाफिर एवं मोहन सोनी ने पुस्तकों की बात रखी। धन्यवाद डॉ. मदन सिंह दुलार ने व्यक्त किया। संचालन डॉ. उम्मेद सिंह गोठवाल ने किया।इस अवसर पर दुलार परिवार के राकेश दुलार, संजय पूनिया, जयश्री दुलार, ओमदा दुलार, आविष्का दुलार ने सोहनसिंह दुलार को आठवीं पुण्यतिथि पर याद किया एवं ऐसे स्मृति कार्यक्रम की प्रशसा की। कार्यक्रम में रामगोपाल बहड़, श्यामसुंदर शर्मा, जिला उपप्रमुख महेंद्र सिंह न्यौल, रामगोपाल शर्मा, रियाजत अली खान, उमाशंकर शर्मा, रामेश्वर प्रजापति रामसरा, सोहन लाल फगेड़िया, नरेंद्र सैनी, डॉ. शमशाद अली, अशोक डूडी, विकास मील, सहीराम पूनिया, मनराज कांटीवाल, मनीष कुमार, रामस्वरूप कटारिया, राधाकृष्ण दईया, विजयकांत शर्मा, गिरधारी तंवर, शैलेंद्र माथुर, मुकेश ईसराण, रामचंद्र गोयल आदि साहित्य प्रेमी मौजूद रहे।

# अरावली बचाओ कांग्रेस की जिला मुख्यालय पर रैली व प्रदर्शन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार हम्मीर सर्किल से जिला कांग्रेस कमेटी की जिलाध्यक्ष इंदिरा मीणा के नेतृत्व में कांग्रेस के पदाधिकारी एवं अग्रिम संगठनों के जिला अध्यक्ष महिला संगठन अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने सर्किल से अरावली पर्वतमाला को लेकर जो सुप्रीम कोर्ट का 100 मीटर के दायरे का जो डिसीजन आया है उसके विरोध स्वरूप रैली के रूप में हम्मीर ब्रिज से होते हुए स्टेशन, शर्मा होटल, बजरिया सब्जी मंडी, जामा मस्जिद, पुरानी ट्रक यूनियन, गुलाब बाग पहुंचकर रैली का विसर्जन हुआ। वहां पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष इंदिरा मीणा ने कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारी को आह्वान किया कि अरावली पर्वतमाला हमारे देश और प्रदेश की शान है। इसे किसी भी कीमत पर नष्ट नहीं होने देंगे, ना किसी निश्चित कंपनी को हस्तांतरित होने देंगे। केंद्र की सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में गलत मानसा से जो दस्तावेज पेश किए हैं उन दस्तावेजों की कमजोरी की वजह से सुप्रीम कोर्ट का जो डिसीजन हुआ है। वह अरावली पर्वतमाला एवं उसके इधर-उधर बसे हुए जनता के हित में नहीं है। अरावली से जनता के हित जुड़े हुए हैं अगर अरावली का बैजां खनन हुआ तो रेगिस्तान का विस्तार आगे तक होगा। रेगिस्तान के विस्तार को अरावली ही एक पर्वतमाला है जो रोकती है पश्चिम की जो हवाएं आती हैं वह पर्वत से ही टकरा करके उनका वेज कमजोर होता है। मानसून के समय में अरावली पर्वतमाला से बादलों के जो टकरा करके बारिश होती है वह बिना अरावली के यह क्षेत्र पहले ही शुष्क है और ज्यादा नुकसान होने वाला है। इसे जनमानस को भुगतना पड़ेगा। इसलिए कांग्रेस पार्टी इस डिसीजन के लिए सरकार से मांग करती है कि वह सुप्रीम कोर्ट में पुनः रिट पिटीशन दायर करें और अरावली को बचाने की ओर आगे बढ़े। कांग्रेस पार्टी इसका पूर्ण जोर तरीके से विरोध करती है जो रैली निकाली गई उसमें कांग्रेस के पीसीसी सचिव लईक अहमद, जिला प्रमुख सुदामा देवी, प्रधान देवपाल मीणा आदि कांग्रेस के कार्यकर्ता व नेता मौजूद रहे।

# कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव एवं महाराष्ट्र राज्य की सह प्रभारी रेहाना रियाज चिश्ती के जन्म दिवस पर रक्तदान शिविर आयोजित

**मोहम्मद अली पठान**

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व राज्य मंत्री राजस्थान सरकार एवं वर्तमान में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय सचिव एवं महाराष्ट्र राज्य की सह प्रभारी श्रीमती रेहाना रियाज चिश्ती के जन्म दिवस के अवसर पर युवा कांग्रेस चूरू के विधानसभा अध्यक्ष सोयल खान डीके की ओर से राजकीय भरतीया जिला अस्पताल चूरू की ब्लड बैंक में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर रेहाना रियाज चिश्ती के उज्जवल भविष्य स्वस्थ जीवन एवं दीर्घायु की कामना की गई। इस अवसर पर युवा कांग्रेस चूरू के विधानसभा अध्यक्ष सोयल खान डीके, पीसीसी की ओर से बीकानेर प्रभारी एडवोकेट सद्दाम हुसैन, कांग्रेस लोकसभा ट्रैनिंग कोऑर्डिनेटर

मोहम्मद रफीक चौहान, किसान कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव विकास मील, राजवंशी खान महासभा अध्यक्ष सिराज खां जाईयां, मुबारिक भाटी, कांग्रेस कच्ची बस्ती प्रकोष्ठ अज्जू लुहार, कांग्रेस अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव अशोक पंवार, मोहम्मद कासम सिसोदिया, शोयब खान, अब्दुल्ला कुरैशी, कासिफ सिसोदिया, साबीर चेजारा, शोयल गौरी, शौयल खोखर, मुस्लिम लुहार, अल्ताफ रंगरेज, मोहम्मद आसिफ सिसोदिया, अफराज भलीम, समीर खान, अरमान कुरैशी, नासीर चेजारा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे। रक्तदान शिविर में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से चिकित्सा अधिकारी डॉ. गोपाल ढाका, नर्सिंग ऑफिसर जयपाल गोदारा, नर्सिंग ऑफिसर जीतू, महमूद अली मोयल, तनवीर खान, प्रबल कुमार कुर्बिलाव, विनोद डाबी इत्यादि ने अपनी उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान की ।

# महुवा में क्षारसूत्र शल्य निशुल्क चिकित्सा शिविर में 1100 रोगियों का निशुल्क इलाज हुआ

**शफीक अली**

महुवा (रॉयल पत्रिका)। महुवा अखंड मुख्यालय के राजकीय टीकाराम पालीवाल उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयुर्वेद विभाग एवं राष्ट्रीय आयुष मिशन के संयुक्त तत्वावधान में दस दिवसीय निःशुल्क आयुर्वेद अंतरंग क्षारसूत्र शल्य चिकित्सा शिविर में शनिवार को 1100 मरीज का निशुल्क इलाज किया जा चुका है। शिविर-प्रभारी डॉ. महेश मीना व डॉ.जीतेश कुमार शर्मा ने बताया की दस दिवसीय निशुल्क चिकित्सा शिविर मे अर्श (मस्सा), भगन्दर (फिस्टूला), परिकर्तिका (फिशर), नाडीव्रण (साईनस) एवं गुदा की समस्त बीमारियो व सामान्य बीमारियो का इलाज विशेषज्ञ वैद्यो द्वारा किया जा रहा है तथा निःशुल्क दवाई व ऑपरेशन किए जा रहे हैं। अब तक 1100 मरीजो का पंजीकरण कर निःशुल्क दवाई दी गई जिनमें से 150 मरीजो की स्क्रीनिंग कर 91

मरीजों की सफल शल्य चिकित्सा की जा चुकी है। शिविर में मरीजों को रोहिताश शर्मा अमोलक नगर ने फल वितरण किया जिसमें पृथ्वीराज गुर्जर कनिष्ठ अभियंता नगर पालिका महुवा का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम प्रभारी डॉ.राजकुमार मीना ने बताया कि निशुल्क चिकित्सा शिविर 3 जनवरी 2026 तक राजकीय टीकाराम पालीवाल सी.सै. स्कूल मे चलेगा शिविर मे राजस्थान के प्रसिद्ध डॉक्टर कमलेश शर्मा सर्जन, डॉ. उपेन्द्र (सर्जन), डॉ. विमलेश जैमन, डॉ. जितेश शर्मा, डॉ. महेश मीणा, डॉ. राजकुमार मीणा जैसे योग्य आयुर्वेदिक चिकित्सकों द्वारा निशुल्क इलाज किया जा रहा है जिसका अधिक से अधिक आमजन लाभ उठाएं। इस अवसर पर महुवा नगर पालिका के कनिष्ठ अभियंता पृथ्वीराज गुर्जर, गो पुत्र सेना के राष्ट्रीय सचिव गौ पुत्र अवधेश अवस्थी, मनोज गुर्जर भाजपा मण्डल उपाध्यक्ष, रोहिताश शर्मा सीता गुप्ता, सहित समाज सेवी, रोगी व उनके परिवार जन शिविर में उपस्थित रहे।

## मुस्लिम महासभा का स्थापना दिवस:

# शपथ-ग्रहण समारोह व दो दिवसीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन जयपुर में

**-संगठनात्मक मजबूती की दिशा में ऐतिहासिक क़दम**

**हनीस खान कुतकपुर**

चाकसू/जयपुर (रॉयल पत्रिका)। तालीम, तन्जीम, तिजारत, तरक्की के उसूलों पर आधारित मुस्लिम महासभा संस्थान (पंजीयन क्रमांक 201/2007-08) द्वारा वर्ष 2026 का स्थापना दिवस, शपथ-ग्रहण समारोह एवं दो दिवसीय कार्यकर्ता सम्मेलन आगामी 04 एवं 05 जनवरी 2026 (रविवार व सोमवार) को नेशनल रिसोर्ट, सूरजकुंड रोड, चाकसू, जिला जयपुर में आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन संगठनात्मक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण एवं दूरगामी प्रभाव वाला माना जा रहा है।

यह कार्यक्रम मुस्लिम महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्षा मोहतरमा रेशमा सोलंकी साहिबा एवं राष्ट्रीय संरक्षक सिकंदर पठान साहब के दिशा-निर्देशन एवं मुख्य आतिथ्य में संपन्न होगा। आयोजन की समग्र जिम्मेदारी प्रदेश अध्यक्ष इक़बाल खान भाटी एवं राष्ट्रीय प्रभारी अमजद पठान को सौंपी गई है। सम्मेलन में राष्ट्रीय महासचिव आबिद खान मुख्य वक्ता के रूप में संगठन की वर्तमान स्थिति, भावी रणनीति, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं संगठनात्मक विस्तार पर विस्तृत एवं मार्गदर्शक संबोधन देंगे। कार्यक्रम के सह-संयोजन की जिम्मेदारी प्रदेश मीडिया प्रभारी अजीम खान द्वारा निभाई जाएगी। इस दो दिवसीय कार्यकर्ता सम्मेलन में राष्ट्रीय, प्रदेश, जिला एवं ब्लॉक स्तर के समस्त पदाधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य की गई है। सम्मेलन के दौरान पूर्व में नियुक्त सभी पदाधिकारियों का विधिवत शपथ-ग्रहण, जिलाध्यक्षों द्वारा अपने-अपने जिलों की संगठनात्मक स्थिति व जमीनी समस्याओं का प्रस्तुतीकरण तथा संगठन की भावी नीति एवं कार्ययोजना पर विचार-विमर्श किया जाएगा। मुस्लिम महासभा ने स्पष्ट किया है कि यह संगठन का वार्षिक प्रथम एवं अत्यंत महत्वपूर्ण कार्यक्रम है।कार्यक्रम के प्रमुख बिंदुओं में संगठन का परिचय, वर्तमान समय में मुस्लिम महासभा की आवश्यकता, "मुस्लिम महासभा — एक समाधान, एक हल", कार्यकर्ताओं से संवाद एवं राष्ट्रीय नेतृत्व का मार्गदर्शन शामिल रहेगा। मुस्लिम महासभा ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे संगठनात्मक अनुशासन का पालन करते हुए समय पर उपस्थित होकर इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाएं।

## अंकुश चौधरी बने शहीद भगत सिंह युवा क्रांतिकारी मंच राजस्थान के यूथ विंग के चूरू जिलाध्यक्ष

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर शहीद भगत सिंह युवा क्रांतिकारी मंच राजस्थान की जिला इकाई द्वारा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से अंकुश चौधरीको यूथ विंग का चूरू जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति संगठन के प्रदेश नेतृत्व की अनुशंसा एवं सहमति से की गई। इस संबंध में मंच के जिलाध्यक्ष अनिल चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि अंकुश चौधरी लंबे समय से संगठन से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं तथा युवाओं के बीच उनकी मजबूत पकड़ है। उन्होंने कहा कि अंकुश चौधरी में संगठनात्मक क्षमता, अनुशासन और सामाजिक सरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता है। हमें पूर्ण विश्वास है कि उनके नेतृत्व में यूथ विंग जिले में युवाओं को संगठित कर शहीद भगत सिंह के विचारों को आगे बढ़ाने का कार्य प्रभावी रूप से करेगा।

# संभाग स्तरीय आरोग्य मेले में आयोजित हुई सांस्कृतिक संध्या

**-करवाया योगाभ्यास, औषधीय पादपों की प्रदर्शनी में दिखा विशेष आकर्षण**

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में जिला मुख्यालय पर पुलिस लाइन मैदान में चल रहे संभाग स्तरीय आरोग्य मेले में विविध गतिविधियों में आमजन सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। शुक्रवार को मेले में सांस्कृतिक संध्या आयोजित की गई। सांस्कृति संध्या में पंडित ललित व्यास, गजल गायक सुनील कुमार एवं डॉ. कमल वशिष्ठ ने प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में अभिषेक चोटिया, सुरेश सारस्वत, श्रीराम पीपलवा, डॉ. सत्यवीर सिंह, डॉ. मनीष शर्मा, डॉ. ओमप्रकाश सहित अन्य मौजूद रहे। सहायक निदेशक डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि इसी क्रम में शनिवार को दिनभर आमजन में मेले के दौरान काफी उत्साह देखने को मिला। आमजन ने दिनभर आयुष सेवाओं का लाभ उठाया और प्रश्नोत्तरी में भी काफी संख्या में भी हिस्सा लिया। शनिवार सवेरे योगाभ्यास करवाया गया तथा अंकुरित नाश्ते व यहां की प्राकृतिक हर्बल चाय लोगों में विशेष आकर्षण का केन्द्र रही। मेले के दौरान रोग प्रतिरोधक काढ़ा और औषधीय पादपों की प्रदर्शनी में भी काफी रूचि रही। डॉ. संतोष शेषमा ने योग तथा डॉ. रमाकांत वर्मा ने स्वास्थ्य विषयक व्याख्यान दिया। रामसिंह बीका ने कविता वाचन किया। इस दौरान पदम सिंह, डॉ. सत्यवीर सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

## अम्बेडकर डीबीटी वाउचर योजना 2025 में आवेदन की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। शहर में रहकर उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे अल्पसंख्यक समुदाय के विद्यार्थियों के लिए राहत भरी खबर है। अम्बेडकर डीबीटी वाउचर योजना–2025 के अंतर्गत आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर, 2025 निर्धारित की गई है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अक्षित बिश्नोई ने पात्र विद्यार्थियों से समय रहते आवेदन करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि यह योजना अल्पसंख्यक समुदाय (मुस्लिम, सिख, जैन, ईसाई, बौद्ध एवं पारसी) के उन विद्यार्थियों के लिए है, जो जिला मुख्यालय स्थित राजकीय महाविद्यालयों में स्नातक अथवा स्नातकोत्तर (कला, विज्ञान, वाणिज्य) में अध्ययनरत हैं। योजना का लाभ केवल छात्रों (बालक) को दिया जाएगा, जो अपने निवास स्थान से दूर रहकर जिला मुख्यालय में पेइंग गेस्ट अथवा किराए के कमरे में रहकर पढ़ाई कर रहे हों। योजना के अंतर्गत पात्र विद्यार्थियों को आवास भत्ते के रूप में 2,000 रुपए प्रतिमाह, अधिकतम 10 माह तक डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से उनके बैंक खातों में प्रदान किए जाएंगे। इससे छात्रों को आवासीय खर्च में राहत मिलेगी और वे पढ़ाई पर अधिक ध्यान दे सकेंगे।

## आईआईटी मंडी में एमबीए में आवेदन आमंत्रित किए

**मंडी , एजेंसी।** भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी, देश के प्रमुख आईआईटी में से एक, अपने स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के माध्यम से 2026-28 बैच के लिए डेटा साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में एमबीए कार्यक्रम में आवेदन आमंत्रित करता है। अब पांचवां बैच शुरू होने जा रहा है, और यह कार्यक्रम तेजी से देश की अग्रणी प्रबंधन शिक्षा में से एक बन गया है, जो छात्रों को एआई-संचालित व्यवसायिक वातावरण में नेतृत्व करने के लिए तैयार करता है। प्रो. लक्ष्मिधर बेहेरा, निदेशक, आईआईटी मंडी, ने कहा-डेटा साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में एमबीए हमारे इस दृष्टिकोण को दर्शाता है कि हम भविष्य के व्यवसायिक नेताओं को डेटा और एआई की शक्ति का जिम्मेदारीपूर्वक और नवाचारी तरीके से उपयोग करने के लिए तैयार करें। आईआईटी मंडी तकनीक-संचालित प्रबंध

## ज्ञान-विज्ञान का अनूठा संगम लाला रामस्वरूप जी. डी. एंड संस पंचांग

**भोपाल।** संस्कार, शिक्षा सहित जीवन के महत्वपूर्ण पलों को शुभ फलदायी बनाते सटीक शुभमुहूर्त, तिथियों व नक्षत्रों की सटीक गणना। भविष्य का आईना दिखाते राशिफल। कुंडली मिलान, ग्रह नक्षत्र की दशा यानी पंचांग की बारीक से बारीक खूबी को समेटे लाला रामस्वरूप जी. डी. एंड संस पंचांग वर्ष 2026 और भी खूबियॉ लेकर आया है। इसमें आयकर विवरणी से जुड़ी अनेक जानकारी के साथ ही राशिफल के अनुसार पूरी दुनिया पर पढ़ने वाले प्रभावों की जानकारी एवं सटीक भविष्यवाणी जो सही सिद्ध हुई पंचांग में समाहित की गई है। अपनी इन्हीं खूबियों के चलते जबलपुर से प्रकाशित लाला रामस्वरूप जी. डी. एंड संस पंचांग हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी न सिर्फ भारत बल्कि विदेशों मे भी भारतीय परिवारों की पहली पसंद बना हुआ है । पंचांग में शासकीय ऐच्छिक अवकाश की एक-एक जानकारी दी गई है ।जिसकी मदद से आप पहले से ही परिवार सहित छुट्टियाँ प्लान कर सकते हैं ।

## कोक स्टूडियो भारत लाइव जनवरी 2026 में दिल्ली और गुवाहाटी में मचाएगा धूम

**मुंबई, एजेंसी।** कोका-कोला एक ऐतिहासिक सांस्कृतिक पल रचने के लिए तैयार है, जब इस जनवरी कोक स्टूडियो भारत लाइव पहली बार सार्वजनिक रूप से अपना भव्य आगाज़ करेगा। दिल्ली और गुवाहाटी के संगीत प्रेमियों को इस बार एक बिल्कुल नए फॉर्मेट का अनुभव मिलेगा, जहाँ संगीत, खान-पान और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का एक ऐसा बेमिसाल संगम होगा जो पहले कभी नहीं देखा गया। पहली बार, प्रशंसक कोक स्टूडियो भारत को अपनी स्क्रीन के दायरे से बाहर, असल ज़िंदगी में महसूस करेंगे। यह बड़े पैमाने पर आयोजित होने वाला एक ऐसा पब्लिक शोकेस है, जिसे विशेष रूप से संगीत के दीवानों के लिए बनाया गया है। भारत के युवाओं के जज़्बे को ध्यान में रखते हुए तैयार यह कॉन्सर्ट, कोक स्टूडियो भारत की जादुई दुनिया के दरवाजे सीधे दर्शकों के लिए खोलता है। अब वे उस साउंड और माहौल का हिस्सा बन सकेंगे जिससे वे लंबे समय से डिजिटल रूप से जुड़े थे, और अपने पसंदीदा कलाकारों के साथ एक ही छत के नीचे संगीत के इस उत्सव का आनंद ले सकेंगे। शांतनु गंगाने, आईएमएक्स (इंटीग्रेटेड मार्केटिंग एक्सपीरियंस) लीड, कोका-कोला आइएनएसडब्ल्यूए ने कहा, कोक स्टूडियो भारत अब एक सशक्त सांस्कृतिक मंच बन चुका है, जहाँ कोका-कोला के माध्यम से दर्शक और कलाकार संगीत और कहानियों के अपने साझा जुनून के साथ जुड़ते हैं।

## खुल गया ग्रे मार्केट का सबसे चर्चित आईपीओ, जीएमपी पहुंचा 130 रुपये

**नई दिल्ली, एजेंसी।** 26 दिसंबर से प्राइमरी मार्केट में ई टू ई ट्रांसपोर्टेशन इंफ्रास्ट्रक्चर आईपीओ खुल गया है। कंपनी का आईपीओ 26 दिसंबर से 30 दिसंबर तक ओपन रहेगा। इस एसएमई सेगमेंट के आईपीओ पर दांव लगाने की सोच रहे निवेशकों के लिए अच्छी बात यह है कि कंपनी ग्रे मार्केट में शानदार प्रदर्शन कर रही है। जिससे मजबूत लिस्टिंग के अभी से संकेत मिलने लगे हैं। ई टू ई ट्रांसपोर्टेशन इंफ्रास्ट्रक्चर आईपीओ का प्राइस बैंड 164 रुपये से 174 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने 800 शेयरों का एक लॉट बनाया है। किसी भी रिटेल निवेशक को कम से कम 1600 शेयरों पर दांव लगाना होगा। जिसकी वजह से 278400 रुपये का कम से कम इंवेस्टमेंट करना होगा। आईपीओ से पहले कंपनी का मार्केट कैप 300.28 करोड़ रुपये का रहा है। आईपीओ एंकर निवेशकों से 23.97 करोड़ रुपये जुटाने में सफल रहा है। एंकर निवेशकों के लिए आईपीओ 24 दिसंबर को ओपन हुआ था। ई टू ई ट्रांसपोर्टेशन इंफ्रास्टक्चर आईपीओ का इश्यू साइज 84.22 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए 48 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी। बता दें, इसकी लिस्टिंग एनएसई एसएमई में प्रस्तावित होगी। कंपनी का आईपीओ 130 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है।

# रूस के रूबल चमत्कार, प्रतिबंधों में भी अमेरिकी डॉलर को चटाई धूल

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
रूसी करंसी रूबल ने इस साल डॉलर के मुकाबले सबसे शानदार प्रदर्शन किया है। जनवरी से 45 प्रतिशत की तेजी आई है, जो रूसी अधिकारियों के अनुमान से कहीं ज्यादा है। इससे युद्ध प्रभावित अर्थव्यवस्था को चुनौतियां मिल रही हैं।

रूबल अब डॉलर के मुकाबले 78 के आसपास कारोबार कर रहा है, जो यूक्रेन पर रूस के हमले से पहले के स्तर जैसा है। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों से रूसी लोग विदेशी मुद्रा कम खरीद रहे हैं। ऊंची ब्याज दरों ने स्थानीय निवेशकों को रूबल में आकर्षित किया है।

### ब्याज दरों का असर

केंद्रीय बैंक ने पिछले साल अक्टूबर से इस साल जून तक ब्याज दरें बहुत ऊंची रखीं, फिर 5 अंक घटाकर 16 प्रतिशत कर दीं। सरकार ने सालाना औसत 91.2 रूबल प्रति डॉलर का अनुमान लगाया था, लेकिन वास्तविकता इससे बेहतर रही।

**प्रतिबंधों के बावजूद रूबल मजबूत:** तेल कीमतों में गिरावट और अमेरिका-यूरोप के नए प्रतिबंधों के बावजूद रूबल मजबूत बना रहा। अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभावयह ताकत निर्यात आय को कम कर रही है, क्योंकि डॉलर से रूबल में कनवर्ट करने पर मूल्य घट जाता है। रूस का केंद्रीय बैंक नेशनल वेलबीइंग फंड से युआन और सोना बेचकर मुद्रा को सहारा दे रहा है। इससे ऊर्जा राजस्व में 22 प्रतिशत की गिरावट का असर कम हो रहा है, जो 2023 के पहले 11 महीनों का आंकड़ा है।

### वैश्विक प्रदर्शन और महंगाई नियंत्रण

रूबल दुनिया के टॉप-5 परफॉर्मिंग एसेट्स में शामिल हो गया है, जिसमें प्लेटिनम, सिल्वर, पैलेडियम और सोना जैसे कीमती धातुएं हैं। केंद्रीय बैंक की गवर्नर एलविरा नाबुलिना का कहना है कि यह ताकत महंगाई रोकने में मददगार है और इसके सकारात्मक प्रभाव अभी चरम पर नहीं पहुंचे।

## सात्विक ग्रीन एनर्जी लिमिटेड को एमएसईडीसीएल से 16.74 करोड़ का सोलर पंप ऑर्डर

**मुंबई, एजेंसी।**
भारत की सबसे तेजी से बढ़ती नवीकरणीय ऊर्जा कंपनियों में से एक, सात्विक ग्रीन एनर्जी लिमिटेड को महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एमएसईडीसीएल) से एक अतिरिक्त ऑर्डर प्राप्त हुआ है। यह ऑर्डर महाराष्ट्र के चिह्नित किसान स्थलों पर ऑफ-ग्रिड डीसी सोलर फोटोवोल्टिक वाटर पंपिंग सिस्टम के डिजाइन, निर्माण, आपूर्ति, परिवहन, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग के लिए है।

यह अतिरिक्त ऑर्डर 'मागेल त्याला सौर कृषी पंप योजना' / 'पीएम-कुसुम-बी' योजना के तहत दिया गया है। इसमें 3 एचपी, 5 एचपी और 7.5 एचपी क्षमता के 1,000 सोलर वॉटर पंपों की आपूर्ति शामिल है, जिसका अनुमानित मूल्य 16.74 करोड़ (जीएसटी के बिना) है। इस नए ऑर्डर के साथ, एमएसईडीसीएल से प्राप्त कुल ऑर्डर का आकार अब 1,815 सोलर वॉटर पंप हो गया है, जिसका कुल मूल्य लगभग 30.24 करोड़ (जीएसटी के बिना) है। अनुबंध के तहत सात्विक ग्रीन एनर्जी लिमिटेड सिस्टम वारंटी, मरम्मत और रखरखाव सेवाएं प्रदान करेगी। किसानों के लिए दीर्घकालिक प्रदर्शन और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने हेतु 5 साल के लिए रिमोट मॉनिटरिंग सिस्टम भी उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही संबंधित सर्कल कार्यालय द्वारा 'नोटिस टू प्रोसीड' (एनटीपी) या वर्क ऑर्डर जारी होने की तारीख से 60 दिनों के भीतर सिस्टम की स्थापना और कमीशनिंग पूरी की जाएगी। विकास पर टिप्पणी करते हुए, सात्विक ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के सीईओ प्रशांत माथुर ने कहा, एमएसईडीसीएल से यह अतिरिक्त ऑर्डर मिलना हमारे सोलर पंप व्यवसाय की बढ़ती गति को दर्शाता है और सात्विक की कार्यक्षमता में निरंतर विश्वास को उजागर करता है।

# जेएसडब्ल्यू ग्रुप ने मानव संसाधन विभाग में नेतृत्व को किया मजबूत

**मुंबई, एजेंसी।** एक लचीले और भविष्य के लिए तैयार संगठन के निर्माण के अपने निरंतर प्रयास के तहत, भारत के प्रमुख विविध समूहों में से एक, जेएसडब्ल्यू ग्रुप ने अपने मानव संसाधन (एचआर) विभाग की नेतृत्व टीम को और मजबूत किया है।

ग्रुप ने संदीप बत्रा को स्टील और कॉर्पोरेट का अध्यक्ष और मुख्य मानव संसाधन अधिकारी (सीएचआरओ) नियुक्त किया है।

संदीप जेएसडब्ल्यू स्टील और कॉर्पोरेट कार्यों के लिए कर्मचारियों, टैलेंट और संस्कृति के एजेंडे का नेतृत्व करेंगे। उनका मुख्य ध्यान संगठनात्मक प्रभावशीलता, नेतृत्व क्षमता, प्रतिभा प्रबंधन और भविष्य के लिए तैयार संगठन बनाने पर होगा।

संदीप के पास आईटी, कंज्यूमर, टेलीकॉम, रिटेल, इंफ्रास्ट्रक्चर और एविएशन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभा प्रबंधन, संगठन डिजाइन और उत्पादकता बढ़ाने का तीन दशकों से अधिक का अनुभव है। जेएसडब्ल्यू ग्रुप से जुड़ने से पहले, उन्होंने 'अदानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड' में मुख्य कार्मिक अधिकारी (सीपीओ) के रूप में कार्य किया। उनकी पिछली भूमिकाओं में लैंडमार्क ग्रुप और वोडाफोन इंडिया में नेतृत्व के पद शामिल हैं।

उन्होंने भारतीय सेना में एक कमीशन अधिकारी के रूप में भी अपनी सेवाएं दी हैं।

जेएसडब्ल्यू ने शिल्पी लाल शर्मा को ग्रुप हेड ङ्क टैलेंट, लर्निंग एंड डेवलपमेंट और डीईआई (विविधता, समानता और समावेश) के रूप में भी नियुक्त किया है। वह सभी व्यवसायों में ग्रुप के लर्निंग आर्किटेक्चर, नेतृत्व विकास, उत्तराधिकार योजना, संगठनात्मक विकास और समावेश एजेंडे को चलाने के लिए जिम्मेदार होंगी। वह सीएचआरओ संदीप बत्रा को रिपोर्ट करेंगी। शिल्पी के पास टैलेंट मैनेजमेंट, लर्निंग और डेवलपमेंट में 20 से अधिक वर्षों का अनुभव है, जिसमें 15 साल से अधिक का समय वरिष्ठ नेतृत्व भूमिकाओं में बीता है। वह वेल्सपन ग्रुप से जेएसडब्ल्यू ग्रुप में शामिल हुई हैं।

# भारत में एआई से नौकरियों पर खतरा कम

## इंफोसिस एंट्री लेवल पर 21 लाख का पैकेज देगी

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
आईटी सेक्टर में नए इंजीनियरों के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। सॉफ्टवेयर दिग्गज इंफोसिस ने एंट्री लेवल के वेतन में बड़ा उछाल देते हुए विशेष तकनीकी भूमिकाओं के लिए 21 लाख सालाना तक का पैकेज देने करने का फैसला किया है। खबरों के मुताबिक, कंपनी एआई-प्रथम की रणनीति पर तेजी से आगे बढ़ रही है। कंपनी अब डिजिटल क्षेत्र के कौशल को आकर्षित करने के लिए खुलकर दांव खेल रही है। इससे न सिर्फ फ्रेशर्स का मनोबल बढ़ा है, बल्कि पूरे आईटी क्षेत्र में हलचल मच गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अब इन्फोसिस इन तकनीकी कौशल वाले पदों के लिए सालाना सात लाख रुपये से लेकर 21 लाख रुपये तक का पैकेज देने की तैयारी में है। यह वेतन भारत की आईटी कंपनियों में सबसे ज्यादा एंट्री लेवल का वेतन है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इन्फोसिस 2025 के इंजीनियरिंग और कंप्यूटर विज्ञान

स्नातकों के लिए कैंपस से बाहर हायरिंग ड्राइव शुरू करेगी ताकि खास लोगों की जरूरत पूरी हो सके। जिन दों के लिए भर्ती हो रही है, उनमें स्पेशलिस्ट प्रोग्रामर और डिजिटल स्पेशलिस्ट इंजीनियर (ट्रेनी) शामिल हैं। ये पोजीशन बीई, बीटेक, एमई, एमटेक, एमसीए और कंप्यूटर साइंस, आईटी और कुछ सर्किट ब्रांच के लिए खुली हैं।

**एआई से नौकरियों पर खतरा कम:** सूचना प्रौद्योगिकी सचिव एस कृष्णन ने कहा है कि कृत्रिम मेधा के कारण ज्ञान-आधारित नौकरियों के प्रभावित होने का जोखिम पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले भारत में कम है। कुल कार्यबल में दफ्तर वाली नौकरियों की अपेक्षाकृत कम हिस्सेदारी और विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग एवं गणित (स्टेम) आधारित रोजगारों का वर्चस्व होने के कारण ऐसा है।

कृष्णन ने कहा कि रोजगार पर एआई के संभावित प्रभावों को लेकर जो आशंकाएं जताई जा रही हैं, भारत के संदर्भ में उन्हें उसी तीव्रता से नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में दफ्तर वाली नौकरियों का अनुपात पश्चिमी देशों की तुलना में काफी कम है, जिससे दिमाग से किए जाने वाले कार्यों पर आधारित नौकरियों पर एआई से पड़ने वाला जोखिम सीमित रहता है।

# सुकन्या, पीपीएफ समेत सभी छोटी बचत योजनाओं पर राहत जारी रहने के आसार

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
केंद्र सरकार जल्द ही डाकघर समेत छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरों की समीक्षा करने जा रही है। चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के लिए नई ब्याज दरों का ऐलान 31 दिसंबर के आसपास किया जाएगा। विशेषज्ञों का अनुमान है कि इस साल रेपो दर में 1.25 फीसदी की कटौती किए जाने के बावजूद सरकार इस बार भी ब्याज दरों को यथावत रख सकती है। बीती सात तिमाहियों से ब्याज दरें स्थिर बनी हुई हैं।

वर्तमान में सरकार डाकघर बचत, पीपीएफ, सुकन्या, वरिष्ठ नागरिक, राष्ट्रीय बचत पत्र समेत कुल 12 तरह की छोटी बचत योजनाएं चला रही है। इनके जरिए निवेशकों को लंबी अवधि में ज्यादा मुनाफा देने के लिए सरकार हर तीन माह में ब्याज दरों की समीक्षा करने के बाद उन्हें संशोधित करती है। हाल के रुझानों को देखते हुए पिछली सात तिमाहियों से इन दरों में कोई बदलाव

नहीं किया गया है। इसके तहत पीपीएफ की ब्याज दर 7.1 प्रतिशत, राष्ट्रीय बचत पत्र की 7.7 प्रतिशत और सुकन्या समृद्धि योजना की 8.2 प्रतिशत बनी हुई है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इस साल अब तक रेपो रेट में 1.25 फीसदी की कटौती है। सबसे पहले फरवरी और अप्रैल में 25-25 आधार अंक और जून में 50 बेसिस प्वाइंट की कटौती की गई। इसके बाद दिसंबर में 25 आधार अंकों की एक और कटौती की। इसे देखते हुए कई प्रमुख बैंकों ने बचत खाते और एफडी की ब्याज दरों में पहले ही कटौती लागू कर दी है।

### क्या कहते हैं विशेषज्ञ

आरबीआई की कटौती के बाद रेपो दर 5.25 प्रतिशत पर पहुंच गई है। यह कटौती कम मुद्रास्फीति और मजबूत आर्थिक विकास के बीच की गई है, जिसका उद्देश्य अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन देना है। हालांकि, आरबीआई की इन कटौतियों के बावजूद, छोटी बचत योजनाओं की दरों में बदलाव की संभावना कम लगती है। विशेषज्ञों का आकलन है कि सरकार इन दरों को स्थिर रख सकती है।

## मॉडर्न डायग्नोस्टिक एंड रिसर्च सेंटर लिमिटेड का आईपीओ खुलेगा 31 दिसंबर को

**मुंबई।** भारत में डायग्नोस्टिक एवं संबंधित हेल्थकेयर परीक्षण सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी मॉडर्न डायग्नोस्टिक एंड रिसर्च सेंटर लिमिटेड (मॉडर्न डायग्नोस्टिक / कंपनी) 31 दिसंबर 2025 को अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) खोलने जा रही है। कंपनी इस आईपीओ के जरिए 40,99,200 इक्विटी शेयरों के फ्रेश इश्यू के माध्यम से 36.89 करोड़ (ऊपरी मूल्य बैंड पर) जुटाने का लक्ष्य रखती है। यह इश्यू बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होगा।इस इश्यू का कुल आकार 10 अंकित मूल्य वाले 40,99,200 इक्विटी शेयर हैं, जिनका प्राइस बैंड 85 से 90 प्रति शेयर तय किया गया है। आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग डायग्नोस्टिक सेंटर एवं प्रयोगशालाओं के लिए चिकित्सीय उपकरणों की खरीद हेतु पूंजीगत व्यय, कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं, कंपनी द्वारा लिए गए कुछ बकाया ऋणों के पुनर्भुगतान तथा सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। एंकर पोर्शन मंगलवार, 30 दिसंबर 2025 को खुलेगा, जबकि मुख्य इश्यू बुधवार, 31 दिसंबर 2025 को खुलेगा और शुक्रवार, 02 जनवरी 2026 को बंद होगा।

इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर बीलाइन कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड हैं और रजिस्ट्रार टू द इश्यू एमयूएफजी इंटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड है। मॉडर्न डायग्नोस्टिक एंड रिसर्च सेंटर लिमिटेड के चेयरमैन कम मैनेजिंग डायरेक्टर, डॉ. देवेंद्र सिंह यादव ने कहा, कंपनी के इक्विटी शेयरों की लिस्टिंग हमारे विस्तार के अगले चरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। स्थापना के बाद से ही कंपनी ने डायग्नोस्टिक सेवाओं में सटीकता, समयबद्धता और सुलभता पर जोर दिया है, जिससे चिकित्सकों को सहयोग और मरीजों की देखभाल के परिणामों में सुधार हो सके।

## डिफेंस स्टॉक में कमजोर माहौल में भी जमकर हो रही खरीदारी

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
शेयर बाजार में तीन डिफेंस कंपनियों के शेयरों की कीमतों में 52 वीक हाई से भारी गिरावट देखने को मिली है। यह तीनों डिफेंस कंपनियां मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स, कोचिन शिपयार्ड और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स हैं। लेकिन आज का दिन इन कंपनियों के लिए शानदार दिखाई दे रहा है। मंझगांव डॉक शिपबिल्डर्स के शेयरों में शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 3 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। कोचिन शिपयार्ड और गार्डन रीच के शेयरों में भी उछाल देखने को मिला है।

यह डिफेंस स्टॉक आज बीएसई में 2532.80 रुपये के लेवल पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयर 3 प्रतिशत की उछाल के साथ 2618.35 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गए। इस कंपनी का 52 वीक हाई 3778 रुपये है। तब से गुरुवार की क्लोजिंग तक यह स्टॉक 35 प्रतिशत टूट चुका है। बता दें, इस साल अबतक

कंपनी के शेयरों की कीमतों में 16 प्रतिशत की तेजी आई है।

डिफेंस स्टॉक का 52 वीक हाई 2547.25 रुपये है। इस डिफेंस कंपनी के शेयरों की कीमतों में गुरुवार की क्लोजिंग तक 35 प्रतिशत की गिरावट आई है। बीएसई में कंपनी का शेयर 1649.30 रुपये के लेवल पर ओपन हुआ था। 3 प्रतिशत की तेजी के साथ यह डिफेंस स्टॉक 1643.85 रुपये के इंट्रा-डे हाई तक पहुंच गया। बता दें, इस साल अबतक इस डिफेंस कंपनी के शेयरों की कीमतों में 7.75 प्रतिशत की तेजी आई है। मल्टीबैगर डिफेंस स्टॉक 2450.10 रुपये के स्तर पर खुला था। डिफेंस कंपनी का शेयर दिन में 2 प्रतिशत की तेजी के साथ 2505 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया था।

## रेल कंपनियों के शेयरों में तेजी का तूफान 13 प्रतिशत तक उछल गए शेयरों के दाम

**नई दिल्ली, एजेंसी।** रेल कंपनियों के शेयरों में शुक्रवार को तूफानी तेजी आई है। रेल कंपनियों के शेयर शुक्रवार को 13 पर्सेंट तक उछल गए हैं। रेल विकास निगम लिमिटेड , रेलटेल कॉरपोरेशन, आईआरएफसी और दूसरे रेलवे ङ्क स्टॉक में लगातार पांचवें दिन तेजी देखने को मिल रही है। रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयर शुक्रवार को 13 पर्सेंट से अधिक उछलकर 391.40 रुपये पर पहुंच गए हैं। इस साल मई के बाद से रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयरों में आया एक दिन का यह सबसे बड़ा उछाल है। केएंडआर रेल इंजीनियरिंग के शेयरों में भी शुक्रवार को 13 पर्सेंट की तेजी आई है।नवरत्न प्रतिशत कंपनी रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयरों में पिछले 5 दिन में तूफानी तेजी आई है। रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयर पिछले 5 दिन में 25 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। रेल कंपनी के शेयर इस अवधि में 311.05 रुपये से बढ़कर 391.40 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले पांच साल में रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयरों में 1595 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है। नवरत्न कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 501.55 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 295.25 रुपये है।

नवरत्न कंपनी रेलटेल कॉरपोरेशन के शेयर शुक्रवार को बीएसई में 9 पर्सेंट से अधिक उछलकर 391 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पिछले 5 दिन में रेलटेल कॉरपोरेशन के शेयरों में 18 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है। रेलटेल कॉरपोरेशन के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 478.80 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 265.30 रुपये है। इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन के शेयर शुक्रवार को 8 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 132.35 रुपये पर पहुंच गए हैं। रेल कंपनी इरकॉन इंटरनेशनल के शेयरों में 8 पर्सेंट की तेजी आई है।

# फिल्म धुरंधर ने बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की

फिल्म निर्माता आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म धुरंधर ने दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर।,000 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म निर्माताओं ने यह जानकारी साझा की। फिल्म में रणवीर सिंह के साथ संजय दत्त, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन, आर माधवन और राकेश बेदी जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्माण आदित्य धर और उनके भाई लोकेश धर ने अपने बैनर बी62 स्टूडियोज और जियो स्टूडियोज की ...योति देशपांडे के साथ मिलकर किया है।फिल्म निर्माताओं ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर बॉक्स ऑफिस के आंकड़े साझा करते हुए लिखा, पूरे गर्व के साथ।,000 करोड़ के क्लब में प्रवेश। अपनी टिकटें बुक करें। दुनिया भर में धुरंधर का जादू बरकरार है। फिल्म ने विश्व स्तर पर अब तक कुल।,006.7 करोड़ रुपए की शानदार कमाई की है। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर इसने 789.8 करोड़ रुपए बटोरे हैं। यह फिल्म अपराधियों, मुखबिरों और जासूसों के एक नेटवर्क के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म की कहानी इन किरदारों के एक-दूसरे से जुड़ते जीवन, गुप्त अभियानों, जासूसी और विश्वासघात के ताने-बाने को दर्शाती है। यह फिल्म पांच दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म निर्माताओं ने इसके दूसरे भाग की भी पुष्टि कर दी है जो 19 मार्च 2026 को रिलीज होगा।

# सहर बंबा

## ने साझा किए बीते 25 सालों में पांच सबसे यादगार पल

सिनेमा की दुनिया में जब भी किसी कलाकार के नाम का जिक्र होता है, तो दर्शक उन्हें उनके सफर और अनुभवों से याद करते हैं। इस कड़ी में फिल्म 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' की एक्ट्रेस सहर बंबा ने बताया कि 2000 से 2025 तक उनके जीवन के पांच सबसे यादगार पल कौन-कौन से रहे। सहर ने कहा कि सबसे यादगार पलों की शुरुआत उस दिन से होती है जब उन्होंने फिल्म 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के ट्रेलर लॉन्च पर शाहरुख खान के साथ स्टेज साझा किया और उनके साथ डांस किया। सहर ने कहा, 'यह सिर्फ एक फैन मोमेंट नहीं था, बल्कि एक जरिया था यह याद दिलाने का कि मुझे सिनेमा से प्यार क्यों हुआ था। यह पल मेरे लिए सपना सच होने जैसा था, जिसे मैं कभी नहीं भूल सकती।' दूसरे सबसे यादगार पल के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, 'मेरे लिए दूसरा सबसे यादगार पल वह था जब मुझे आर्यन खान ने खुद कॉल करके बताया कि वह शो का हिस्सा बन गई हैं। इस कॉल ने मेरी जिंदगी बदल दी। मुझे उस वक्त एहसास हुआ कि मैं किसी बड़े प्रोजेक्ट के लिए चुनी गई हूं। 'सहर ने बताया, ''तीसरा यादगार पल था, जब मैंने पहली बार लीड एक्ट्रेस के तौर पर सेट पर कदम रखा। उस समय मुझे कोई बाहरीपन महसूस नहीं हुआ, ऐसा लगा जैसे मेरा सेट से कोई खास जुड़ाव हैं। मैं कहानी को पूरी तरह से निभाने और पेशेवर रूप से काम करने के लिए तैयार थी। यह एहसास मेरे आत्मविश्वास और पेशेवर दृष्टिकोण के लिए बहुत महत्वपूर्ण था।'' चौथे सबसे खास पल की बात करते हुए उन्होंने कहा,'चौथा खास पल परिवार से जुड़ा हुआ है। अपने परिवार का अपने ऊपर गर्व देखकर मैं इमोशनल हो गई थी। जब परिवार के सदस्यों ने मेरी मेहनत और सफर को देखा, तो वह मुझ पर गर्वित हुए। मेरा परिवार हमेशा सबसे बड़ा सहारा और प्रेरणा रहा है। 'पांचवां और आखिरी महत्वपूर्ण पल था सहर के लिए एक कलाकार के रूप में अपनी पहचान पाना। उन्होंने कहा, 'मैंने एक कलाकार के रूप में अपनी पहचान मजबूत की है।

# 'पेड्डी' अपडेटः दिल्ली शूट का अहम शेड्यूल हुआ रैप, सेट से मेकर्स ने जारी किया नया पोस्ट

पेड्डी 2026 की सबसे बड़ी पैन-इंडिया फिल्मों में से एक मानी जा रही है, जिसमें ग्लोबल स्टार राम चरण लीड रोल में नजर आएंगे और उनके साथ बेहद प्रतिभाशाली जाह्नवी कपूर दिखाई देंगी। फिल्म के मेकर्स लगातार अपडेट्स के जरिए दर्शकों की उत्सुकता बनाए हुए हैं। टीज़र रिलीज और 'चिकिरी चिकिरि' गाने के लॉन्च के बाद तो हर तरफ इसकी धुनों पर लोग झूमते नजर आ रहे हैं, जिससे फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट और भी बढ़ गया है। बढ़ती उत्सुकता के बीच पेड्डी के मेकर्स ने फिल्म के सेट से एक नया अपडेट दिया है। टीम ने दिल्ली में चल रहे शूट से निर्देशक बुच्ची बाबू सना और डीओपी आर. रत्नवेलु की एक तस्वीर शेयर की है। साथ ही बताया गया कि दिल्ली में फिल्म का एक अहम शेड्यूल पूरा हो चुका है, जहां खूबसूरत विजुअल्स के साथ कुछ जबरदस्त सीन शूट किए गए हैं। तस्वीरें साझा करते हुए मेकर्स ने लिखा, 'पेड्डी ने दिल्ली में अपना एक अहम शेड्यूल पूरा कर लिया है, जहां बेहद खूबसूरत और असरदार विजुअल्स फिल्माए गए इस शेड्यूल में कुछ शानदार सीक्वेंस शूट किए गए पेड्डी 27 मार्च 2026 को वर्ल्डवाइड रिलीज होगी। '

**मेगा पावर स्टार** @AlwaysRamCharan @NimmaShivanna #JanhviKapoor @BuchiBabuSana @arrahman @RathnaveluDop @artkolla @NavinNooli @IamJagguBhai @divyenndu @vriddhicinemas @VenkataSKilaru @MythriOfficial @SukumarWritings @ivyofficialw®wx @PeddiMovieOffl @Tseries '

पेड्डी का गाना 'चिकिरी चिकिरी' फिल्म का सबसे बड़ा चार्टबस्टर बनकर सामने आया है और इससे फिल्म को लेकर चर्चा और तेज हो गई है। जापान, यूएई समेत कई देशों में लोगों ने इस गाने के आइकॉनिक स्टेप को दोहराया है। गाने को अब तक 100 मिलियन से ज्यादा व्यूज़ मिल चुके हैं, जिससे यह एक ग्लोबल सेंसेशन बन गया है। राम चरण, जाह्नवी कपूर, जगपति बाबू, शिवा राजकुमार और दिव्येंदु शर्मा जैसे सितारों से सजी पेड्डी का निर्देशन बुच्ची बाबू सना कर रहे हैं। यह फिल्म 27 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

# शुभांगी अत्रे

## ने बताया आखिर क्यों टूटी उनकी 19 साल पुरानी शादी, छलका दर्द

शुभांगी अत्रे टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस में से एक हैं। वैसे तो उन्होंने अपने करियर में कई शोज में काम किया है। लेकिन, उन्हें सबसे ज्यादा पॉपुलैरिटी भाबीजी घर पर हैं में अंगूरी भाभी के कैरेक्टर से मिली। शुभांगी अत्रे ने हाल ही में भाबीजी घर पर हैं शो को अलविदा कहा है, जिसके बाद से वो लगातार सुर्खियों में छाई हुई हैं। इन दिनों एक्ट्रेस खूब इंटरव्यू दे रही हैं। शुभांगी अत्रे ने भाबीजी घर पर हैं में 9 साल तक काम किया। उन्हें इस शो में काफी पसंद किया गया। लेकिन, अब वो अपने करियर में कुछ अलग करना चाहती हैं, जिसकी तैयारी भी शुरू कर दी है। शुभांगी अत्रे ने हाल ही में अपने दिवंगत एक्स पति पीयूष पूरे संग 19 साल बाद हुए तलाक के बारे में खुलकर बात की. मालूम हो एक्ट्रेस के लिए ये रिश्ता तोड़ना आसान नहीं था क्योंकि उन्होंने इसे बचाने की पूरी कोशिश की थी।

# करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन ने फिल्म दायरा की शूटिंग पूरी की

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन ने अपराध कथा पर आधारित अपनी आगामी फिल्म दायरा की शूटिंग पूरी कर ली है। इस फिल्म का निर्देशन मेघना गुलजार ने किया है। उन्हें आलिया भट्ट अभिनीत राजी और विक्की कौशल के अभिनय से सजी फिल्म सैम बहादुर के लिए जाना जाता है। पृथ्वीराज सुकुमारन ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा कर शूटिंग पूरी होने की जानकारी दी। तस्वीर में उनके साथ करीना कपूर खान और निर्देशक मेघना गुलजार नजर आ रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, दायरा की शूटिंग पूरी हुई। सेट पर जिस कहानी को हमने जिया है वह जल्द ही दर्शकों के सामने आएगी। मैं इस सफर के लिए आभारी हूं और आप इसे 2026 में सिनेमाघरों में देखें, मुझे इसका बेसब्री से इंतजार है। अधिकारिक जानकारी के अनुसार, दायरा अपराध कथा पर आधारित रोमांचक फिल्म है। यह फिल्म अपराध, सजा और न्याय के अंतर्विरोधों की पड़ताल करती है। फिल्म की शूटिंग सितंबर में शुरू हुई थी। उस समय मेघना गुलजार ने सेट का एक वीडियो साझा कर लिखा था, धुंधली होती और लांघी गई रेखाओं की यात्रा... हम शुरू करने जा हैं।

# साल 2025 के टॉप गाने

### जिन पर जमकर थिरके लोग

## हर डांस फ्लोर की जान बन गया

इस साल 'फस्ला' गाने में अक्षय खन्ना का बेपरवाह अंदाज और 'उई अम्मा' की जबरदस्त बीट्स ने युवाओं को अपना दीवाना बना लिया है। ये वो ट्रैक हैं, जिन्हें बजते ही माहौल एकदम सेट हो जाता है और पैर अपने आप थिरकने लगते हैं। चाहे वो पुराने क्लासिक्स का नया तड़का हो या एकदम फ्रेश म्यूजिक, इन गानों ने साबित कर दिया कि असली एंटरटेनमेंट वही है, जो आपको झूमने पर मजबूर कर दे। आइए नजर डालते हैं इस साल के उन टॉप गानों पर जो इस बार हर पार्टी की पहली पसंद रहे। इस साल शादियों का सीजन हो या क्लब पार्टीज, कुछ गानों ने ऐसा जादू चलाया कि लोग खुद को थिरकने से रोक नहीं पाए. 'फस्ला' से लेकर 'उई अम्मा' जैसे गानों ने न केवल चार्टबस्टर्स में अपनी जगह बनाई, बल्कि हर डांस फ्लोर की जान बन गए। सोशल मीडिया पर इन गानों के हुक स्टेप्स ने ऐसी धूम मचाई कि इंस्टाग्राम रील्स से लेकर यूट्यूब तक, हर तरफ बस इन्हीं का शोर रहा।

**नशाः** अजय देवगन, वाणी कपूर और रितेश देशमुख की फिल्म 'रेड 2' का गाना 'नशा' साल का शानदार आइटम सॉन्ग रहा. जैस्मिन संदलस, सचेत टंडन, दिव्या कुमार और सुमोंतो मुखर्जी के आवाज और म्यूजिक के साथ तमन्ना भाटिया की बोल्ड मूव्स ने इसे क्लब और बैचलर पार्टी का फेवरेट बना दिया. गाने के बोल जानी ने लिखे हैं।

**उई अम्माः** फिल्म 'आजाद' का 'उई अम्मा' सरप्राइज पार्टी एंथम रहा। सिंगर मधुबंती बागची की दमदार आवाज, अमित त्रिवेदी का संगीत और अमिताभ भट्टाचार्य के लिरिक्स ने गाने में जान डाल दी. राशा थडानी और अमान देवगन की स्क्रीन प्रेजेंस ने इसे और भी शानदार बना दिया. 'आजाद' फिल्म भले ही बॉक्स ऑफिस पर असफल रही लेकिन यह गाना सफल रहा।

**फस्लाः** शुरुआत करते हैं हालिया रिलीज फिल्म 'धुरंधर' के 'फस्ला' गाने से अक्षय खन्ना ने इस अरबी रैप स्टाइल गाने में कूल और बेफिक्र डांस किया, जो सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। यह गाना पार्टी में वाइब सेट करने के लिए परफेक्ट है। बहरीन के रैपर और हिप-हॉप आर्टिस्ट फ्लिपराची ने इस गाने को गाया है, अरबी हिप-हॉप ट्रैक है। इस गाने का क्रेज लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है।

**लाल परीः** अक्षय कुमार की 'हाउसफुल 5' से 'लाल परी' साल के सबसे एनर्जेटिक और मजेदार गाने में से एक रहा. गायक यो यो हनी सिंह, सिमर कौर ने इसे गाया, जबकि यो यो हनी सिंह ने ही कंपोज किया है. एक्टर्स की एनर्जी और ग्रूवी स्टेप्स ने इसे पार्टी स्टार्टर बना दिया।

**बिजुरियाः** वरुण धवन और जाह्नवी कपूर की फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' से 'बिजुरिया' गाने ने सबको थिरकाया. तनिष्क बागची ने रवि पवार की ओरिजिनल धुन को रीक्रिएट किया, सोनू निगम, अशीश कौर, तनिष्क बागची और रवि पवार ने इसे आवाज दी। डांस और कैची हुक से भरा यह ट्रैक पुरानी यादों को ताजा करता है. वरुण और जाह्नवी पर फिल्माया गया, यह वेडिंग्स और क्लब्स का फेवरेट बना।

**आवां जावांः** ऋतिक रोशन और कियारा अडवाणी की 'वॉर 2' से 'आवां जावां' गाने ने रोमांटिक पार्टी सॉन्ग की लिस्ट में जगह बनाया. अरिजीत सिंह और निकिता गांधी की आवाज, प्रीतम के म्यूजिक और अमिताभ भट्टाचार्य के लिरिक्स के साथ ऋतिक-कियारा की केमिस्ट्री और रोमांस से भरा यह गाना खूब पसंद किया गया।

# जाह्नवी कपूर

## बांग्लादेश में हिंदू युवक की लिचिंग पर भड़कीं घटना को बर्बर और नरसंहार बताया

बांग्लादेश में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की हत्या पर एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए इसे नरसंहार बताया है। जाह्नवी ने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी रूप में मौजूद चरमपंथ का कड़ा विरोध किया जाना चाहिए।जाह्नवी ने इंस्टाग्राम स्टोरी में दीपू चंद्र दास टाइटल के साथ एक नोट पोस्ट किया। उन्होंने लिखा- 'बांग्लादेश में जो हो रहा है वह बर्बरतापूर्ण है। यह नरसंहार है और यह कोई अकेली घटना नहीं है। अगर आपको इस अमानवीय सार्वजनिक लिंचिंग के बारे में नहीं पता है, तो इसके बारे में पढ़ें, वीडियो देखें, सवाल पूछें और अगर इन सब के बावजूद आपको गुस्सा नहीं आता, तो ठीक इसी तरह का पाखंड हमें पता चलने के पहले तबाह कर देगा।' वो आगे लिखती हैं- 'हम दुनिया के दूसरे छोर पर हो रही चीजों के बारे में रोते रहेंगे, जबकि हमारे अपने भाई-बहनों को जिंदा जला दिया जाएगा।' किसी भी रूप में मौजूद चरमपंथ की निंदा और आलोचना करना जरूरी है, इससे पहले कि हम अपनी इंसानियत को भूल जाएं। जाह्नवी के अलावा और भी कई बॉलीवुड सेलेब्स ने इस लिंचिंग की निंदा की है।

(साभार एजेंसी)

● 14 साल के वैभव सूर्यवंशी को सीधे टीम इंडिया में शामिल करने की उठी मांग, विजय हजारे में मचाया कोहराम

# 'अगला सचिन मिल गया!'

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पूर्व भारतीय कप्तान और दिग्गज चयनकर्ता कृष्णमाचारी श्रीकांत ने बीसीसीआई से एक बड़ी सिफारिश की है। उन्होंने युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी की तुलना महान सचिन तेंदुलकर से करते हुए उन्हें जल्द से जल्द सीनियर टीम में शामिल करने की वकालत की है। श्रीकांत का मानना है कि जिस तरह सचिन तेंदुलकर ने मात्र 16 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट में कदम रखा था और दुनिया पर छा गए थे, ठीक उसी तरह वैभव सूर्यवंशी में भी वह असाधारण प्रतिभा, धैर्य और तकनीक मौजूद है। श्रीकांत के अनुसार, वैभव ने यह साबित कर दिया है कि वह बड़ी उम्र के खिलाड़ियों के खिलाफ भी सहजता से खेल सकते हैं और उनमें उच्च स्तर के क्रिकेट के साथ तालमेल बिठाने की अद्भुत क्षमता है।

### विजय हजारे ट्रॉफी में ऐतिहासिक और तूफानी प्रदर्शन

वैभव सूर्यवंशी ने हाल ही में घरेलू क्रिकेट में जो कारनामा किया है, उसने पूरे क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा है। विजय हजारे ट्रॉफी के एक मुकाबले में उन्होंने लिस्ट ए क्रिकेट का सबसे युवा शतकवीर बनने का गौरव हासिल किया। उन्होंने मात्र 84 गेंदों में 190 रनों की पारी खेली, जिसमें 15 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। वैभव ने अपना शतक केवल 36 गेंदों में पूरा कर लिया था, जिसने गेंदबाजों को पूरी तरह से बेबस कर दिया।

श्रीकांत का तर्क है कि इस तरह का प्रदर्शन किसी भी स्तर पर किया जाए, वह खिलाड़ी की असली क्षमता को दर्शाता है और चयनकर्ताओं को इसे तुरंत पहचानना चाहिए। अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए श्रीकांत ने उन लोगों को करारा जवाब दिया जो कहते हैं कि युवा खिलाड़ियों को अभी और अनुभव की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वैभव हर जगह रन बना रहे हैं, चाहे वह आईपीएल हो या अंडर-19 क्रिकेट। श्रीकांत ने स्पष्ट किया कि हालांकि कुछ लोग अरुणाचल प्रदेश जैसी टीमों के खिलाफ प्रदर्शन को कम आंक सकते हैं, लेकिन हकीकत यह है कि यह लड़का हर मैच में विरोधियों की धुनाई कर रहा है। उन्होंने अफसोस जताया कि शायद टी20 वर्ल्ड कप के लिए अब बहुत कम समय बचा है, लेकिन अभी भी उन्हें टीम में शामिल करके जल्द तैयार किया जा सकता है। श्रीकांत के अनुसार, सफेद गेंद के क्रिकेट में वैभव को वही मौका दिया जा सकता है जो शुरुआती दिनों में सचिन को मिला था।

## रोहित शर्मा का बल्ला अबकी बार दगा दे गया... गोल्डन डक पर आउट

**नई दिल्ली, एजेंसी।** विजय हजार ट्रॉफी 2025-26 में रोहित शर्मा 26 नवंबर (शुक्रवार) को भी मैदान पर उतरे. अबकी बार मुंबई का सामना उत्तराखंड से था. इस मुकाबले में मुंबई के सलामी बल्लेबाज रोहित से बड़े इनिंग्स की उम्मीद थी, लेकिन उन्होंने सवाई मानसिंह स्टेडियम में मैच देखने आए हजारों फैन्स को मायूस किया. 38 साल के रोहित खाता भी नहीं खोल पाए और अपनी पहली ही गेंद पर चलते बने. यानी रोहित गोल्डन डक पर आउट हुए. रोहित शर्मा को दाएं हाथ के मीडियम पेसर देवेंद्र सिंह बोरा ने चलता किया.

### विजय हजारे ट्रॉफी :

## राजेश मोहंती ने रचा इतिहास, लिस्ट ए में हैट्रिक लेने वाले ओडिशा के पहले गेंदबाज बने

**नई दिल्ली, एजेंसी।** विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में ओडिशा क्रिकेट के लिए एक यादगार पल सामने आया, जब तेज गेंदबाज राजेश मोहंती ने इतिहास रच दिया। बेंगलुरु के अलूर क्रिकेट स्टेडियम में सर्विसेज के खिलाफ मुकाबले में मोहंती ने लिस्ट ए क्रिकेट में हैट्रिक लेकर ओडिशा के पहले गेंदबाज़ बनने का गौरव हासिल किया। यह उपलब्धि न सिर्फ उनके करियर का अहम मोड़ है, बल्कि ओडिशा के घरेलू क्रिकेट के बढ़ते कद को भी दर्शाती है। ओडिशा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी का फैसला किया और शुरुआत से ही सर्विसेज पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। पारी के सातवें ओवर में राजेश मोहंती ने वह कारनामा कर दिखाया, जिसने मैच की दिशा तय कर दी। उन्होंने पहले सागर दहिया को क्लीन बोल्ड किया, इसके बाद अगली ही गेंद पर आयुष शुक्ला को एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। लगातार दो विकेट गिरने से सर्विसेज की बल्लेबाज़ी पूरी तरह लड़खड़ा गई। हैट्रिक की गेंद पर मोहंती ने कोई कसर नहीं छोड़ी। तीसरी लगातार गेंद पर उन्होंने रवि चौहान को खाता खोले बिना पवेलियन भेज दिया। गोल्डन डक के साथ पूरी हुई यह हैट्रिक ओडिशा क्रिकेट के इतिहास में दर्ज हो गई। इसके साथ ही मोहंती लिस्ट ए क्रिकेट में हैट्रिक लेने वाले राज्य के पहले गेंदबाज़ बन गए। मोहंती की घातक गेंदबाज़ी का असर पूरी सर्विसेज टीम पर साफ दिखा। ओडिशा के गेंदबाज़ों ने मिलकर विपक्षी बल्लेबाज़ी को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। सर्विसेज की टीम महज़ 83 रन पर ऑल आउट हो गई, जो विजय हजारे ट्रॉफी के इतिहास में उनका दूसरा सबसे कम स्कोर रहा। मोहंती ने नौ ओवर में 3/25 के बेहतरीन आंकड़े दर्ज किए।

## अल्पाइन एसजी पाइपर्स बनी ग्लोबल चैस लीग चैंपियन, ट्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स को हराया

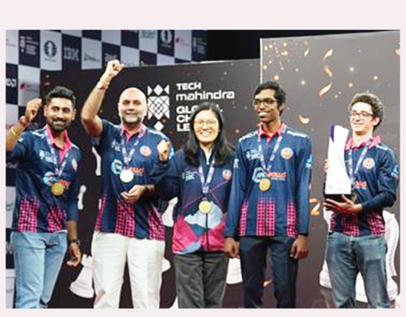


**मुंबई, एजेंसी।** ग्लोबल चैस लीग के तीसरे सत्र के फाइनल में अल्पाइन एसजी पाइपर्स ने दो बार की डिफेंडिंग चैंपियन ट्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स को हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। टेक महिंद्रा और फ़ीडे की संयुक्त पहल इस लीग का फाइनल मुकाबला उम्मीदों पर पूरी तरह खरा उतरा। फाइनल में पाइपर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले रैपिड मैच में काले मोहरों से 4-2 की जीत दर्ज की, इसके बाद सफेद मोहरों से 4.5-1.5 से बाज़ी अपने नाम कर ली।

इस जीत के साथ अल्पाइन एसजी पाइपर्स पहली बार ग्लोबल चेस लीग की चैंपियन बनी। लीग चरण में बेहद मामूली अंतर से फाइनल में जगह बनाने वाली पाइपर्स टीम फाइनल में पूरी तरह हावी दिखी। महिला और प्रोडिजी बोर्ड पर नीनो बातश्विली और लियोन ल्यूक मेंडोंसा ने एक बार फिर टीम के लिए निर्णायक भूमिका निभाई। नीनो ने एलेक्ज़ेंड्रा कोस्तेनियुक को बिशप-नाइट एंडगेम में हराया, जबकि मेंडोंसा ने 52 चालों में मार्क-आंद्रिया मौरिज़ी को पराजित किया।

### ईयर एंडर 2025:

# वरुण नंबर 1

● बुमराह, अर्शदीप से आगे कुलदीप

**नई दिल्ली, एजेंसी।** साल 2025 में भारत ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में गजब का प्रदर्शन किया और टीम इंडिया की सफलता का रेट शानदार रहा। इस साल भारत ने कुल 22 मुकाबले खेले जिसमें से टीम इंडिया को 16 मैचों में जीत मिली जबकि सिर्फ 3 मैच में भारत को हार का मुंह देखना पड़ा तो वहीं 3 मैच बिना किसी नतीजे से समाप्त हुए।

### वरुण चक्रवर्ती ने लिए सबसे ज्यादा विकेट

भारत ने साल 2025 का अंत ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका जैसी टीमों को हराकर किया और साल का समापन नंबर वन रैंक वाली टीम के रूप में किया। इस साल भारत के इस दमदार प्रदर्शन में टीम के गेंदबाजों का बेहतरीन योगदान रहा, लेकिन स्पिनरों ने इसमें बाजी मारी और सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में वरुण चक्रवर्ती पहले नंबर पर जबकि कुलदीप यादव दूसरे नंबर पर रहे। यही नहीं इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर अक्षर पटेल रहे यानी इस साल टी20आई में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले टॉप 5 गेंदबाजों में पहले तीन तो स्पिनर ही रहे जबकि चौथे नंबर पर अर्शदीप सिंह तो वहीं पांचवें स्थान पर जसप्रीत बुमराह रहे। वरुण ने साल 2026 मे भारत की तरफ से टी20आई में 18 पारियों में सबसे ज्यादा 36 विकेट लिए और जिसमें साउथ अफ्रीका के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज में उन्होंने कुल 10 विकेट चटकाए।

### कुलदीप यादव ने 9 पारियों में चटकाए 21 विकेट

कुलदीप यादव ने इस साल 9 पारियों में 21 विकेट लिए और दूसरे नंबर पर रहते हुए साल का समापन किया। उन्होंने इन मैचों में दो बार फोर विकेट हॉल लेने का भी कमाल किया। एशिया कप 2025 में कुलदीप ने सबसे ज्यादा 17 विकेट लिए जिसमें पाकिस्तान के खिलाफ 30 रन देकर 4 विकेट भी शामिल था। भारतीय ऑलराउंडर अक्षर पटेल 17 विकेट लेकर इस साल टी20आई में भारत के लिए तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने।

उन्होंने 19.17 की औसत और 6.93 की इकॉनमी से विकेट लिए। अर्शदीप सिंह ने इस साल कुल 11 मैच खेले जिसमें उन्होंने 15 विकेट हासिल किए और चौथे स्थान पर रहे जबकि भारतीय गेंदबाजों की इस खास लिस्ट में पांचवें नंबर पर बुमराह रहे और उन्होंने 2025 में 11 टी20 मैचों में 14 विकेट लेकर साल खत्म किया। बुमराह ने अपने सभी विकेट सिर्फ 20.92 की औसत और 8 से कम की इकोनॉमी रेट से लिए।

### पूर्व क्रिकेटर की वैकल्पिक टी20 वर्ल्ड कप टीम से भी बाहर

# शुभमन गिल को एक और झटका

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे शुभमन गिल के लिए यह दौर आसान नहीं चल रहा है। टी20 वर्ल्ड कप की आधिकारिक भारतीय टीम से बाहर होने के सदमे से उबरने से पहले ही उन्हें एक और निराशा हाथ लगी है। इस बार उन्हें पूर्व भारतीय ओपनर और मौजूदा क्रिकेट एक्सपर्ट आकाश चोपड़ा की चुनी गई वैकल्पिक 15-सदस्यीय टी20 वर्ल्ड कप टीम में भी जगह नहीं मिली। चोपड़ा के इस फैसले ने गिल की टी20 भूमिका और भविष्य को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

### आकाश चोपड़ा का हल्का-फुल्का लेकिन तीखा तंज

आकाश चोपड़ा ने अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति द्वारा नजरअंदाज किए गए खिलाड़ियों में से एक वैकल्पिक टीम चुनी। इस प्रक्रिया को उन्होंने मज़ाकिया अंदाज़ में पेश किया, लेकिन शुभमन गिल को बाहर रखने का कारण साफ शब्दों में बताया। चोपड़ा ने कहा कि अगर मौजूदा भारतीय टी20 सेटअप को 'एंकर' बल्लेबाज की जरूरत नहीं है, तो वह खुद भी ऐसे खिलाड़ी को टीम में क्यों शामिल करें।

### 'एंकर की जरूरत नहीं', इसलिए गिल बाहर

टीम की घोषणा के बाद चोपड़ा ने कहा कि शुभमन गिल को जानबूझकर नहीं चुना गया। उनके मुताबिक, गिल को फिलहाल टेस्ट और वनडे क्रिकेट के लिए छोड़ा गया है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि कई लोग उन पर गिल का समर्थन करने का आरोप लगाते हैं, लेकिन इस बार उन्होंने साफ तौर पर उन्हें टीम से बाहर रखा है। चोपड़ा के बयान को गिल की टी20 शैली पर एक अप्रत्यक्ष टिप्पणी के तौर पर देखा जा रहा है।

### आधिकारिक टीम से बाहर होना भी रहा बड़ा सरप्राइज

शनिवार को घोषित भारतीय टी20 वर्ल्ड कप टीम में शुभमन गिल का नाम न होना कई फैंस के लिए चौंकाने वाला था। उप-कप्तान होने के बावजूद उन्हें बाहर कर दिया गया, जबकि ईशान किशन को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी फाइनल में शतक के बाद टीम में शामिल किया गया। चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने स्पष्ट किया कि यह फैसला टीम संयोजन और बैक-अप विकेटकीपर की जरूरत को ध्यान में रखकर लिया गया।

### ओपनिंग कॉम्बिनेशन और टीम बैलेंस

भारतीय टीम वर्ल्ड कप में संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा को मुख्य ओपनर के रूप में उतारने की योजना में है, जबकि ईशान किशन रिज़र्व विकल्प होंगे।

इससे पहले एशिया कप के दौरान गिल की वापसी ने इस सफल ओपनिंग जोड़ी को तोड़ दिया था, जिससे टीम संतुलन पर सवाल उठे थे। गिल के आने से सैमसन को मिडिल ऑर्डर में जाना पड़ा और रिंकू सिंह जैसे फिनिशर को भी कम मौके मिले।

### टी20 में गिल का प्रदर्शन बना कारण

लगातार समर्थन मिलने के बावजूद शुभमन गिल टी20 में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाए। 15 मैचों के प्रयोग में उन्होंने 24.25 की औसत और 137.26 के स्ट्राइक रेट से 291 रन बनाए। चयनकर्ताओं और कोचिंग स्टाफ का सब्र आखिरकार जवाब दे गया, और उन्हें वर्ल्ड कप टीम से बाहर कर दिया गया।

### आकाश चोपड़ा की वैकल्पिक टी20 वर्ल्ड कप टीम

मुख्य खिलाड़ी : यशस्वी जायसवाल, ऋतुराज गायकवाड़, श्रेयस अय्यर (कप्तान), ऋषभ पंत, जितेश शर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, क्रुणाल पांड्या, दीपक चाहर, युजवेंद्र चहल, मोहम्मद सिराज, भुवनेश्वर कुमार।

**बेंच :** मोहम्मद शमी, केएल राहुल, विपराज निगम, शशांक सिंह।

### बेंगलुरु ओपन 2026:

## सुरेश को वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली

**बेंगलुरु, एजेंसी।** बेंगलुरु ओपन 2026 का आयोजन 5 से 11 जनवरी, 2026 तक बेंगलुरु के एस.एम. कृष्णा टेनिस स्टेडियम में होगा। यह टूर्नामेंट का दसवां एडिशन है।

टूर्नामेंट के लिए दक्षिणेश्वर सुरेश को वाइल्ड कार्ड एंट्री दी गई है। वाइल्ड कार्ड एंट्री मिलने पर दक्षिणेश्वर सुरेश ने कहा, 'कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस एसोसिएशन की एक शानदार कोशिश रही है। बेंगलुरु ओपन एटीपी चैलेंजर में अपने घरेलू दर्शकों के सामने हिस्सा लेना मेरे लिए गर्व की बात है। इस टूर्नामेंट ने लगातार भारतीय खिलाड़ियों को शीर्ष अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का मौका दिया है। मैं समर्थन के लिए शुक्रगुजार हूं, और मैं कोर्ट पर अपना बेस्ट देना चाहता हूं। मुझे उम्मीद है कि बेंगलुरु के फैंस मेरा उत्साह बढ़ाएंगे।' कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस एसोसिएशन के टूर्नामेंट निदेशक और संयुक्त सचिव सुनील यजमान ने कहा, 'यह मौका उभरती प्रतिभा का समर्थन करने और एटीपी चैलेंजर इवेंट में भारतीय मौजूदगी को मजबूत करने की हमारी प्रतिबद्धता को दिखाता है।

हमें दक्षिणेश्वर सुरेश को बेंगलुरु ओपन के एकल मेन ड्रॉ में वाइल्ड कार्ड एंट्री देकर खुशी हो रही है। उन्होंने टूर पर खेले गए कुछ इवेंट्स में कामयाबी हासिल की है। स्विट्जरलैंड के खिलाफ डेविस कप में भारत की जीत में भी उनका अहम रोल था। उन्होंने कहा कि हम दक्षिणेश्वर सुरेश को शुभकामनाएं देते हैं और उम्मीद करते हैं कि इस इवेंट से उन्हें अपने सफर में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। 25 साल के दक्षिणेश्वर सुरेश भारत के उभरते हुए खिलाड़ी हैं। दक्षिणेश्वर ने सितंबर 2025 में स्विट्जरलैंड के खिलाफ डेब्यू किया था। इस मैच में उन्हें जीत हासिल हुई थी।

अपने से उच्च रैंक वाले खिलाड़ी जेरोम किम को दक्षिणेश्वर ने 7-6(4), 6-3 से हराया था।

## एशेज, मेलबर्न टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया 152 रन पर ऑलआउट, टंग को 5 विकेट, स्मिथ को बोल्ड किया

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज का चौथा टेस्ट मेलबर्न में खेला जा रहा है। मैच के पहले दिन शुक्रवार को इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली पारी में सिर्फ 152 रन पर ऑलआउट हो गई। बॉक्सिंग-डे टेस्ट में पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही और 91 रन तक उसके 6 विकेट गिर गए। टीम के आखिरी तीन विकेट बिना कोई रन जोड़े गिर गए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से माइकल नेसर ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए, जबकि उस्मान ख्वाजा ने 29 और एलेक्स कैरी ने 20 रन जोड़े। टीम के पांच बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। इंग्लैंड की गेंदबाजी में जोश टंग सबसे सफल रहे और उन्होंने 5 विकेट लिए। गस एटकिंसन को 2 विकेट मिले, जबकि ब्रायडन कार्स और कप्तान बेन स्टोक्स को 1-1 विकेट मिला।

# कोर्ट पर आग, दिल में खालीपन...क्यों प्यार तलाश रही यह टेनिस स्टार?

**नई दिल्ली, एजेंसी।** मेलबर्न पार्क में ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 की वह शाम सिर्फ टेनिस की नहीं थी. हजारों दर्शकों की हूटिंग, कैमरों की बेरहम निगाहें और हर पॉइंट के साथ बढ़ता दबाव-- अमेरिका की टेनिस स्टार डैनिएल कॉलिन्स जैसे अकेले पूरी भीड़ से भिड़ रही थीं. सामने थीं ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों की पसंदीदा खिलाड़ी डेस्टनी आयावा, और पीछे घरेलू भीड़ का उग्र शोर, जो हर गलती पर ताना कस रहा था.

### ... लेकिन कॉलिन्स चुप रहने वालों में से नहीं

मैच जीतने के बाद उन्होंने जिस अंदाज में जश्न मनाया, उसने ऑस्ट्रेलियन ओपन की सबसे विवादित तस्वीर गढ़ दी. तंज भरी मुस्कान, दर्शकों की ओर उड़ता हुआ व्यंग्यात्मक किस और बेपरवाह आत्मविश्वास... यह सब ऑस्ट्रेलियाई फैन्स को उकसाने वाला लगा. पोस्ट-मैच इंटरव्यू में जब कॉलिन्स ने कहा कि टूर्नामेंट से मिली कमाई से वह 'फाइव-स्टार वेकेशन' पर जाएंगी, तो विवाद और गहरा गया. ... लेकिन कोर्ट पर 'विलेन' कही जाने वाली यह महिला अब एक बिल्कुल अलग सच साझा कर रही हैं. 31 साल की डैनिएल कॉलिन्स कहती हैं कि वह अब शादी करना चाहती हैं, परिवार बसाना चाहती हैं, लेकिन प्यार की तलाश उनके लिए आसान नहीं रही. शोहरत, पैसा और पहचान के बावजूद उनका निजी जीवन खालीपन से जूझ

रहा है। उन्होंने माना कि उन्हें डेटिंग ऐप्स का सहारा लेना पड़ा है. सोशल मीडिया पर अनगिनत मैसेज आते हैं, लेकिन उनमें से ज्यादातर को वह किनारे कर देती हैं. 'यह सब किसी सुई को भूसे के ढेर में ढूंढने जैसा है...' वह कहती हैं. कॉलिन्स के मुताबिक, इसके पीछे एक असहज सच्चाई है- लैंगिक भेदभाव. उनका मानना है कि सफल पुरुषों के लिए विकल्प बढ़ते हैं, जबकि सफल महिलाओं के लिए वही कामयाबी रिश्तों की संभावनाओं को सीमित कर देती है. कॉलिन्स कहती हैं,'कई बार पुरुष सफल महिलाओं से असहज महसूस करते हैं.' उनके अनुभव में यह डर, यह झिझक- रिश्तों की राह में सबसे बड़ी रुकावट बन जाती है.

### टूटा रिश्ता, बदला फैसला

हाल ही में कॉलिन्स का एक साल पुराना रिश्ता खत्म हुआ. वह 2024 में संन्यास लेकर परिवार शुरू करना चाहती थीं, लेकिन एंडोमेट्रियोसिस जैसी स्वास्थ्य समस्या ने उनके फैसले बदल दिए. शारीरिक दर्द और मानसिक अनिश्चितता के बावजूद उन्होंने करियर जारी रखने का फैसला किया.

### 'द बैचलरेट' तक का रास्ता?

प्यार की तलाश में कॉलिन्स ने मजाकिया लहजे में यह भी कहा कि अगर रकम सही हो, तो वह 'द बैचलरेट' जैसे रियलिटी शो में जाने पर विचार कर सकती हैं. हालांकि वह मानती हैं कि कैमरों के सामने कई लोगों को एक साथ डेट करना उनके स्वभाव के बिल्कुल खिलाफ है. 'मैं धीरे चलने वाली इंसान हूं,' वह कहती हैं...और शायद यही संकोच, यही सच्चाई, उन्हें सबसे ज्यादा मानवीय बनाती है.

# प्रधानमंत्री की हार पर खुशी मतलब भारत की हार

## -विदेश नीति पार्टी नहीं, देश की होती है — शशि थरूर

नई दिल्ली । कांग्रेस सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर के हालिया बयान ने एक बार फिर भारत की विदेश नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा और पड़ोसी देशों के साथ बदलते समीकरणों पर गंभीर बहस छेड़ दी है। इंडिया टुडे को दिए इंटरव्यू में थरूर ने साफ शब्दों में कहा कि विदेश नीति किसी एक पार्टी की नहीं, बल्कि पूरे देश की होती है। उनका कहना था कि अगर कोई व्यक्ति राजनीतिक मतभेदों के चलते प्रधानमंत्री की हार पर खुशी मनाता है, तो वह दरअसल भारत की हार की खुशी मना रहा होता है। पंडित जवाहरलाल नेहरू के शब्दों को याद करते हुए थरूर ने कहा— "अगर भारत मर गया, तो कौन जिएगा?"

**विदेश नीति: राजनीति से ऊपर राष्ट्रीय हित-**

थरूर का यह बयान ऐसे समय आया है, जब देश में विदेश नीति को लेकर राजनीतिक बयानबाज़ी तेज़ है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की साख और रणनीति किसी दल विशेष से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हित से तय होती है। सरकारें बदल सकती हैं, लेकिन देश की विदेश नीति का मूल उद्देश्य—सुरक्षा, स्थिरता और विकास—स्थायी रहता है।

**पाकिस्तान से बढ़ता खतरा-**

थरूर ने भारत को पाकिस्तान से आने वाले सुरक्षा खतरों को हल्के में न लेने की सख्त चेतावनी दी। उनके मुताबिक, पाकिस्तान अपनी सैन्य रणनीति में लगातार बदलाव कर रहा है। पहले वह ड्रोन, रॉकेट और मिसाइल हमलों का सहारा ले चुका है और अब हाइपरसोनिक मिसाइल टेक्नोलॉजी और छिपकर हमला करने (स्टेल्थ अटैक) जैसी खतरनाक नीतियों पर काम कर रहा है। थरूर ने कहा कि यह बदलाव ऐसे नहीं हैं, जिन्हें भारत नज़रअंदाज़ कर सके। पाकिस्तान की मंशा और क्षमता—दोनों पर कड़ी नज़र रखना भारत के लिए ज़रूरी है।

**पाकिस्तान की आंतरिक हालत-**

पाकिस्तान की घरेलू स्थिति पर बात करते हुए थरूर ने उसे एक बेहद समस्याग्रस्त देश बताया। उन्होंने कहा कि वहां नागरिक सरकार नाम मात्र की है, जबकि असली ताकत सेना के हाथों में है। नीति निर्धारण में सेना का दबदबा है और वही देश की दिशा तय करती है। आर्थिक आंकड़ों का हवाला देते हुए थरूर ने कहा कि पाकिस्तान की जीडीपी ग्रोथ लगभग 2.7 फीसदी है, जबकि भारत की विकास दर 7 फीसदी या उससे अधिक बनी हुई है। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था बेहद नाजुक है। अंतरराष्ट्रीय मदद उसे अस्थायी राहत देती है, लेकिन यही आर्थिक कमजोरी उसे भविष्य में जोखिम भरे और आक्रामक कदम उठाने के लिए उकसा सकती है।

**भारत से प्रतिस्पर्धा की कोशिश-**

थरूर ने यह भी कहा कि पाकिस्तान अब उन क्षेत्रों में आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा है, जहां भारत पहले से मज़बूत स्थिति में है—खासतौर पर टेक्सटाइल और कृषि जैसे सेक्टर। इससे क्षेत्रीय बाज़ारों में प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है, जिसका असर दक्षिण एशिया की आर्थिक राजनीति पर पड़ेगा। इसके अलावा, पाकिस्तान ने अमेरिका को अपने खनिज संसाधनों तक पहुंच का प्रस्ताव दिया है और क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े कारोबार को एक ऐसी कंपनी को सौंपा है, जिसके संबंध जैकरी विटकॉफ और डोनाल्ड ट्रम्प के बेटों से बताए जा रहे हैं। यह कदम पाकिस्तान की बदलती रणनीतिक प्राथमिकताओं को दिखाता है।

**वैश्विक उथल-पुथल और नई चुनौतियां-**

थरूर के मुताबिक, दुनिया तेज़ी से बदल रही है और वैश्विक स्तर पर उथल-पुथल का दौर है। सवाल यह नहीं है कि किस देश को काबू में किया जाए, बल्कि यह है कि उन देशों से कैसे निपटा जाए, जिन्हें नियंत्रित करना आसान नहीं है। ऐसे माहौल में भारत को संतुलित, दूरदर्शी और मज़बूत विदेश नीति की ज़रूरत है।

**बांग्लादेश पर चिंता-**

थरूर ने बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि वहां ऊर्जा संकट है, महंगाई बढ़ रही है और निवेशकों का भरोसा कमजोर पड़ रहा है। बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच संभावित रक्षा समझौतों पर चर्चा इस बात का संकेत है कि बांग्लादेश भारत को दुश्मन के तौर पर पेश करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने आगाह किया कि कुछ तत्व खुले तौर पर भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को अलग करने की धमकी दे रहे हैं और अलगाववादी ताकतों को पनाह मिल रही है। जमात-ए-इस्लामी जैसी इस्लामिक ताकतों ने हालात को और संवेदनशील बना दिया है।

# अनंतनाग में लश्कर के दो आतंकियों का सीसीटीवी फुटेज सामने, पाकिस्तानी कमांडर की आशंका

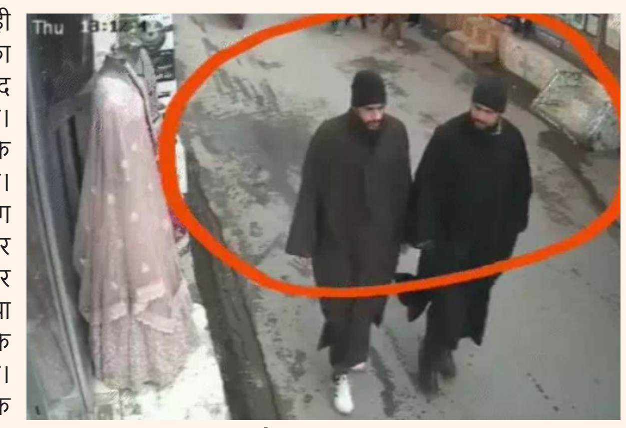


अनंतनाग । अनंतनाग में हाल ही में लश्कर के दो आतंकियों का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है। फुटेज में आतंकियों को शहर के व्यस्त बाजार में घूमते हुए देखा गया। इसके बाद डेंगरपोरा और काजीबाग क्षेत्रों में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया गया है। स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर लिया है और आतंकियों को पकड़ने के लिए व्यापक जांच शुरू कर दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इनमें से एक आतंकी कुलगाम जिले के खेरवन का रहने वाला मो. लतीफ भट है। दूसरी तरफ वीडियो में दिख रहे आतंकी के पाकिस्तानी कमांडर हंजुल्लाह होने का दावा किया जा रहा है। हालांकि, इस दावे की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सुरक्षा बल इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या वीडियो में दिखा आतंकी वास्तव में हंजुल्लाह है या नहीं। सेना और कश्मीर पुलिस की संयुक्त टीम दोनों आतंकियों की तलाश में जुटी हुई है। उन्होंने इलाके के हर नुक्कड़ और संकरी गली में तलाशी अभियान तेज कर दिया है। स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है ताकि आतंकियों के ठिकानों और उनके किसी मददगार का पता लगाया जा सके। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और किसी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत सुरक्षा बलों को देने का आग्रह किया है। अनंतनाग में आतंकियों के नजर आने की यह घटना जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा की गंभीर स्थिति को दर्शाती है। पिछले कुछ महीनों में, घाटी में आतंकवादियों की गतिविधियों में बढ़ोतरी देखने को मिली है। इससे पहले उधमपुर में भी दो आतंकियों के देखे जाने के बाद जम्मू से कश्मीर तक लगभग 80 गांवों में तलाशी अभियान चलाया गया था। उस दौरान जवानों ने हर घर के दरवाजे खोलकर पूरी तरह से जांच की थी, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि का पता लगाया जा सके। विशेषज्ञों का मानना है कि आतंकवादी अक्सर बाजार और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में छिपकर अपने मिशन को अंजाम देते हैं। ऐसे में स्थानीय लोगों की सतर्कता और सुरक्षा बलों की त्वरित कार्रवाई आतंकियों को पकड़ने में निर्णायक भूमिका निभाती है। इसीलिए अधिकारियों ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे किसी भी अनजान व्यक्ति या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। सुरक्षा एजेंसियां यह भी जांच कर रही हैं कि आतंकियों के पास कौन से हथियार और संसाधन हैं और उनकी कार्रवाई का क्या उद्देश्य हो सकता है। इसके साथ ही, इलाके में सीसीटीवी कैमरों की जांच और तकनीकी निगरानी बढ़ा दी गई है। अनंतनाग के बाजार में आतंकियों का वीडियो सामने आने के बाद, प्रशासन ने अतिरिक्त सुरक्षा उपाय लागू किए हैं। बाजारों, स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा बलों की उपस्थिति बढ़ा दी गई है। यह कदम यह सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है कि नागरिक सुरक्षित रहें और किसी भी आतंकवादी घटना को रोका जा सके।

# उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड:

## -यूपी के 68 जिलों में घना कोहरा, कई राज्यों में पारा रिकॉर्ड स्तर तक गिरा

नई दिल्ली । हिमालयी इलाकों में लगातार हो रही बर्फबारी का असर अब साफ तौर पर मैदानी राज्यों में दिखाई देने लगा है। उत्तर भारत से लेकर मध्य और पूर्वी भारत तक कड़ाके की ठंड, घना कोहरा और शीतलहर ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। कई राज्यों में तापमान सामान्य से काफी नीचे चला गया है, वहीं दृश्यता शून्य के करीब पहुंचने से यातायात व्यवस्था भी चरमरा गई है। उत्तर प्रदेश की बात करें तो राज्य के 68 जिलों में घना कोहरा छाया हुआ है। हालात ऐसे हैं कि कई इलाकों में 10 मीटर तक देख पाना भी मुश्किल हो गया है। मौसम विभाग ने शनिवार के लिए प्रदेश के 68 जिलों में शीतलहर का अलर्ट जारी किया है। चेतावनी में कहा गया है कि कुछ जगहों पर विजिबिलिटी जीरो तक पहुंच सकती है, जिससे सड़क और रेल यातायात पर गंभीर असर पड़ सकता है। मध्य प्रदेश में भी ठंड ने अपना प्रचंड रूप दिखाया है। राज्य के 31 शहरों में न्यूनतम तापमान 5 से 8 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया है। कई शहरों में रात के समय सर्द हवाओं के चलते ठिठुरन और बढ़ गई है। लोग अलाव और हीटर का सहारा लेने को मजबूर हैं। झारखंड में स्थिति और भी गंभीर नजर आ रही है। राज्य के मैक्लुस्कीगंज में तापमान 1.7 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है, जो इस सीजन का सबसे कम तापमान है। वहीं गुमला में पिछले 10 साल का रिकॉर्ड टूट गया, जहां पारा 2.8 डिग्री तक पहुंच गया। इतनी भीषण ठंड से आम जनजीवन के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी बढ़ने लगी हैं। राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और बिहार के कई शहरों में भी तापमान 10 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया है। घने कोहरे के कारण रेल सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हैं और कई ट्रेनें घंटों की देरी से चल रही हैं। हवाई यातायात पर भी असर पड़ा है, जहां कई एयरलाइंस को फ्लाइट्स रद्द करनी पड़ी हैं। बिहार सरकार ने हालात को देखते हुए 30 दिसंबर तक कक्षा 8वीं तक के सभी स्कूल बंद करने का फैसला किया है। हिमालयी राज्यों में मौसम का मिजाज अभी और सख्त होने वाला है। उत्तराखंड के 6 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार 30 और 31 दिसंबर को उत्तरकाशी और चमोली जिलों में बर्फबारी के आसार हैं। इससे तापमान में और गिरावट आ सकती है। हिमाचल प्रदेश में भी 30 दिसंबर के बाद बर्फबारी की संभावना जताई गई है। न्यू ईयर से पहले वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के एक्टिव होने की चेतावनी जारी की गई है, जिससे पहाड़ी इलाकों के साथ-साथ मैदानी क्षेत्रों में भी ठंड और बढ़ सकती है।

# जापान में बर्फीले मौसम में भीषण सड़क हादसा

## -50 से ज्यादा वाहन टकराए, बुजुर्ग महिला की मौत

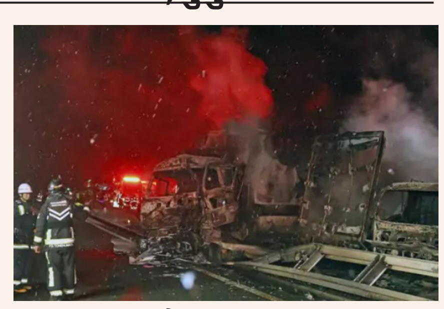

टोक्यो (एजेंसी) । जापान में शुक्रवार देर रात एक भयानक सड़क हादसा हुआ, जिसमें 50 से ज्यादा वाहन आपस में टकरा गए। हादसा बर्फीले मौसम और कोहरे के कारण हुआ, जिससे विजिबिलिटी बेहद कम हो गई थी। शुरुआती जानकारी के अनुसार, हादसा गुन्मा प्रान्त के मिनाकामी कस्बे में कान-एत्सु एक्सप्रेसवे पर हुआ। पुलिस ने बताया कि हादसा एक साधारण टक्कर से शुरू हुआ। दो ट्रक आपस में टकरा गए और उनके बाद पीछे से आ रही गाड़ियां समय पर ब्रेक नहीं लगा सकीं। बर्फीली सड़क की फिसलन और कोहरे के कारण वाहन चालक स्थिति को नियंत्रित नहीं कर सके, और देखते ही देखते एक्सप्रेसवे पर 50 से ज्यादा वाहन आपस में टकरा गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कई गाड़ियों में आग लग गई और कुछ वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो गए। हादसे में सबसे बड़ी त्रासदी 77 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौत रही। इसके अलावा 26 लोग गंभीर और हल्की चोटों के साथ अस्पताल में भर्ती हैं। अधिकारियों ने बताया कि घायल लोगों को तुरंत निकाला गया और पास के अस्पतालों में प्राथमिक इलाज मुहैया कराया गया। कई घायल बर्फीली ठंड और चोटों के कारण गंभीर स्थिति में हैं। हादसे के समय जापान में साल के अंत और नए साल की छुट्टियों को लेकर सड़क पर भारी ट्रैफिक था। विशेषज्ञों का कहना है कि इस समय सड़क हादसों की संभावना अधिक होती है क्योंकि लोग छुट्टियों के चलते अधिक यात्रा कर रहे होते हैं और मौसम की गंभीरता के बावजूद वाहन चलाते हैं। सड़क प्रशासन ने कहा कि एक्सप्रेसवे का एक हिस्सा ब्लॉक हो गया और राहत व बचाव कार्यों में कई घंटे लगे।

# मद्रास हाईकोर्ट का सुझाव:

## -भारत में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगे

चेन्नई । मद्रास हाईकोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र सरकार को सुझाव दिया कि भारत में भी ऑस्ट्रेलिया की तरह 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने पर विचार किया जाए। अदालत ने कहा कि इस विषय पर गंभीरता से विचार होना चाहिए, ताकि नाबालिग बच्चों को ऑनलाइन हानिकारक और आपत्तिजनक सामग्री से बचाया जा सके। यह सुझाव मदुरै बेंच ने नाबालिगों को ऑनलाइन पोर्नोग्राफिक और अश्लील सामग्री आसानी से मिलने के मामले में दायर जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान दिया। याचिकाकर्ता एस विजयकुमार के वकील केपीएस पलानीवेल राजन ने ऑस्ट्रेलिया के हालिया कानून का हवाला दिया, जिसमें 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया अकाउंट खोलने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया इस मामले में दुनिया का पहला देश बन गया है जिसने बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर ऐसी सख्त पाबंदी लागू की। कोर्ट ने कहा कि भारत में भी बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इसी तरह के उपाय जरूरी हैं। मद्रास हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स (ISP) पर और सख्त नियम लागू किए जाएं। उन्हें अनिवार्य रूप से पैरेंटल कंट्रोल (Parent Control) सर्विस प्रदान करने के लिए कहा जाए। यह सुविधा माता-पिता को अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों को मॉनिटर और नियंत्रित करने में मदद करेगी। कोर्ट ने जोर दिया कि पैरेंटल कंट्रोल के जरिए माता-पिता यह तय कर सकेंगे कि उनके बच्चे किन वेबसाइट्स और ऐप्स तक पहुँच सकते हैं और कौन-सी सामग्री उनके लिए हानिकारक हो सकती है। अदालत ने केंद्र सरकार से अनुरोध किया कि वह बच्चों के ऑनलाइन सुरक्षित वातावरण के लिए एक ठोस और प्रभावी नीति बनाए। हाईकोर्ट ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर बच्चों की सुरक्षा के लिए सख्त कानून की आवश्यकता है, क्योंकि नाबालिग आसानी से अश्लील और आपत्तिजनक सामग्री तक पहुँच सकते हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि सिर्फ सामाजिक जागरूकता या माता-पिता की सलाह पर्याप्त नहीं है, बल्कि कानून के माध्यम से बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना जरूरी है। ऑस्ट्रेलिया ने 9 दिसंबर से 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अकाउंट बनाने पर बैन लगा दिया है। इस कानून के तहत सोशल मीडिया कंपनियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि 16 साल से कम उम्र के बच्चे उनके प्लेटफॉर्म्स पर अकाउंट न बना सकें। यह कदम बच्चों की मानसिक और शारीरिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। भारत में सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग के कारण नाबालिग बच्चों को खतरा अधिक बढ़ गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अक्सर बच्चे अश्लील वीडियो, हानिकारक कंटेंट और ऑनलाइन शोषण का शिकार हो जाते हैं। इसी कारण अदालत ने केंद्र सरकार को सुझाव दिया कि भारत में भी ऑस्ट्रेलिया की तरह सख्त कानून पर विचार किया जाए।

# बांग्लादेश स्कूल कॉन्सर्ट में हिंसक भीड़:

## -20 घायल, कार्यक्रम रद्द

ढाका (एजेंसी) । बांग्लादेश के फरीदपुर जिले में शुक्रवार की रात एक बड़ी हिंसक घटना सामने आई, जब डिस्ट्रिक्ट स्कूल की 185वीं एनिवर्सरी के समापन समारोह के दौरान कॉन्सर्ट स्थल पर भीड़ ने हमला कर दिया। इस समारोह में प्रसिद्ध रॉक सिंगर जेम्स (नागर बाउल) का प्रदर्शन होना था। घटना रात लगभग 9:30 बजे हुई, जब जेम्स मंच पर आने वाले थे। आयोजकों के अनुसार, कुछ बाहरी लोग जबरन कार्यक्रम स्थल में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे। जब उन्हें रोकने की कोशिश की गई, तो उन्होंने गुस्से में ईंट-पत्थर और कुर्सियां फेंकना शुरू कर दिया। भीड़ मंच की ओर बढ़ने लगी, जिससे कार्यक्रम स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान छात्र और आयोजक डर के बावजूद स्थिति संभालने की कोशिश करते रहे। हमले के तुरंत बाद प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर कॉन्सर्ट को रद्द कर दिया। इस हिंसा में करीब 20 लोग घायल हुए, जिनमें अधिकांश छात्र हैं। घायल छात्रों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया और प्राथमिक इलाज के बाद उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। मौके पर मौजूद स्वयंसेवकों और छात्रों ने भीड़ को नियंत्रित करने की पूरी कोशिश की। उनके प्रयासों के कारण ही हमलावर आखिरकार पीछे हटे और स्थिति पर कुछ हद तक काबू पाया गया। हालांकि, घटना ने समारोह की खुशियों को धूमिल कर दिया और प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए। स्थानीय अधिकारियों ने कहा है कि इस मामले की गंभीरता से जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसे कार्यक्रमों में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी की जाएगी ताकि छात्र और आम जनता सुरक्षित रूप से आयोजनों में भाग ले सकें। इस घटना ने न केवल स्कूल समुदाय बल्कि पूरे जिले में चिंता पैदा कर दी है।

# पाकिस्तान में पंजाब विधानसभा में KP मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी के साथ फिर मारपीट

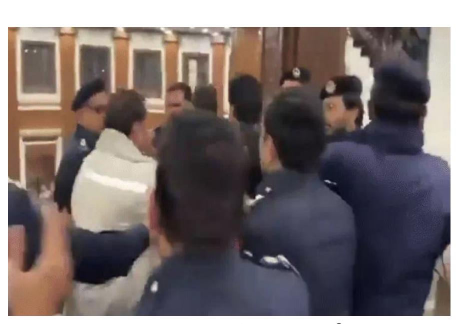

लाहौर (एजेंसी) । पाकिस्तान में एक बार फिर खैबर-पख्तूनख्वा (KP) के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी के साथ मारपीट की घटना सामने आई है। शुक्रवार को पंजाब विधानसभा में यह घटना हुई, जिसमें सुरक्षाकर्मियों ने न केवल मुख्यमंत्री को रोका बल्कि उनके प्रतिनिधियों के साथ भी बदसलूकी की। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने राजनीतिक हलकों में काफी हलचल मचा दी है। वीडियो में देखा जा सकता है कि मुख्यमंत्री अफरीदी अपने प्रतिनिधियों के साथ विधानसभा भवन में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे हैं। इसी दौरान सुरक्षा कर्मी उन्हें रोकने की कोशिश करते हैं, लेकिन अफरीदी के साथी फतेह उल्लाह बुर्की बीच में आ जाते हैं। बुर्की के हस्तक्षेप के बावजूद विवाद बढ़ता है और हलचल के दौरान धक्का-मुक्की होती है। इस दौरान अफरीदी और उनके प्रतिनिधियों के साथ शारीरिक संघर्ष भी देखा गया। यह पहली बार नहीं है जब अफरीदी के साथ ऐसी घटना हुई हो। लगभग एक महीने पहले भी उन्हें पुलिस द्वारा पीटा गया था। उस समय भी राजनीतिक और सुरक्षा दृष्टि से यह घटना विवाद का विषय बनी थी। लगातार इस तरह की घटनाएँ उनके राजनीतिक कार्यों और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि पाकिस्तान की राजनीतिक पार्टियों और विधानसभा के बीच लगातार बढ़ते तनाव के कारण ऐसी घटनाएँ आम हो गई हैं। विधानसभा में शारीरिक झड़पें और बदसलूकी केवल नेताओं के बीच संघर्ष को ही नहीं दर्शाती, बल्कि यह राजनीतिक स्थिरता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए भी चुनौतीपूर्ण है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि अफरीदी के साथ लगातार हो रही मारपीट और बदसलूकी से पंजाब और KP सरकारों के बीच तनाव बढ़ सकता है।

# दिल्ली पुलिस का 'ऑपरेशन आघात 3.0':

## -285 अपराधी गिरफ्तार, अवैध शराब और गांजा जब्त

नई दिल्ली । दिल्ली में अपराध पर नकेल कसने के लिए पुलिस लगातार सघन अभियान चला रही है। इसी कड़ी में दिल्ली पुलिस की साउथ ईस्ट डिस्ट्रिक्ट टीम ने शुक्रवार रात 'ऑपरेशन आघात 3.0' के तहत बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। इस विशेष अभियान के दौरान पुलिस ने कुल 285 अपराधियों को गिरफ्तार किया, जबकि 1,306 लोगों को रोककर पूछताछ की गई। इस कार्रवाई का मकसद अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाना और इलाके में कानून-व्यवस्था को और मजबूत करना था। साउथ ईस्ट जिले के डीसीपी हेमंत तिवारी ने अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्रवाई एक्साइज एक्ट, एनडीपीएस एक्ट और जुआ अधिनियम के तहत की गई। पुलिस ने बताया कि अभियान के दौरान न सिर्फ सक्रिय अपराधियों को पकड़ा गया, बल्कि संभावित अपराधों को रोकने के लिए एहतियाती कदम भी उठाए गए। इसी क्रम में 504 लोगों को एहतियातन हिरासत में लिया गया, जबकि 116 बदमाशों की धरपकड़ की गई। डीसीपी के अनुसार, इस विशेष अभियान में 10 प्रॉपर्टी ऑफेंडर और 5 ऑटो लिफ्टर भी गिरफ्तार किए गए हैं, जो लंबे समय से पुलिस की नजर में थे। इन अपराधियों की गिरफ्तारी से वाहन चोरी और संपत्ति से जुड़े अपराधों में कमी आने की उम्मीद जताई जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इन बदमाशों से पूछताछ के आधार पर आगे भी कई अहम खुलासे हो सकते हैं। अभियान के दौरान की गई बरामदगी इस बात का संकेत है कि अवैध कारोबार पर पुलिस ने कड़ा प्रहार किया है। पुलिस ने 12,258 क्वार्टर अवैध शराब जब्त की, जो गैरकानूनी तरीके से सप्लाई की जा रही थी। इसके अलावा 6.01 किलो गांजा भी बरामद किया गया, जिससे साफ है कि मादक पदार्थों के खिलाफ भी अभियान को गंभीरता से चलाया गया। पुलिस ने इस दौरान ₹2,30,990 नकद भी जब्त किए, जिनके अवैध गतिविधियों से जुड़े होने की आशंका है। हथियारों और आपत्तिजनक सामग्री की बरामदगी भी अभियान की बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। पुलिस ने 21 CMP, 20 जिंदा कारतूस और 27 चाकू बरामद किए हैं। अधिकारियों का कहना है कि इन हथियारों का इस्तेमाल आपराधिक वारदातों में किया जा सकता था, लेकिन समय रहते इन्हें जब्त कर लिया गया। इससे इलाके में अपराध की संभावनाओं पर बड़ा अंकुश लगा है। इसके साथ ही पुलिस ने 310 मोबाइल फोन, 231 दोपहिया वाहन और एक चारपहिया वाहन भी बरामद किए हैं। इनमें से कई वाहन चोरी के बताए जा रहे हैं, जिनकी पहचान और सत्यापन की प्रक्रिया जारी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि बरामद मोबाइल फोन और वाहनों की जांच के बाद इनके मालिकों और आपराधिक नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचने में मदद मिलेगी। डीसीपी हेमंत तिवारी ने बताया कि ऑपरेशन आघात 3.0 का उद्देश्य सिर्फ गिरफ्तारी करना नहीं, बल्कि अपराधियों में कानून का डर पैदा करना भी है। उन्होंने कहा कि इस तरह के विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे, ताकि अवैध शराब, नशे के कारोबार, जुआ और हथियारों की तस्करी पर पूरी तरह लगाम लगाई जा सके। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, अभियान के दौरान जगह-जगह चेकिंग प्वाइंट लगाए गए, संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की सघन तलाशी ली गई और स्थानीय स्तर पर सूचना तंत्र को भी सक्रिय किया गया। दिल्ली पुलिस का कहना है कि जनता के सहयोग से ही ऐसे अभियानों को और प्रभावी बनाया जा सकता है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886